वर्ष-31, अंक- 257, पृष्ठ-12 | असाढ़ शुक्ल पक्ष 09, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
शुक्रवार
04 जुलाई 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

एक नजर

झारखंड रेल हादसा :

साहिबगंज में मालगाड़ी की 18 बोगी पटरी से उतरीं

साहिबगंज। साहिबगंज में गुरुवार सुबह बड़ा रेल हादसा हो गया। इसमें पत्थरों से लोड एक मालगाड़ी बेपटरी हो गयी, जिससे कई बोगियां क्षतिग्रस्त हो गईं। हालांकि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है लेकिन रेलवे को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। इस दुर्घटना में मालगाड़ी की करीब 18 बोगियां पटरी से उतरकर नीचे गिर गईं हैं। मालदा डीआरएम घटनास्थल का मौका-मुआयना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साहिबगंज के बरहरवा हिल अपर साइड में गुरूवार की सुबह पत्थर चिप्स लोडेड एक मालगाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे मालगाड़ी के डिब्बे घनी आबादी की तरफ आ गिरे लेकिन इस घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी पहाड़ पर थी। जब मालगाड़ी पहाड़ से ढलान की तरफ आने लगी तो वह अनियंत्रित होकर सरकने लगी। इसके बाद देखते ही देखते मालगाड़ी की कई बोगियां आपस में टकरा गईं और पलटकर क्षतिग्रस्त हो गईं। मालगाड़ी में पत्थर चिप्स लोड था। दुर्घटना की आवाज सुनकर गांव वाले उधर की तरफ भागे तो देखा कि एक के बाद एक मालगाड़ी की बोगियां आपस में टकरा कर पलटी हुई हैं। वहां पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। कुछ ही देर बाद वहां पर सुरक्षा बल, प्रशासनिक और रेलवे के अधिकारी पहुंच गए। उन्होंने घटना की जानकारी अपने वरिष्ठों को दी।

गढ़वा में नितिन गडकरी ने दी 2459.48 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

असली समृद्धि युवाओं को रोजगार से आएगी : गडकरी

- **गढ़वा बाईपास का लोकार्पण, गुमला एनएच का शिलान्यास, तसर से सीएनजी तक विकास योजनाओं की झलक**

राणा अरुण सिंह

गढ़वा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी गुरुवार को गढ़वा पहुंचे और राज्य को 2459.48 करोड़ रुपये की दो प्रमुख सड़क परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने शंखा से खजुरी तक 23 किमी लंबे फोरलेन गढ़वा बाईपास (एनएच-39) को 1129.48 करोड़ की लागत से निर्मित कर लोकार्पित किया, जबकि गुमला जिले में छत्तीसगढ़ सीमा से गुमला तक 32 किमी फोरलेन एनएच-43 के निर्माण कार्य का 1330 करोड़ की लागत से ऑनलाइन शिलान्यास किया।

हूर गांव के पास आयोजित समारोह में उन्होंने पलामू सांसद विष्णुदयाल राम की मांग पर औरंगाबाद (बिहार) से डालटनगंज (झारखंड) तक 24 किमी सड़क निर्माण के लिए 670 करोड़ की मंजूरी दी। इसी साल से कार्य शुरू होने का भरोसा दिलाया। गढ़वा विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी की मांग पर गढ़वा-अंबिकापुर फोरलेन परियोजना के लिए 4500 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। वहीं, चतरा सांसद कालीचरण सिंह की मांग पर टोरी और महुआमिलान में आरओबी निर्माण को भी मंजूरी मिली।

गडकरी ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड में अब तक 40 हजार करोड़ की परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, 70 हजार करोड़ की योजनाएं पाइपलाइन में हैं और 75 हजार करोड़ की योजनाएं आगामी हैं। राज्य में कुल दो लाख करोड़ की सड़क परियोजनाओं पर काम होगा। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़कें देश को समृद्ध बनाती हैं। झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध है, लेकिन असली समृद्धि तब आएगी जब युवाओं को काम मिलेगा।

उन्होंने महाराष्ट्र के विदर्भ मॉडल का उल्लेख करते हुए बताया कि वहां 1000 तालाब बनाकर किसानों की हालत सुधारी गई, झारखंड में भी ऐसी योजना लागू की जाएगी। तालाबों की खुदाई की मिट्टी से सड़कें बनाई जाएंगी, जिससे पर्यावरण, कृषि और आधारभूत संरचना को एक साथ लाभ मिलेगा।

गडकरी ने झारखंड की तसर साड़ियों और हस्तशिल्प की सराहना करते हुए कहा कि साहेबगंज और गोड्डा की महिलाएं जो साड़ियां बनाती हैं, उनकी देशभर में मांग है। मुंबई की एक मॉडल ने नागपुर में इन साड़ियों का प्रदर्शन किया और वर्तमान में 200 साड़ियों की वेटिंग चल रही है। उन्होंने स्थानीय कलाकारों को प्रशिक्षण व बाजार से जोड़ने की जरूरत पर बल दिया।

कार्यक्रम में झारखंड के लिए 500 करोड़ रुपये के केंद्रीय सड़क निधि (सीआरएफ) की भी घोषणा की गई। गडकरी ने राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से आग्रह किया कि मुख्यमंत्री से मिलकर इसका प्रस्ताव जल्द भेजें। उन्होंने वित्त मंत्री के उस कथन का समर्थन किया जिसमें कहा गया कि "चुनाव तक राजनीति होनी चाहिए, उसके बाद विकास की राजनीति।"

मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की और बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिल्ली में गुरुजी के साथ होने के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।

कार्यक्रम में पलामू सांसद विष्णुदयाल राम, चतरा सांसद कालीचरण सिंह, गढ़वा विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी, मेदिनीनगर विधायक आलोक चौरसिया, पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी, पूर्व सांसद घुरन राम, राज्य दिशा समिति सदस्य दिवेश तिवारी, उपायुक्त दिनेश कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

3800 करोड़ की लगत से 9 राष्ट्रीय राजमार्गों का हुआ शिलान्यास

गडकरी के एलिवेटेड कॉरिडोर से राजधानी रांची निहाल

- **राजधानी को जाममुक्त करने का 4 दशक पुराना सपना हुआ पूरा**

रांची। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गढ़वा के बाद रांची को भी गुरुवार को बड़ी सौगात दी। उन्होंने रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन किया। इससे पहले रांची पहुंचने पर नितिन गडकरी पर फूलों की बारिश की गई। इस स्वागत से केंद्रीय मंत्री अभिभूत दिखे। रातू रोड एलीवेटेड कॉरिडोर के निर्माण पर करीब 560 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। नितिन गडकरी ने आज झारखंड में 6300 करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

रांची में इलेक्ट्रिक बस और आउटर रिंगरोड की घोषणा की : नितिन गडकरी ने कहा, 'नागपुर के बाद रांची देश का दूसरा शहर होगा, जहां इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी। ये बसें डीजल बसों की तुलना में 30% सस्ती होंगी।' उन्होंने रांची में आउटर रिंगरोड निर्माण को मंजूरी देने की घोषणा की और रातू रोड फ्लाईओवर के सौंदर्यीकरण के लिए आर्ट कॉलेज के छात्रों के सहयोग की बात कही। गडकरी ने बताया कि झारखंड में एक लाख करोड़ रुपये से सड़क निर्माण कार्य होगा, जिसमें कई परियोजनाएं शामिल हैं।

रांची-वाराणसी कॉरिडोर और अन्य परियोजनाएं : गडकरी ने बताया कि 413 किमी लंबा रांची-वाराणसी इकोनॉमिक कॉरिडोर साढ़े चार घंटे में तय होगा, जिसका 60% निर्माण पूरा हो चुका है। दिल्ली-कोलकाता 6-लेन कॉरिडोर में झारखंड का 128 किमी हिस्सा शामिल है, जिसका निर्माण तेजी से चल रहा है। रांची-संबलपुर और रक्सौल-हल्दिया (611 किमी) कॉरिडोर का निर्माण भी प्रस्तावित है। रांची-खूंटी 4-लेन सड़क के लिए भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण निर्माण कार्य रुका हुआ है, जिसके लिए उन्होंने राज्य सरकार से जल्द कार्रवाई की अपील की।

दिसंबर तक लॉजिस्टक कॉस्ट घटकर नौ फीसदी हो जाएगा : नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सात वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किए गए हैं। लॉजिस्टिक कास्ट 16% से घटकर 10% हो गया है। दिसंबर से पहले लॉजिस्टिक कास्ट घटकर 9% हो जाएगा। उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी का उदाहरण देते हुए कहा कि कैनेडी ने कहा था शेष पेज 11 पर...

रांची में केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की घोषणा

- आउटर रिंग रोड, रांची के डीपीआर को मंजूरी दी गई। ₹6000 करोड़ की लागत से बनेगा आउटर रिंग रोड।
- रातू रोड में नवनिर्मित एलिवेटेड कॉरिडोर के सभी पिलर पर सोहराई पेंटिंग को तत्क्षण स्वीकृति।
- रांची-सिल्ली-मुरी को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करते हुए गति शक्ति के तहत इसके निर्माण की संभावना तलाशेंगे।
- नागपुर की तर्ज पर रांची और जमशेदपुर में ई बस के परिचालन का ट्रायल करवाया जाएगा।
- ₹5000 + ₹500 करोड़ रुपए सीआरएफ (केंद्रीय सड़क फंड) के किए मंजूरी।
- एकचारी से मेहगामा खंड का 4-लेन निर्माण ₹1300 करोड़ की लागत। -
- कोडरमा-मेघातारी खंड का 4-लेन निर्माण को मंजूरी। लागत - ₹900 करोड़। इससे रांची और पटना के बीच बेहतर संपर्क प्रदान करेगा। दोनों क्षेत्र में यात्रा समय 1 घंटे से घटकर 30 मिनट होगा। दुर्घटनाओं और यातायात संकुलन को कम करेगा।
- पाकुड़ शहर में ₹450 करोड़ की लागत से 20 किमी लंबा बाइपास निर्माण।
- हंटरगंज में बाईपास निर्माण ₹150 करोड़ की लागत से 7 किमी लंबा होगा यह बाईपास।

सालों पहले सीपी सिंह ने की थी फ्लाईओवर की मांग : नितिन गडकरी

एलीवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन करने के बाद नितिन गडकरी ने कहा कि सालों पहले सीपी सिंह ने मुझे इस रास्ते पर लाकर कहा था कि यहां फ्लाईओवर बनाने की जरूरत है। इसके बाद संजय सेठ लगातार मेरे पीछे लगे रहे। अधिकारियों ने मुझसे कहा कि यह सड़क शहर के बीचोबीच है, इसलिए इस काम को राज्य सरकार या नगर निगम को करना चाहिए। हालांकि, बाद में हमने संजय सेठ के दबाव में इस फ्लाई ओवर को बनाने का फैसला किया और अब यह बनकर तैयार है। इस फ्लाईओवर से रांची में प्रदूषण कम होगा और लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर दुबई में फंसे झारखंड के मजदूर लौटेंगे स्वदेश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद दुबई में फंसे गिरिडीह, हजारीबाग और धनबाद के 15 मजदूरों के वतन वापसी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मजदूरों ने वीडियो जारी कर राज्य सरकार से वतन वापसी में सहयोग की अपील की थी।

मामले की जानकारी के बाद मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग और राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को मजदूरों के सुरक्षित वतन वापसी और बकाये पारिश्रमिक का भुगतान कराने का निर्देश दिया था। सभी 15 कामगार दुबई स्थित मसाई कान्ट्रैक्टिंग एलएलसी कंपनी में कार्यरत हैं। मजदूरों ने जानकारी दी कि उन्हें पिछले कई महीनों से वेतन नहीं मिला है। बार-बार अनुरोध के बावजूद कंपनी की ओर से वेतन भुगतान में टालमटोल की जा रही है। कंपनी की ओर से किसी प्रकार का वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। जिन मकानों में वे रह रहे हैं, वहां मकान का किराया नहीं देने पर पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई है। वे वतन वापसी करना चाहते हैं ।

बकाया पारिश्रमिक का हुआ भुगतान : मुख्यमंत्री के मिले निर्देश पर राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष की ओर से मजदूरों को भोजन, पानी और आवश्यक दैनिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराने, कंपनी से बकाया वेतन दिलाने एवं मजदूरों के जल्दप वतन वापसी के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय दूतावास, अबूधाबी, दूतावास, दुबई से अनुरोध किया गया। इसके बाद दो जुलाई को कंपनी ने अप्रैल 2025 का वेतन कुल पांच लाख 55 हजार 242 रुपए भुगतान कर दिया। कंपनी ने शेष बकाया पारिश्रमिक का भुगतान करने और भारत वापसी की व्यवस्था का आश्वासन कंपनी के प्रतिनिधि एनटी रेड्डी (महाप्रबंधक) ने भारतीय दूतावास के अधिकारियों को दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घाना गणराज्य की संसद को संबोधित किया, कहा

हमारी दोस्ती घाना के प्रसिद्ध अनानास से भी ज्यादा मीठी

अकरा (आईएएनएस)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घाना गणराज्य की संसद को संबोधित करते हुए कहा कि मैं घाना गणराज्य की संसद को संबोधित करके बहुत ही सम्मानित महसूस कर रहा हूं। घाना में होना सौभाग्य की बात है, यह एक ऐसी भूमि है, जो लोकतंत्र की भावना को प्रसारित करती है। दुनिया के सबसे बड़े

लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में मैं 1.4 बिलियन भारतीयों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं और सद्भावना लेकर आया हूं। उन्होंने कहा कि जब हम घाना को देखते हैं तो हम एक ऐसे राष्ट्र को देखते हैं, जो साहस के साथ खड़ा है- एक ऐसा राष्ट्र, जो सम्मान और शालीनता से हर चुनौती का सामना करता है। समावेशी प्रगति के प्रति आपकी प्रतिबद्धता ने वास्तव में घाना को पूरे अफ्रीकी महाद्वीप के लिए प्रेरणा का केंद्र बना दिया है। शेष पेज 11 पर...

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

आज / कल

इंडिया

भ्रष्ट आइएएस की बढ़ती संख्या से नौकरशाही की गिरती प्रतिष्ठा

25 साल का होने जा रहा झारखंड अपनी खनिज संपदा और प्राकृतिक सौंदर्य से भरे पर्यटन स्थलों से अधिक कथित भ्रष्ट बड़े अधिकारियों के कारण चर्चा में है । वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों विनय कुमार चौबे, छवि रंजन और पूजा सिंघल की गिरफ्तारी और आरोपों ने न केवल सुर्खियां बटोरीं बल्कि राज्य की छवि को भी धूमिल किया ।भ्रष्टाचार के आरोप में फंसने वालों में 1999 बैच के आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे को राज्य सरकार के एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने शराब घोटाले में गिरफ्तार किया है। इस मामले में उन पर आरोप है कि उन्होंने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग का सचिव रहते हुए शराब नीति में व्यापक स्तर पर अनियमितताएं कीं, जिससे छत्तीसगढ़ के शराब सिंडिकेट को लाभ पहुंचा। इस घोटाले से राज्य को 38 करोड़ रुपये से अधिक के सरकारी राजस्व का नुकसान हुआ। एसीबी ने चौबे और संयुक्त आबकारी आयुक्त गजेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया, जो इस मामले में एक और कड़ी हैं। यह आरोप नौकरशाही,राजनीति और निजी क्षेत्र की सांठगांठ से ही संभव है। हजारीबाग में उपायुक्त रहे श्री चौबे पर आरोप है कि हजारीबाग के खासमहाल की 2 ।75 एकड़ जमीन का फर्जी दस्तावेज के आधार पर 23 निजी लोगों को निबंधित कर दिया था । इससे पहले 2011 बैच के आईएएस अधिकारी छवि रंजन को ईडी ने रांची में सेना की जमीन से संबंधित अवैध खरीद-बिक्री के मामले में गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने रांची के उपायुक्त पद पर रहते हुए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 4 ।55 एकड़ सैन्य भूमि की बिक्री में सहायता की। रांची के बरियातू और चेशायर होम रोड जैसे क्षेत्रों में जमीन घोटाले में उनकी संलिप्तता सामने आई ।ईडी की जांच में पता चला कि छवि रंजन ने जमीन माफिया व बिचौलियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी की, जिससे सरकारी और आदिवासी जमीनों का दुरुपयोग हुआ। छवि रंजन अभी भी जेल में हैं और इन आरोपों ने श्रेष्ठ माने जाने

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

वाली नौकरशाही की गरिमा को प्रभावित किया है। 2000 बैच की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल 21 साल की उम्र में ही भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए चयनित हुई थीं और सबसे कम उम्र की आईएएस के तौर पर उनका नाम लिम्का बुक ऑफ रिकाड्र्स में अंकित है। पर 2022 में मनरेगा घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में उनकी गिरफ्तारी हुई। खूंटी की उपायुक्त रहते हुए उन्होंने 2008-10 के दौरान 10 ।16 करोड़ रुपये की अनियमितता की। ईडी ने उनके ठिकानों पर छापेमारी में 19 ।31 करोड़ रुपये नकदी और 150 करोड़ की अघोषित संपत्ति के दस्तावेज बरामद किए ।उनके सीए सुमन कुमार के घर से भी भारी मात्रा में नकदी मिली। पूजा सिंघल को दिसंबर, 2024 में जमानत मिली और उन्हें दोबारा पोस्टिंग भी दी गई। राज्य में भ्रष्टाचार के कारणों की बात करें तो यहां के लोगों का जागरूक नहीं होना और अरबों की खनिज संपदा इसके मूल कारण हैं । विकास योजनाओं से लेकर खनन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की शिकायतें आती हैं । जमीन की हेराफेरी और शराब नीति में मनमानी ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। घूस लेते रंगे हाथ पकड़े गए भ्रष्ट अधिकारी तक साक्ष्य के अभाव में और प्रभावशाली लोगों के कारण छूट जाते हैं जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। इन घोटालों ने झारखंड को भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया है। ऐसे मामलों से राज्य की छवि को धक्का लगा है। एंटी करप्शन ब्यूरो लगातार रिश्वत आदि की मिलने वाली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करती है, लेकिन यह प्रवृत्ति कम होने के बजाय बढ़ रही है। कई सरकारी पदाधिकारियों और कर्मियों के पास आय से काफी अधिक धन है, जिसे लक्ष्य बनाकर कार्रवाई की जाए लोकपाल को सक्रिय किया जाए तो भ्रष्टाचार की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सकता है। टेंडर में मनमानी पर रोक के लिए प्रक्रिया को अधिकाधिक पारदर्शी बनाने से ऐसी शिकायतों में कमी आ सकती है। टर्न ओवर की बड़ी राशि जैसे मनमाने शर्तों के आधार पर पदाधिकारी पहले से ही यह तय कर लेते हैं कि अमुक एजेंसी को टेंडर देना है। ऐसे में सक्षम कंपनियों को तकनीकी खामी बताकर छांट दिया जाता है। इससे भ्रष्टाचार का पोषण होता है। शीर्ष स्तर पर भ्रष्टाचार के इस खेल में चौबे अंतिम कड़ी नहीं हैं। आगे भी इस कड़ी में कई नाम जुड़ेंगे क्योंकि राज्य सरकार इस पर रोक के लिए तत्पर दिख रही है। 180 देशों की लिस्ट में भारत 96वें पायदान पर है जो पिछले 10 सालों में भारत की सबसे खराब रैंकिंग है। 2023 में भारत की रैंकिंग 93 थी यानी नए इंडेक्स में भारत की रैकिंग में 3 पायदान की गिरावट आई है। वैसे सिर्फ नौकरशाही को भ्रष्ट नहीं कहा जा सकता क्योंकि वे इस तंत्र के एक महत्वपूर्ण पुर्जे की तरह होते हैं जो फ़ैसले लेते हुए दिखते हैं पर असल फैसले वो नहीं करते बल्कि पूरे तंत्र का नेतृत्व करने वाले नेता लेते हैं जो एक ओर इन्हें बढ़ावा देते हैं तो दूसरी ओर ईमानदार को किनारे कर देते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर जांबाज जवानों की ताकत

मिशन सिंदूर सिर्फ नाम नहीं, हमारे देश के महापराक्रमी , जांबाज जवानों की ताकत है और पहलग़ाम की वादियों में निर्दोष , मासूम प्रयटकों के खून बहाने वालों के बिरुद्ध प्रतिशोध की ज्वाला है । धर्म और जाति के नाम पर पाकिस्तान के क्रूर आतंकवादियों ने सिंदूरी खून से मेहंदी के रंग को फीका क़र दिया , माता की गोद को सूना कर किया, बच्चों के सर से पिता का साया छीन लिया और पत्नि के मांग की सिंदूर मिटा दी । अब यही हिंदुस्तानी सिंदूर ऑपरेशन सिंदूर के नाम से पाकिस्तानी आतंकवाद का नामोनिशान मिटा देने का संकल्प ले चुका है । आज हमारे जवानों का शौर्य उनपर इस प्रकार कहर बन ढा रही है कि आज उनके लाशों को कन्धा देने वाला कोई नहीं । आज ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हमारे देश के बहादुर सैनिकों ने अपना इतिहास रचने वाला अनोखा शौर्य दिखला क़र दुश्मनों के सारे मनसूबे को ध्वस्त क़र,देश का गौरव बढ़ाया है इसके लिए हम भारतवासी उन्हें बधाई देत्ते है। आज पूरा विश्व इस ऑपरेशन सिंदूर की भूरी-भूरी प्रशंसा क़र रहा है। हमारे वैज्ञानिक भी कंधे से कंधा मिला कर श्रेष्ठ और सटीक हथियार तैयार कर रहें हैं जिसका उपयोग हमारे बीर सैनिक बखूबी करते हुए पूरे संसार को अचँभित कर रहें हैं।

हमारे दुश्मन थर्र थर्र कांप रहें हैं अब उनके दुर्दिन सामने हैं।

नमन है हमारे माँ भारती के रक्षक, अपने कुल के गौरव , मनु वंशज,और मानवता के रखवाले वीर जवानों को।

भारत माता की जय, जय हिन्द, जय हिन्द की सेना

राष्ट्रीय नवीन मेल

पूनम सिन्हा
भाव शिखा

पत्नी की टांगी से हत्या कर फरार होने वाला आरोपी पति चढ़ा पुलिस के हत्थे

● नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के महुआरी गांव में घरेलू विवाद बना खूनी संघर्ष

नवीन मेल संवाददाता

नौडीहा। पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के महुआरी गांव में बुधवार देर शाम घरेलू विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की टांगी से काटकर हत्या कर दी। मृतका की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति बसंत भुइंया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ जारी है। घटना के संबंध में बताया गया कि

बसंत भुइंया और उसकी पत्नी के बीच बीते तीन दिनों से विवाद चल रहा था। बुधवार को जब बसंत शराब के नशे में घर पहुंचा, तो किसी बात को लेकर दोनों के बीच फिर से झगड़ा हुआ। झगड़े ने उग्र रूप ले लिया और बसंत ने गुस्से में आकर टांगी से पत्नी पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। नौडीहा बाजार थाना की पुलिस तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही छापेमारी कर आरोपी को उसके घर से ही गिरफ्तार कर लिया गया। थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि पति-पत्नी के बीच पुराना विवाद चल रहा था, और बुधवार को भी इसी विवाद के दौरान घटना हुई। उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान जारी है। इधर, घटना से गांव में सनसनी फैल गई है। मृतका के परिजन और ग्रामीणों में आक्रोश है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से लोगों में कुछ राहत है, लेकिन यह घटना पारिवारिक संबंधों में बढ़ते तनाव और नशे की लत से उत्पन्न खतरनाक हालात की एक और दुखद मिसाल बनकर सामने आई है।

एससी-एसटी युवाओं के लिए रोजगार का अवसर, जेएसएलपीएस के तहत नियुक्ति की पहल

मोहम्मदगंज। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत जेएसएलपीएस द्वारा एससी-एसटी वर्ग के युवाओं को नौकरी का अवसर दिया जा रहा है। जॉब रिसोर्स पर्सन उदय कुमार ने बताया कि 10वीं पास इच्छुक युवा या उनके अभिभावक संपर्क कर सकते हैं। इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में लड़कों की नियुक्ति होगी, जबकि होटल मैनेजमेंट ट्रेड में केवल मैट्रिक पास लड़कियों को मौका दिया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवारों को चयन के बाद प्रशिक्षण व नौकरी दी जाएगी। यह पहल ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कारगर साबित हो सकती है।

जलसहियाओं की रोकड़ पंजी का हुआ अंकेक्षण, वित्तीय वर्षों की स्थिति पर हुई समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड सभागार में गुरुवार को आयोजित बैठक में प्रखंड की ग्राम जल स्वच्छता समितियों की जलसहियाओं द्वारा संधारित रोकड़ पंजी का अंकेक्षण किया गया। ब्लॉक वाश कॉर्डिनेटर प्रेमतोष पांडेय ने बताया कि कार्यपालक अभियंता-सह-सदस्य सचिव, जिला जल एवं स्वच्छता समिति के आदेश पर चार्टर्ड एकाउंटेंट फर्म के ऑडिटर द्वारा यह अंकेक्षण किया गया। इस दौरान वर्ष 2014-15 से 2023-24 तक के वित्तीय वर्षों की रोकड़ पुस्तिकाओं की जांच की गई। पांडेय ने कहा कि निदेशालय स्तर पर विभिन्न मदों के तहत ग्राम जल स्वच्छता समिति की अद्यतन स्थिति की समीक्षा के लिए यह अंकेक्षण किया गया है। इस हेतु बीडीओ को प्रखंड सभागार आवंटन की पूर्व सूचना दी गई थी। बैठक में सभी जलसहिया अपनी रोकड़ पंजी के साथ उपस्थित रहीं।

हिंदू पहलवान की परंपरा से उठता है 'पहलवानी सिपड़', भाईचारे की मिसाल बना है मुहर्रम

हैदरनगर। टोला गंज पर में मुहर्रम के अवसर पर 'पहलवानी सिपड़' का मिलन भाईचारे की परंपरा को जीवित रखे हुए है। इस बार भी हिंदू परिवार के उमेश कुमार ने इस परंपरा का निर्वहन किया। बताया गया कि वर्षों पहले इस भारी सिपड़ को स्व. भोनू साव ने उठाकर चिरागन सिपड़ से मिलवाया था, तभी से इसे 'पहलवानी सिपड़' कहा जाने लगा। इसके बाद रामरतन साव और फिर उनके पुत्र दिवंगत दिलीप कुमार ने यह जिम्मेदारी निभाई। अब उमेश कुमार इस परंपरा को निभा रहे हैं। फिरोज अंसारी के पूर्वजों के समय से गंज पर टोला में यह सिपड़ रखा जाता रहा है, जो नवमीं तिथि पर उनके दरवाजे पर रखा जाता है। हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग श्रद्धा से शिरनी चढ़ाते हैं और फातेहा कराते हैं। यह पर्व सामाजिक एकता और धार्मिक सौहार्द्र की प्रतीक बन चुका है।

हुसैनाबाद में विवाहिता की संदिग्ध मौत, दहेज हत्या का मामला दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत के रामबीघा गांव में विवाहिता सोनी कुमारी की संदिग्ध मौत के मामले में दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृतका के पिता संतोष केशरी ने हुसैनाबाद थाना में आवेदन देकर दामाद महावीर केशरी, ससुर संजय केशरी, सास लीलावती देवी व ननद नंदनी कुमारी को आरोपी बनाया है। आवेदन के अनुसार, शादी के बाद से ही सोनी पर पांच लाख रुपये और बुलेट बाइक की मांग को लेकर दबाव डाला जा रहा था। 26 जून को उसकी हत्या कर दी गई और बिना सूचना दिए उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। उधर, आरोपी पति महावीर केशरी ने सफाई में बताया कि सोनी गर्भवती थी और सीढ़ियों से गिरने के कारण उसकी मौत हुई। उन्होंने दावा किया कि मौत की सूचना ससुराल पक्ष को दी गई थी और अंतिम संस्कार उनके साथ मिलकर किया गया।

मांडर गांव में मातमी अंजुमन ने किया नौहा मातम

हुसैनाबाद। प्रखंड के पोल्डीह पंचायत अंतर्गत मांडर गांव में छह मुहर्रम को (हजरत इमाम हुसैन की सवारी) का पारंपरिक जुलूस निकाला गया। जुलूस सैयद हसनैन हुसैन के घर से प्रारंभ होकर इमामबाड़ा तक पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। कार्यक्रम में झरगड़ा की मातमी अंजुमन ने नौहा मातम किया। नौहा ख्वानी सैय्यद अलमदार हुसैन, इमरान हुसैन, शहंशाह हुसैन, मौलाना अफसर हुसैन ने किया। मुतवल्ली सैयद मोहम्मद हुसैन, नौशाद हुसैन, अफजल हुसैन, मिंटू हुसैन, सैफ हुसैन, अमन हुसैन समेत बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए।

एनिमिया मुक्त भारत अभियान के तहत स्कूली बच्चों की स्वास्थ्य जांच

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। एनिमिया मुक्त भारत सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को भजनियां और कादल में छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य जांच की गई। भजनियां में 86 बच्चों के हीमोग्लोबिन की जांच सहिया उर्मिला देवी, एएनएम रेणु कुमारी और सीएचओ शिल्पा मौर्या द्वारा की गई। कार्यक्रम में शिक्षक सत्येंद्र कुमार, महेंद्र कुमार, राकेश पांडेय, सुनील कुमार, अरविंद कुमार और विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष प्रतिमा देवी ने सहयोग किया। वहीं

कादल में सीएचओ रामी किण्डो और टीम ने 47 बच्चों की जांच कर उन्हें पौष्टिक भोजन अपनाने की सलाह दी। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य बच्चों के शरीर में खून की कमी को समय पर पहचानकर पोषणयुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देना है।

जल स्वच्छता समिति की समीक्षा बैठक सर्वेक्षण 2025 की तैयारी तेज

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड सभागार में गुरुवार को जल जीवन मिशन के तहत ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) की आय-व्यय लेखा अंकेक्षण की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता वॉश समन्वयक हरसू कुमार दयानिधि ने की। उन्होंने जल सहियाओं को उन्मुखीकरण प्रशिक्षण में जल स्त्रोतों की स्वच्छता, पानी की गुणवत्ता, और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी दी। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के बेहतर प्रदर्शन के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान करते हुए उन्होंने जल स्त्रोतों की नियमित जांच, जल संरक्षण व वर्षा जल संचयन पर जोर दिया। बैठक में 12 पंचायतों की जल सहियाएं आरती देवी, गीता देवी, रीता देवी, सबीना खातून, शगुफ्ता सुल्ताना, सीमा विश्वकर्मा, गायत्री देवी समेत अन्य ने भाग लिया। सहियाओं की समस्याएं भी सुनी गईं और समाधान का भरोसा दिया गया।

रविवार को श्रीहरि जाएंगे शयन में, चतुर्मास में रुकेंगे शुभ कार्य, शिव करेंगे सृष्टि संचालन

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। आषाढ़ शुक्ल एकादशी (6 जुलाई) को भगवान श्रीहरि विष्णु विशाखा नक्षत्र और रवियोग में शयन को जाएंगे। भीमचुल्हा मंदिर के पुजारी पंडित गंगा तिवारी ने बताया कि इसी दिन से चतुर्मास आरंभ होगा और चार महीने तक विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य वर्जित रहेंगे। संत महात्मा इस अवधि में तपस्या, जप-ध्यान, कथा-कीर्तन में लीन रहते हैं। गृहस्थ जन ब्रह्मचर्य, मौन, स्नान-दान आदि से पुण्य अर्जित करते हैं। पंडित तिवारी ने बताया कि चतुर्मास के दौरान भगवान शिव सृष्टि का संचालन करते हैं। सावन मास में शिव अभिषेक और भक्ति चरम पर होती है। वहीं, भादो में हरितालिका तीज और गणेशोत्सव जैसे पर्व मनाए जाते हैं। देवोत्थान एकादशी (1 नवंबर) को श्रीहरि पुनः जाग्रत होंगे और शुभ कार्यों की शुरूआत होगी। हालांकि इस बार नवंबर-दिसंबर में क्रमशः 9 और 4 दिन ही शुभ लग्न हैं।

पांकी मुखिया संघ उपाध्यक्ष को पितृ शोक

पांकी। नौडीहा टू पंचायत के मुखिया एवं मुखिया संघ उपाध्यक्ष मुकेश सिंह के पिता महाराज सिंह का 95 वर्ष की उम्र में गुरुवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। निधन की खबर मिलते ही गणेशपुर स्थित उनके आवास पर श्रद्धांजलि देने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। मुखिया संघ अध्यक्ष राजेंद्र पांडे, विभिन्न पंचायतों के मुखिया, जनप्रतिनिधि और सैकड़ों ग्रामीण अंतिम दर्शन को पहुंचे और शव यात्रा में शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामीणों ने बताया कि महाराज सिंह समाजसेवा से जुड़े नेकदिल व्यक्ति थे, जिनकी पहचान पूरे प्रखंड क्षेत्र में थी।

तेतरियाडीह में लघु उद्योग सागर बोरवेल्स एवं कंस्ट्रक्शन का उद्घाटन

नीलांबर-पीतांबरपुर। प्रखंड क्षेत्र के पिपराखुर्द पंचायत अंतर्गत तेतरियाडीह गांव में सोमवार को सागर बोरवेल्स एवं सागर कंस्ट्रक्शन नामक नए लघु उद्योग का शुभारंभ समाजसेवी रामदास साहू द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर रामदास साहू ने कहा कि इस प्रकार के उद्योग आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने युवाओं से स्वरोजगार अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देंगे। संस्थान के संचालक संदीप गुप्ता के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि यहां बाउंड्री वॉल, फेवर ब्लॉक, जेसीबी, पोकलेन, छड़, सीमेंट आदि निर्माण सामग्री आसानी से उपलब्ध होगी। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। उद्घाटन कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष ललन साहू, पूर्व मुखिया मो. आलम, राजा गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शहर की तरह दर्जा लेकिन हालत गांव से भी बदतर, हैदरनगर के शुक्र बाजार की दुर्दशा

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। एक लाख से अधिक आबादी वाला हैदरनगर प्रखंड मुख्यालय खुद को शहर कहता है, पर शुक्र बाजार मुहल्ले की हालत गांव से भी बदतर है। बरसात के दिनों में पीसीसी पथ पर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। नालियों की सफाई नहीं होने से गंदा पानी सड़कों पर बहता है, और घास-पात की परतों से पूरा इलाका अव्यवस्थित दिखता है। स्थानीय पंचायत समिति सदस्य शैलू जयसवाल ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लिया है। उन्होंने इस मुहल्ले की नालियों की सफाई और जलनिकासी का कार्य निजी खर्च पर कराने की घोषणा की है। इस संबंध में मुहल्लेवासियों के साथ बैठक कर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। लोगों का कहना है कि वर्षों से कोई जनप्रतिनिधि इस क्षेत्र की सुध नहीं ले रहा, जिससे अब लोग अपनी समस्याओं पर बोलने से भी हिचकते हैं।

बीडीसी बैठक, शिक्षा, अंचल कार्य व पीडीएस पर जनप्रतिनिधियों ने जताई नाराजगी

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रमुख पंचम प्रसाद की अध्यक्षता में बीडीसी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में बीडीओ ललित प्रसाद सिंह, सीओ राजकुंवर सिंह, उप प्रमुख अमित कुमार चौहान, सांसद प्रतिनिधि सत्य प्रकाश पांडे, विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र यादव सहित सभी पंचायत समिति सदस्य, मुखिया और विभागीय पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने शिक्षा, बिजली, स्वास्थ्य, मनरेगा, पीएचडी, अंचल व आवास योजना समेत विभिन्न विभागों की योजनाओं की स्थिति पर सवाल उठाए और समस्याओं से अवगत कराया। प्रमुख पंचम प्रसाद ने विशेष रूप से शिक्षा व्यवस्था सुधारने, पीडीएस दुकानों की अनियमितता रोकने, अंचल कार्यालय से जुड़े मामलों में पारदर्शिता लाने, अतिक्रमण हटाने, नालियों को

अतिक्रमण मुक्त करने और विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन सुचारू रूप से चलाने का प्रस्ताव पारित किया। राजस्व कर्मचारी की पंचायत सचिवालय में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने और पूर्व प्रस्तावों की प्रगति की जानकारी भी ली गई। कुछ मामलों में कार्रवाई लंबित रहने पर नाराजगी भी जताई गई। बैठक में पूर्व प्रमुख उर्मिला देवी, समिति सदस्य सुनील चौहान, श्यामनंदन ओझा, मिथिलेश यादव, गुड्डू सिंह, अनीता लोहरा, हफीजुल अंसारी समेत सभी सदस्य उपस्थित थे।

बेरू गांव में ग्रामीणों ने श्रमदान से बनाई सड़क, मुहर्रम को लेकर दिखा समर्पण

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। प्रखंड के तेतराईं पंचायत अंतर्गत बेरू गांव में ग्रामीणों ने मुहर्रम से पहले खुद श्रमदान कर जर्जर सड़क को कामचलाऊ रूप दे दिया। मदीना अहमद, मोहम्मद इसरार, मोहम्मद सद्दाम अहमद, इकबाल अहमद, मोहम्मद नाजिम, दस्तगीर आलम, मतीन अहमद समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया कि लगातार बारिश से सड़क की स्थिति खराब हो गई थी। मुहर्रम पर्व को देखते हुए बड़ी दुर्घटना की आशंका के बीच ग्रामीणों ने एकजुट होकर बुधवार और गुरुवार को श्रमदान किया और सड़क को सुधार दिया। गांव के लोग प्रशासनिक उपेक्षा से नाराज नजर आए, लेकिन अपने स्तर से तैयारी में जुटे हुए दिखे।

चयन — सीता प्लस टू विद्यालय में एनसीसी चयन प्रक्रिया पूरी

निर्धारित मानकों के आधार पर 50 छात्रों का हुआ चयन

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज (पलामू)। स्थानीय राजकीयकृत सीता प्लस टू उच्च विद्यालय में गुरुवार को झारखंड 44 बटालियन एनसीसी की भर्ती प्रक्रिया पूरी की गई। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल कवर दीप साहनी के निदेशानुसार बटालियन के पीआई स्टाफ सूबेदार बिरसा उरांव और विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय प्रसाद राय की उपस्थिति में चयन संपन्न हुआ। इस दौरान सामान्य ज्ञान की लिखित परीक्षा के साथ 800 मीटर दौड़, पुशअप, बिम, डिप्स जैसी शारीरिक दक्षता परीक्षाएं ली गईं। 140 प्रतिभागियों में से निर्धारित मानकों के आधार पर

50 छात्रों का चयन हुआ। कार्यक्रम में डॉ. ओरेन्द्र यादव ने कहा कि एनसीसी युवाओं को सेना और अन्य सशस्त्र बलों में सेवा का अवसर देता है और देश सेवा व अनुशासन का भाव भी विकसित करता है। चयन प्रक्रिया को सफल बनाने में शिक्षक कन्हैया प्रसाद, नीरज कुमार, डॉ. राजकुमार, गोपाल शरण राणा और आलोक कुमार का विशेष योगदान रहा।

न्यूज | बॉक्स

नगर पंचायत की ज्वलंत समस्याओं को लेकर अधिवक्ताओं का प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा गया

हुसैनाबाद। नगर पंचायत क्षेत्र की जन समस्याओं को लेकर गुरुवार को अधिवक्ता प्रेमतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में स्थानीय नागरिकों ने विरोध प्रदर्शन किया और कार्यपालक पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से नगर क्षेत्र में झुकी हुई सूखी पेड़ों की टहनियों को चिन्हित कर हटाने, आवारा कुत्तों की वैक्सीनेशन, सड़क किनारे की स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, नालियों की नियमित सफाई, जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान, मच्छर नियंत्रण उपाय और खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानों की गुणवत्ता जांच की मांग की गई। साथ ही पानी की नियमित आपूर्ति, सड़कों से अतिक्रमण हटाने और नगर क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करने की मांग की गई। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि सात दिनों में कार्रवाई नहीं होती है, तो आंदोलनात्मक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन में अजय प्रसाद गुप्ता, संतोष गुप्ता, अधिवक्ता मधुलता रानी, राजेश कर्ण, सचिन आनंद, अनिमेष अग्रवाल, सुनील सिंह, जितेन्द्र कुमार सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

अंडरपास ब्रिज में जलजमाव बना जोखिम का कारण, समपार फाटक से भारी वाहन चलाना पड़ा भारी

मोहम्मदगंज। सिंचाई कॉलोनी के पास अंडरपास ब्रिज में जलजमाव ने स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। हल्की बारिश में भी ब्रिज में पानी भर जाता है जिससे बस, ट्रक व हाइवा जैसे भारी वाहन गुजर नहीं पाते। समपार फाटक से होकर आवागमन के लिए रेलवे को सूचना देनी पड़ती है, जिससे कई बार घंटों की देरी होती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बारिश में यह मार्ग दलदल में तब्दील हो जाता है। कुछ दिन पूर्व खाद्यान्न लदा ट्रक कीचड़ में फंस गया था, जिसे ग्रामीणों की मदद से पलटने से बचाया गया। यह मार्ग मोहम्मदगंज-महुडंड मुख्य पथ, सिंचाई विभाग, थाना, प्रखंड कार्यालय, उत्तर कोयल परियोजना, पर्यटन स्थल भौंराहा, अस्पताल और विद्यालयों को जोड़ता है। लोगों ने मांग की है कि अंडरपास ब्रिज से जल निकासी का समुचित प्रबंध हो और पैदल पथ का निर्माण कराया जाए। साथ ही समपार फाटक के मार्ग को समतल कर आवागमन के लायक बनाया जाए।

हजरत मोहम्मद और हजरत औन की शहादत को किया गया याद, जुलूस-ए-अजा निकला

हुसैनाबाद। छठी मुहर्रम के अवसर पर गुरुवार को हुसैनाबाद में हजरत मोहम्मद व हजरत औन की शहादत को याद करते हुए मखसूस मजलिसों का आयोजन किया गया। मुख्य मजलिस मरहूम डॉ. सरफराज हैदर साहब के अजाखाना में आयोजित की गई, जहां मर्सिया मोहम्मद रजा ने पढ़ा और मास्यब व फजायल जनाब हैदर रजा द्वारा प्रस्तुत किया गया। नौहाख्वानी में सैयद हसन अली, सैयद नकी इमाम, मिसम रिजवी, समीर मिर्जा और मिर्जा इस्लाम ने भाग लिया। रात्रि में जुलूस-ए-अजा मरहूम सैयद जाकिर हुसैन साहब झाझा गोदाम से निकाला गया, जो गांधी चौक होते हुए सदर इमामबाड़ा तक पहुंचा। जुलूस में जुल्जनाह, ताबूत, अलम आदि के साथ मातम करते हुए अकीदतमंद शामिल हुए। कार्यक्रम में मुतवल्ली सैय्यद तक्की हुसैन, मिर्जा गौहर, गुलाम हुसैन, हैदर हुसैन, गुड्डू हुसैन सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाया।

नवाबाजार में शांति समिति की बैठक, सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम जुलूस निकालने का निर्णय

नवाबाजार। मुहर्रम पर्व को लेकर नवाबाजार थाना परिसर में बुधवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता बीडीओ रेणु बाला ने की और संचालन मोहम्मद यासीन खान ने किया। बैठक में तय हुआ कि जुलूस सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण माहौल में निकाला जाएगा। बीडीओ ने कहा कि पर्व को मिल-जुलकर मनाने से उसका महत्व बढ़ता है। उन्होंने सभी से सरकारी गाइडलाइन का पालन करने, इंटरनेट मीडिया पर भड़काऊ सामग्री से बचने और निर्धारित मार्ग से ही जुलूस निकालने की अपील की। इंस्पेक्टर रामाशीष पासवान ने कहा कि एनएच-98 अवरुद्ध नहीं होना चाहिए, जुलूस का समय पर समापन हो और ध्वनि यंत्रों का सीमित उपयोग किया जाए। एसआई सुबोध कुमार व विपिन कुमार सिंह ने चेतावनी दी कि अफवाह फैलाने या सौहार्द बिगाड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। बैठक में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र सोनी, मुखिया नरेंद्र सिंह, पूर्व प्रमुख रविंद्र पासवान, दीपक गुप्ता, अलीशेर अंसारी, मिस्टर अंसारी, मीर अमीरुद्दीन खां समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

केंद्रीय टीम ने किया खाद्य आपूर्ति योजनाओं का निरीक्षण, पीवीटीजी लाभुकों से संवाद भी हुआ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा को लेकर 3 जुलाई को जिले में केंद्रीय निरीक्षण दल का भ्रमण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस निरीक्षण अभियान की शुरुआत मेदिनीनगर स्थित भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के एफएसडी डिपो से हुई, जहां टीम ने गोदाम में रखे खाद्यान्न की भंडारण स्थिति की जांच की और मंडल प्रबंधक आशीष कुमार को आवश्यक निर्देश दिए। इसके पश्चात टीम चैनपुर प्रखंड पहुंची, जहां व्यापार मंडल स्थित धान अधिप्राप्ति केंद्र का निरीक्षण किया गया। वहां 2024–25 खरीफ सत्र के अंतर्गत धान की खरीद, उठाव और किसानों को किए गए भुगतान की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही टीम ने राज्य खाद्य निगम के चैनपुर स्थित गोदाम का भी दौरा किया और खाद्यान्न रख-रखाव की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की।

जन वितरण प्रणाली दुकानों का भी निरीक्षण : टीम ने चैनपुर के दो जन वितरण प्रणाली दुकानों का निरीक्षण कर कार्डधारियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने राशन उठाव, वितरण, फोर्टीफाइड चावल और 'वन नेशन, वन राशन कार्ड' योजना की जानकारी लाभुकों को दी। दुकान पर उपस्थित लाभुकों से यह भी पूछा गया कि उन्हें समय पर राशन मिल रहा है या नहीं।

पीवीटीजी परिवारों से किया सीधा संवाद : निरीक्षण के दौरान टीम कटीन टोला (चैनपुर) के पीवीटीजी समुदाय से भी मिली और उनसे अगस्त 2025 तक के खाद्यान्न प्राप्ति की जानकारी ली। कार्डधारियों ने बताया कि उन्हें प्रत्येक माह नियमित रूप से खाद्यान्न घर तक उपलब्ध कराया जा रहा है। मौके पर उपस्थित बच्चों को खाद्य सामग्री भी वितरित की गई।

पीजी पोर्टल शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद : परिसदन भवन में पीजी पोर्टल के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों के समाधान की स्थिति को लेकर टीम ने शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद किया और समाधान से संतुष्टि की जानकारी ली।

उपायुक्त से की समीक्षा बैठक

निरीक्षण उपरांत केंद्रीय दल ने उपायुक्त से भेंट कर अब तक किए गए निरीक्षण की विस्तृत जानकारी साझा की और विभिन्न योजनाओं की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की। इस दौरान केंद्रीय टीम में निदेशक गोकुल नागरकोटी और एफडी-3 सेक्शन के अधिकारी रामानंद मीणा शामिल रहे।

जिला स्तरीय उपस्थिति : जिला स्तर से जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू, भारतीय खाद्य निगम मंडल प्रबंधक रंधीर कुमार, चैनपुर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ललन कुमार, पाटन प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अक्षय कुमार, प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार तथा कंप्यूटर ऑपरेटर अंजय कुमार सहित अन्य कर्मी निरीक्षण में शामिल रहे।

मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

डीसी-एसपी ने सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील की

- जुलूस खत्म होने तक भारी वाहनों को शहर से दूर रखें : एसपी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में गुरुवार को स्थानीय टाउन हॉल में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी मोहर्रम पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि पलामू जिला त्योहारों को शांति और भाईचारे के साथ मनाने के लिए जाना जाता है, और इस परंपरा को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने समिति के सदस्यों से आपसी सहयोग और समन्वय के साथ इस बार भी मोहर्रम शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने का आह्वान किया।

बैठक में उपायुक्त ने सिविल सर्जन को ऑन कॉल एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने और सहायक नगर आयुक्त को सफाई के लिए डेडिकेटेड टीम तैनात करने का निर्देश दिया। साथ ही टाउन थाना में फायर ब्रिगेड वाहन को रेडी टू यूज की स्थिति में रखने पर भी जोर दिया गया। त्योहार के दौरान साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, जुलूस मार्गों की सुरक्षा, ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी, अफवाहों की रोकथाम, यातायात नियंत्रण और सोशल मीडिया की निगरानी जैसे विषयों पर भी विशेष रूप से चर्चा हुई।

पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि मोहर्रम जुलूस के दौरान शाम के समय भारी वाहनों को शहर में प्रवेश न दें। जुलूस समाप्त होने के बाद ही मार्ग पर इन्हें अनुमति दें। सीमा क्षेत्रों के थाना प्रभारी अपने निकटवर्ती दूसरे राज्य के थानों से समन्वय बनाए रखें। उन्होंने एनएचएआई प्रतिनिधियों से समन्वय कर निर्माण कार्यों में लगे वाहनों को व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने को कहा।

एसपी ने यह भी कहा कि जुलूस अगर नदी या तालाब के समीप से गुजरता है तो पुलिसकर्मी सतर्क रहें और सुरक्षा सुनिश्चित करें। सभी पेट्रोलिंग वाहनों में फर्स्ट एड किट अनिवार्य रूप से उपलब्ध हो, इस पर सिविल सर्जन को निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर विशेष नजर रखने की बात कही गई।

बैठक में मोहर्रम इंतजामिया कमिटी, अखाड़ा समिति के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव और आवश्यक व्यवस्थाओं से डीसी-एसपी को अवगत कराया। बैठक में उप विकास आयुक्त, सभी एसडीओ, डीएसपी, सीओ, थाना प्रभारी और संबंधित समिति के सदस्य उपस्थित थे।

मध्यस्थता को लेकर डालसा सक्रिय सचिव ने मीडिएटरों संग की समीक्षा बैठक

- न्यायाधीश दिवाकर पांडेय के मार्गदर्शन में 90 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा मामलों के निपटारे पर जोर

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार और झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, रांची के तत्वावधान में 'मेडिएशन फॉर द नेशन – राष्ट्र के लिए मध्यस्थता' अभियान के तहत 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता कार्यक्रम का आयोजन पूरे देश में किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), पलामू के सचिव राकेश रंजन ने बुधवार को जिले में कार्यरत मध्यस्थों (मीडिएटर) के साथ बैठक कर अभियान की प्रगति और आगामी रणनीति पर चर्चा की।

बैठक में सचिव ने सभी मीडिएटरों से आग्रह किया कि अभियान की भावना को साकार करते हुए ज्यादा से ज्यादा लंबित वादों का आपसी समन्वय से समाधान किया जाए। उन्होंने बताया कि वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, ऋण वसूली, सुलहनीय आपराधिक और दीवानी वाद जैसे मामलों को मध्यस्थता के जरिये सुलझाने की विशेष पहल की जा रही है। सचिव राकेश रंजन ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य विवादों का तेज, सुलभ और आपसी सहमति से समाधान सुनिश्चित करना है, जिससे पक्षकारों को न्यायालयीय प्रक्रिया में समय, खर्च और मानसिक तनाव से मुक्ति मिले। उन्होंने यह भी कहा कि मध्यस्थता विवाद सुलझाने का एक मानवीय और संवेदनशील तरीका है, जो समाज में समरसता और शांति स्थापित करता है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडेय स्वयं इस अभियान की नियमित समीक्षा कर रहे हैं और न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर पक्षकारों को मध्यस्थता केंद्र में रेफर करें, ताकि वैकल्पिक विवाद निपटान प्रणाली के तहत प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में उपस्थित सभी मीडिएटरों ने अभियान को सफल बनाने की प्रतिबद्धता जताई और जिले में लंबित मामलों के समाधान के लिए समर्पित प्रयास का आश्वासन दिया।

मुहर्रम को लेकर पुलिस की हाई अलर्ट बैठक अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में आगामी मुहर्रम पर्व को लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार में उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता पुलिस कप्तान रीष्मा रमेशन ने की। बैठक में जिले के सभी एसडीपीओ, थाना प्रभारी, निरीक्षक व अन्य अधिकारी उपस्थित थे। पुलिस कप्तान ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुहर्रम पर्व के दौरान शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी थाना क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला जाएगा और ड्रोन कैमरे से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की निगरानी की जाएगी। सभी जुलूसों की वीडियोग्राफी कराई जाएगी ताकि किसी प्रकार की अफवाह की स्थिति में सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर साइबर सेल को अलर्ट रखा गया है ताकि किसी भी भड़काऊ पोस्ट या अफवाह फैलाने वालों पर त्वरित कार्रवाई हो सके। खुफिया विभाग को सक्रिय किया गया है। पुलिस कप्तान ने आमजन से भी अपील की कि वे पर्व को सौहार्द्र और भाईचारे के साथ मनाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाना या कंट्रोल रूम को दें।

दहेज उत्पीड़न का मामला, महिला के पिता ने पति और ससुरालवालों पर लगाए गंभीर आरोप

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुगना निवासी बैजनाथ पाठक ने अपनी पुत्री के ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए थाना में आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री की शादी वर्ष 2009 में अलीगंज के लोहड़ी निवासी युवक से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले लगातार दहेज की मांग कर रहे थे। आवेदन में बताया गया कि दामाद वर्तमान में रांची में रहता है और लड़की के दो बेटियां हैं। पुत्र न होने पर ससुराल वाले उसकी बेटी को शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। पिता ने आरोप लगाया कि उनकी पुत्री के साथ मारपीट की गई और उसे घर से निकालने की धमकी दी जा रही है। इस संबंध में महिला ने पति, सास, ससुर और पति की भतीजी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

न्यूज बॉक्स

टाउन हॉल में डाक विभाग का महामेला आज प्रमंडल के तीनों जिलों के डाककर्मी होंगे शामिल

मेदिनीनगर। पलामू प्रमंडल में डाक सेवाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार और विभागीय कार्यों की समीक्षा हेतु शुक्रवार को मेदिनीनगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय टाउन हॉल में डाक महामेले का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में पलामू, गढ़वा और लातेहार जिलों के समस्त डाककर्मियों एवं ग्रामीण डाक सेवकों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। डाक अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम का उद्घाटन दोपहर 12 बजे होगा, जो अपराह्न 4 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डाक सेवा निदेशक आर.वी. चौधरी तथा पीएलआई के डीडीएम अमित कुमार उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ होगी, जिसके उपरांत सरस्वती वंदना और लोक नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके बाद पलामू जिले की डाक सेवाओं से जुड़ी उपलब्धियों की संक्षिप्त जानकारी दी जाएगी। मुख्य अतिथि सहित अन्य अधिकारी डाक विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी साझा करेंगे। कार्यक्रम के अंत में डाक विभाग के चयनित उत्कृष्ट कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि यह मेला न केवल विभागीय उत्साहवर्धन का अवसर होगा, बल्कि इससे डाक सेवाओं के प्रति आमजन में विश्वास भी सुदृढ़ होगा।

झामुमो का आरोप: संथाल को मणिपुर बनाना चाहती है भाजपा, हूल दिवस पर पूर्व नियोजित साजिश का दावा

मेदिनीनगर। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने गुरुवार को एक प्रेसवार्ता कर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। पार्टी के नेताओं ने कहा कि भोगनाडीह में हूल दिवस के अवसर पर हथियारों के साथ पकड़े गए लोगों का संबंध पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से है, जो अत्यंत गंभीर विषय है। सवाल उठाया गया कि ये लोग हथियार लेकर वहां क्या करने गए थे? क्या इनकी मंशा राज्य के मुख्यमंत्री या मंत्रियों पर हमले की थी? झामुमो नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा पिछले दो वर्षों से संथाल को मणिपुर बनाने की साजिश रच रही है, लेकिन पार्टी के ईमानदार कार्यकर्ता इसे सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि यह षड्यंत्र दिल्ली के दीनदयाल मार्ग से संचालित हो रहा है, जिसमें गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे का नाम सामने आ रहा है। पार्टी का आरोप है कि चंपई सोरेन और मंडल मुर्मू भी इस साजिश में शामिल हैं और गिरफ्तारियां शुरू हो चुकी हैं। नेताओं ने कहा कि भोगनाडीह में हुई हिंसा पूर्व नियोजित थी और यह भाजपा की सोची-समझी चाल का हिस्सा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस षड्यंत्र में शामिल सभी चेहरे जल्द ही बेनकाब होंगे। इसी क्रम में झामुमो जिला समिति द्वारा भाजपा के खिलाफ पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस प्रेसवार्ता में झामुमो के केंद्रीय समिति सदस्य व उपाध्यक्ष सन्नु सिद्दीकी, जिला उपाध्यक्ष बालकिशन उरांव, और सचिव रंजन चंद्रवंशी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

छः मुहान पर चला वाहन चेकिंग अभियान 22,320 का जुर्माना वसूला

मेदिनीनगर। शहर के व्यस्ततम छः मुहान चौक पर यातायात पुलिस और परिवहन विभाग की ओर से गुरुवार को विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों की सघन जांच की गई। जांच में कई वाहन चालक बिना हेलमेट, बिना ड्राइविंग लाइसेंस तथा ट्रिपल लोड सवारी करते हुए पाए गए। ऐसे कुल 11 दोपहिया वाहनों को जब्त कर शहर थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है। चेकिंग के दौरान एक स्कूटी चालक को नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए पकड़ा गया। उक्त वाहन को भी जब्त कर उसका चालान जिला परिवहन कार्यालय, पलामू को भेजा गया। साथ ही एक कार पर ब्लैक शीशा लगे होने के कारण भी कार्रवाई की गई और उसका चालान काटा गया। तीन जुलाई 2025 को जिला परिवहन कार्यालय, पलामू की ओर से भेजे गए चालान फाइन की राशि में 10 दोपहिया मोटरसाइकिलों का जुर्माना कुल 11,150 निर्धारित किया गया। वहीं शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालक पर 10,170 का चालान फाइन लगा। इसके अतिरिक्त काली शीशे वाली कार पर 1,000 का चालान फाइन लगाया गया। कुल मिलाकर इस चेकिंग अभियान में 22,320 की चालान फाइन राशि की वसूली हुई। यातायात प्रभारी और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने एवं सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे। साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित वाहन संचालन को प्राथमिकता दें।

पलामू में दो दिनों की हल्की बारिश से किसानों को राहत, शहरी क्षेत्र में जलजमाव से बढ़ी दिक्कतें

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में बीते चार दिनों की लगातार बारिश के बाद गुरुवार को हल्की वर्षा दर्ज की गई, जिससे किसानों ने राहत की सांस ली है। बारिश थमते ही खेतों में बिचड़ा डालने और जुताई का काम तेज हो गया है। वहीं, जिला मुख्यालय सहित शहरी इलाकों में जलजमाव की समस्या लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। खुली नालियों व सड़कों पर जमा पानी के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

गुरुवार को हल्की बारिश के बाद दिन में तेज धूप निकलने से तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो पिछले दो दिनों में लगभग तीन डिग्री अधिक है। मौसम विभाग के अनुसार जिले में मई और जून में रिकॉर्ड वर्षा हुई है। गुरुवार को 5.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि मंगलवार को 10.8 मिमी बारिश हुई थी। शुक्रवार को भी हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

उधर, शहरी क्षेत्र के कचहरी परिसर में बने गड्ढों और जलजमाव से भी लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से एसडीएम कार्यालय के पास बने गड्ढे में पानी भरने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र गड्ढों की मरम्मत की मांग की है ताकि आवागमन सुचारू हो सके।

भोगनाडीह कांड के विरोध में झामुमो ने किया भाजपा का पुतला दहन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संथाल परगना के भोगनाडीह में 30 जून को हुए कथित अपमानजनक घटनाक्रम के खिलाफ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने शुक्रवार को पलामू जिले के छः मुहान चौक पर भाजपा का पुतला दहन किया। इस विरोध कार्यक्रम का नेतृत्व झामुमो जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने किया।

इस दौरान झामुमो कार्यकर्ताओं ने भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया।

पुतला दहन के मौके पर जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि 30 जून को साहेबगंज जिले के भोगनाडीह में आयोजित हूल दिवस कार्यक्रम के दौरान भाजपा समर्थकों ने सुनियोजित तरीके से झारखंडी अस्मिता, आदिवासियों और मूलवासियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कायरतापूर्ण प्रयास किया। उन्होंने कहा कि यह घटना झारखंड के वीर शहीदों का सीधा अपमान है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आदिवासी संस्कृति और इतिहास को मिटाने की साजिश रच रही है और राज्य की शांति को भंग करने पर तुली हुई है। झामुमो इस तरह की साजिशों के खिलाफ सड़कों पर उतरकर जनता के साथ मिलकर संघर्ष करता रहेगा। कार्यक्रम में केंद्रीय समिति सदस्य सन्नू सिद्दीकी, महिला नेत्री सुशीला मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष बालकिसुन उरांव, जिला सचिव रंजन चंद्रवंशी, रमेश सिंह, देवानंद भारद्वाज, राकेश सिन्हा, सुनील तिवारी, हाजी ललन, अविनाश देव, गोपाल सिन्हा, कांती चंद्रवंशी, फ़ज़िल अहमद, मंजू कुमारी, शाहबाज आलम, दीपु चौरसिया, बबलू शहनवाज़, रिशु अग्रवाल, बब्लू चौधरी, अरविंद चौधरी, रंजन कुमार, कौशल किशोर, सैयद फैज़ल, रंजीत तिवारी, संजय तिवारी, कौशल सिंह, सौरभ पाठक, कौशिक राज, योराज कुमार, अवधेश कुमार, अरुण, विकास, राजू समेत सैकड़ों की संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिजली सरचार्ज प्रस्ताव पर चेंबर का विरोध आंदोलन की चेतावनी

मेदिनीनगर। झारखंड सरकार द्वारा निगम क्षेत्र में बिजली पर 5% सरचार्ज लगाए जाने के प्रस्ताव पर पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने कड़ा विरोध जताया है। चेंबर अध्यक्ष आनंद शंकर ने इसे जनता के साथ अन्याय करार देते हुए कहा कि सरकार नागरिकों को 'दुधारू गाय' समझ रही है। उन्होंने कहा कि पहले ही व्यापारी वर्ग ऑनलाइन मार्केट और बड़े मॉल से परेशान हैं, ऊपर से गुणवत्ता विहीन बिजली मिलने के बावजूद सरकार अतिरिक्त चार्ज लगाने की तैयारी कर रही है। यदि सरकार यह प्रस्ताव वापस नहीं लेती है, तो राज्यव्यापी आंदोलन तय है, जिसमें पलामू चेंबर भी भागीदार होगा। बैठक में रीजनल उपाध्यक्ष रिंकू दुबे, अविनाश वर्मा, कृष्ण अग्रवाल, महामंत्री इंद्रजीत सिंह डिंपल, अरविंद गुप्ता, राजदेव उपाध्याय, राकेश सोनी समेत अन्य सदस्यों ने भी विरोध जताया।

आस्था

धार्मिक उल्लास के साथ निकली जैन समाज की भव्य कलश यात्रा

सिद्धचक्र विधान का शुभारंभ, तीन सौ से अधिक श्रद्धालु शामिल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गुरुवार को मेदिनीनगर में जैन समाज के श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा स्थानीय जैन मंदिर से प्रारंभ होकर छमुहान, ओवरब्रिज, रेड़मा होते हुए गणेश लाल सरावगी स्मृति परिसर, आबादगंज में संपन्न हुई। कलश यात्रा में महिलाओं ने एक जैसे पारंपरिक परिधान में अभिमंत्रित जल से भरे कलश सिर पर लेकर भाग लिया। वहीं पुरुष केसरिया धोती-दुपट्टा पहनकर भक्ति में लीन रहे। रथ में भगवान की प्रतिमा को विराजमान कर बैंड बाजा के साथ अनुष्ठान स्थल तक लाया गया। यात्रा में अष्टकुमारियों और लोकांतिक देव स्वरूप बच्चों ने विशेष आकर्षण पैदा किया।

समारोह में बाल ब्रह्मचारी अन्नू भैया के सान्निध्य में अगले आठ दिनों तक विधान संपन्न होगा। प्रतिदिन संध्या सात बजे भक्तामर स्तोत्र के 48 दीपों के साथ आरती और प्रश्न मंच कार्यक्रम भी होगा। उद्घाटन कार्यक्रम में जैन समाज के वरिष्ठ नागरिकों एवं अध्यक्ष सरस जैन की उपस्थिति रही। आयोजन में भक्ति, अनुशासन और भव्यता का अद्भुत समन्वय देखने को मिला।

प्रशासन की ओर से विशेष सुरक्षा व्यवस्था

कलश यात्रा के मार्ग में पुलिस प्रशासन की ओर से विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। यातायात नियंत्रण के लिए कुछ जवान यात्रा के साथ-साथ मौजूद रहे ताकि आमजन को असुविधा न हो और जुलूस सुचारु रूप से आगे बढ़ सके। यातायात प्रभारी समाल अहमद ने जानकारी दी कि कलश यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। उन्होंने बताया कि अबादगंज में यात्रा का समापन सफलता पूर्वक कर लिया गया। इस दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली, और पूरा आयोजन प्रशासन एवं जैन समाज के सहयोग से सौहार्दपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

गढ़वा में 1129.48 करोड़ की लागत से बनी फोरलेन सड़क का उद्घाटन

सड़क ही विकास की रीढ़, वादों को समय पर पूरा करता हूं : गडकरी

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वे 11 वर्षों से मंत्री हैं और आज तक किसी भी पत्रकार को यह कहने का मौका नहीं मिला कि उन्होंने कोई वादा किया और उसे पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा, 'मैं जो कहता हूं वही करता हूं और जो करता हूं वही कहता हूं। पैसे की मेरे पास कोई कमी नहीं है। मेरे पास द्रौपदी की थाली है।' गुरुवार को गढ़वा प्रखंड के हूर गांव में आयोजित कार्यक्रम में वे 1129.48 करोड़ रुपये की लागत से बनी फोरलेन बाईपास सड़क का उद्घाटन करने पहुंचे थे। इसके साथ ही गुमला से छत्तीसगढ़ सीमा तक 1330 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सड़क का शिलान्यास भी ऑनलाइन माध्यम से किया गया। गडकरी ने कार्यक्रम में जल, जंगल और जमीन के समुचित उपयोग की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि आज किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि ऊजार्दाता और विमान ईंधन का निर्माता भी बन सकता है। गडकरी ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे, लेकिन पिता शिबू सोरेन के अस्वस्थ होने के कारण दिल्ली में हैं। उन्होंने सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो, महामंत्री संतोष दुबे, पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी, अलखनाथ पांडेय, विनय चौबे, उमेश कश्यप, रघुराज पांडेय, लक्ष्मण राम, विकास स्वदेशी, मुकेश चौबे सहित कई नेता उपस्थित थे।

केंद्र सरकार हमारी मां, झारखंड उसका बच्चा : वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर

गढ़वा के फोरलेन उद्घाटन कार्यक्रम में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि गढ़वा बाईपास सड़क वर्षों से लोगों का सपना था, जिसे पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हमारी मां है और झारखंड उसका बच्चा। हम दलगत भावना से ऊपर उठकर विकास के पक्षधर हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बिजली, सिंचाई, कृषि और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य हो रहे हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि गढ़वा एक आकांक्षी जिला है, जहां हर तीन साल में अकाल पड़ता है और खनिज संसाधनों के बावजूद खुशहाली नहीं है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के समक्ष केंद्र सरकार से मनरेगा मद में 1300 करोड़, जल जीवन मिशन के तहत 6500 करोड़ और विभिन्न पेंशन योजनाओं में 375 करोड़ की राशि लंबित होने का मुद्दा उठाया।

गढ़वा-अंबिकापुर सड़क को मिली स्वीकृति : विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी

गढ़वा विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने कहा कि बाईपास सड़क कभी लोगों का सपना था, जिसे केंद्रीय मंत्री और सांसद ने साकार किया। उन्होंने केंद्र सरकार की विकास योजनाओं की सराहना की, लेकिन झारखंड सरकार पर आरोप लगाया कि उसने गरीबों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि गढ़वा जिले में पेंशन तक चार महीने से बंद है और कोई उद्योग नहीं होने के कारण युवा पलायन को मजबूर हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से गढ़वा-अंबिकापुर सड़क निर्माण की मांग की, जिसे गडकरी ने मौके पर स्वीकृति दे दी।

नक्सलवाद पर सख्ती के लिए सड़कों का निर्माण आवश्यक : सांसद

पलामू सांसद विष्णुदयाल राम ने कार्यक्रम में कहा कि गढ़वा बाईपास सड़क के निर्माण से एक लंबे समय की मांग पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि सड़क विकास की रीढ़ है और नक्सलवाद को समाप्त करने में सड़क की भूमिका अहम है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से गढ़वा-रामानुजगंज, पड़वा मोड़-सिलीदाग, मझिआंव-पढ़ुका ब्रिज, हुसैनाबाद-सोन नदी पर पुल, रेहला में इथेनॉल प्लांट, कैलान से बरडीहा तक 23 किलोमीटर सड़क, बरहमोरिया मोड़ से दुर्गा माइंस और सगुना-किशुनपुर-सगालीम तक सड़क निर्माण की मांग रखी।

गडकरी के कार्यक्रम में सुरक्षा चाकचौबंद, डीआईजी ने संभाली कमान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के मेदिनीनगर आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाकचौबंद रही। कार्यक्रम स्थल से लेकर हेलीपैड तक की निगरानी का जिम्मा खुद डीआईजी नौशाद आलम ने संभाल रखा था। वे स्वयं सुरक्षा प्रबंधों की सतत निगरानी करते नजर आए। डीआईजी आलम पूरे समय पुलिस अधिकारियों को संयमित और सटीक निर्देश देते दिखे। उनके नेतृत्व में सुरक्षा बल पूरी मुस्तैदी से तैनात रहा। सभा स्थल, वीआईपी मूवमेंट और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यक्रम के दौरान डीआईजी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी औपचारिक मुलाकात की। पूरे आयोजन में पुलिस-प्रशासन की सजगता और सुसंगठित व्यवस्था की प्रशंसा की गई। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

● हेलीपैड से सभा स्थल तक रही सघन निगरानी, पुलिस बल रहा सतर्क

डीआईजी नौशाद आलम को गढ़वा में किया गया सम्मानित, मुहर्रम इंतजामिया कमेटी ने की सराहना

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गढ़वा में मुहर्रम इंतजामिया कमेटी के तत्वावधान में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पलामू क्षेत्र के डीआईजी नौशाद आलम को मोहर्रम आयोजनों के दौरान उनकी सक्रियता, शांति व्यवस्था और समन्वयात्मक भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान डीआईजी नौशाद आलम को मोहर्रम इंतजामिया कमेटी द्वारा शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कमेटी के सदस्यों ने उनके कार्यों की सराहना की और कहा कि उनके नेतृत्व में इस बार मुहर्रम शांतिपूर्ण, गरिमामय और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संयोजन मुहर्रम इंतजामिया कमेटी, जेनरल गढ़वा द्वारा किया गया। कमेटी सदर मो. अशरुद्दीन खान, सचिव मो. वसीम खान एवं कोषाध्यक्ष मो. प्रिंस खान ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का संचालन किया। समारोह में भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शिक्षकों की बायोमैट्रिक उपस्थिति अनिवार्य, नहीं तो वेतन पर रोक

खरौंधी (गढ़वा)। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विजय पांडेय ने प्रखंड के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को बायोमैट्रिक हाजिरी अनिवार्य रूप से दर्ज करने का निर्देश दिया है। यह आदेश स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार के पत्रांक 1580, दिनांक 23 अप्रैल 2025 के आलोक में जारी किया गया है। बीईईओ ने स्पष्ट किया कि जुलाई माह से सभी शिक्षकों का वेतन केवल बायोमैट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही स्वीकृत किया जाएगा। प्रत्येक शिक्षक को आगमन और प्रस्थान दोनों समय बायोमैट्रिक मशीन में उपस्थिति दर्ज करनी होगी। साथ ही, छुट्टी की जानकारी भी ऑनलाइन माध्यम से दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। बीईईओ पांडेय ने कहा कि यदि कोई शिक्षक इन निदेशों का पालन नहीं करता है तो उसका वेतन काट लिया जाएगा। उन्होंने सभी प्रधानाध्यापकों से अपील की है कि वे अपने विद्यालयों के शिक्षकों को इस व्यवस्था के प्रति जागरूक करें और नियमित अनुपालन सुनिश्चित करें। यह कदम शिक्षकों की उपस्थिति व्यवस्था में पारदर्शिता और अनुशासन लाने के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी शिक्षक इस दिशा में सकारात्मक सहयोग देंगे।

प्राथमिक व मध्य विद्यालय के शिक्षकों को नेत्र स्वास्थ्य प्रशिक्षण

खरौंधी (गढ़वा)। प्रखंड संसाधन केंद्र खरौंधी में गुरुवार को प्रखंड के सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों के शिक्षकों को नेत्र स्वास्थ्य परीक्षण से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण स्वास्थ्य विभाग की ओर से नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सोनी कुमारी द्वारा दिया गया। इस प्रशिक्षण में बताया गया कि शिक्षक अपने विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की आंखों से जुड़ी समस्याओं की पहचान करें और 10 जुलाई तक विस्तृत रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को सौंपें। प्रशिक्षण के दौरान नेत्र जांच की विधि, लक्षण पहचान और रिपोटिंग प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। डॉ. कुमारी ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर चिन्हित बच्चों को आगे की जांच, मुफ्त चश्मा और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने इसे बच्चों की पढ़ाई में आने वाली दृष्टि संबंधित बाधाओं को दूर करने की दिशा में अहम कदम बताया। इस अवसर पर शिक्षक राजीव रंजन द्विवेदी, अनिल कुमार तिवारी, अमरेश राम, जितेंद्र सिंह, अंजनी कुमार, अरविंद साह, ब्रजेश गुप्ता सहित अनेक शिक्षक व स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

खाद-बीज दुकानदार उड़ा रहे नियमों की धज्जियाँ

रमना (गढ़वा)। प्रखंड के खाद-बीज दुकानदार सरकारी नियमों की अनदेखी करते हुए मनमाने तरीके से खाद का विक्रय कर रहे हैं। किसानों से निर्धारित दर से ?100 से ?200 तक अधिक मूल्य लिया जा रहा है और खरीदारी की रसीद भी नहीं दी जाती। किसानों का कहना है कि विरोध करने पर उन्हें खाद नहीं दी जाती या स्टॉक खत्म होने का बहाना बनाया जाता है। विभागीय निर्देश के अनुसार प्रत्येक दुकान के बाहर लाइसेंस संख्या, स्टॉक और मूल्य सूची प्रदर्शित करना अनिवार्य है, लेकिन किसी भी दुकान में इसका पालन नहीं हो रहा है। कृषि कार्य पहले से घाटे का सौदा बन चुका है और अब यह लूट किसानों को और हताश कर रही है। इस कारण क्षेत्र में कृषि कार्य छोड़ने और पलायन की प्रवृत्ति बढ़ रही है। जिला कृषि पदाधिकारी शिव शंकर प्रसाद ने बताया कि यदि कोई दुकानदार निर्धारित मापदंडों का उल्लंघन करता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। सभी प्रखंडों को नियमित जांच के निर्देश दिए गए हैं।

500 वर्षों पुराना पुरैनी कर्बला बना आस्था का प्रतीक

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। नगर पंचायत अंतर्गत पुरैनी ग्राम स्थित ऐतिहासिक कर्बला श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है। लगभग 500 वर्षों पुराना यह स्थल विशेषकर मुहर्रम के अवसर पर श्रद्धालुओं से गुलजार हो जाता है। मुहर्रम की सातवीं तारीख को हजारों जायरीन यहां पहुंचकर चादरपोशी और फातिहा करते हैं।

अवसर

जिले में एसआईएस द्वारा 565 पदों पर भर्ती शुरू

भारत सरकार की ईएलआई योजना के तहत सुरक्षा जवानों, सुपरवाइजरों व अधिकारियों की होगी बहाली

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। भारत सरकार की (एछक) योजना के तहत एशिया के प्रतिष्ठित निजी सुरक्षा सेवा प्रदाता रक्र ग्रुप द्वारा 1 जुलाई से 20 जुलाई 2025 तक गढ़वा जिले में युवाओं के लिए सुरक्षा जवान, सुपरवाइजर एवं सुरक्षा अधिकारी के 565 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। यह बहाली अभियान जिले के विभिन्न थाना परिसरों में कैंप लगाकर किया जा रहा है। इसकी जानकारी ग्रुप कमांडर रमेश कुमार जसवाल ने दी। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को गृह मंत्रालय के अधीन सिविल डिफेंस वॉरियर की प्रशिक्षण दी जाएगी और प्रशिक्षण पूरा करने के बाद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर SIS Limited में स्थायी नियुक्ति दी जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान वर्दी, भोजन और आवास की राशि के रूप में जमा की गई रकम में से 15,000 तक की राशि सरकार 6 महीने अथवा एक वर्ष के भीतर सीधे उम्मीदवार के खाते में वापस करेगी। यह योजना सीमित समय के लिए लागू है। चयनित अभ्यर्थियों को 14,000 से 32,000 तक प्रारंभिक वेतनमान मिलेगा। इसके साथ ही सरकारी पेंशन, पीएफ, ग्रेच्युटी, ईएसआई, बोनस, मेडिक्लेम, विधवा पेंशन, दो बच्चों को आईपीएस देहरादून में पढ़ाने की सुविधा, ई एसओपी योजना के तहत शेयर, ट्रांसफर के समय यात्रा भत्ता, रियायती आवास एवं मेस की सुविधा भी दी जाएगी। चयन के बाद जवानों की पदस्थापना लाल किला, कुतुब मीनार, स्टेट बैंक एटीएम, एयरपोर्ट, टोल प्लाजा, भारतीय पुरातत्व विभाग के स्मारक, टाटा-बिरला-जिंदल एम्स, बीसीसीएल, विप्रो, होटल, मेट्रो, आईटी एवं कॉरपोरेट सेक्टर समेत देशभर के प्रतिष्ठानों में की जाएगी।

योग्यता व मापदंड

सुरक्षा अधिकारी के लिए अभ्यर्थी का स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। सुपरवाइजर के लिए न्यूनतम 12वीं पास और सुरक्षा जवान के लिए 10वीं पास या फेल मान्य है। उम्मीदवार की लंबाई कम से कम 167.5 सेंटीमीटर और उम्र 19 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही अभ्यर्थी शारीरिक रूप से स्वस्थ होने चाहिए।

भर्ती कैंप की तिथि व स्थान

भर्ती अभियान के अंतर्गत जिले के हर थाना परिसर में तिथिवार कैंप लगाए जा रहे हैं। 1 जुलाई को बरगढ़ थाना से शुरू होकर यह क्रम २० जुलाई को गढ़वा नगर थाना परिसर में समाप्त होगा। इच्छुक अभ्यर्थी एसआईएस की वेबसाइट से ऑनलाइन फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं ग्रुप कमांडर ने जिले के शिक्षित और इच्छुक युवाओं से अपील की है कि इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और स्थायी नौकरी के लिए दिए गए स्थान पर निर्धारित तिथि को समय पर उपस्थित हों।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा

सूचना

(90 दिवसीय मध्यस्थता अभियान)

(Mediation "For the Nation" campaign 90 Days Mediation Drive)

दिनांकः 01.07.2025 से 30.09.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माननीय नालसा, नई दिल्ली के निर्देश पर तथा झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, राँची के संरक्षण में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा द्वारा दिनांकः 01.07.2025 से 30.09.2025 तक विशेश मध्यस्थता का आयोजन, व्यवहार न्यायालय चतरा के मध्यस्थता केन्द्र में किया जाएगा। इसमें लम्बित सभी सुलहनीय मामलों को व्यवहार न्यायालय चतरा में आपसी सुलह–समझौता तथा मध्यस्थता के आधार पर किया जाएगा।

इसमें आप सभी अपने मामलों को समझौते के आधार पर निस्तारण करवा सकते हैं।

Matters pending under following categories may be referred for mediation.

MATRIMONIAL DISPUTES CASES, ACCIDENT CLAIMS CASES, DOMESTIC VIOLENCE CASES, CHEQUE BOUNCE CASES, COMMERCIAL DISPUTES CASES, SERVECE MATTER CASES, CRIMINAL COMPOUNDABLE CASES, CONSUMER DISPUTES CASES, DEBT RECOVERY CASES, PARTITION CASES, EVICTION CASES, LAND ACQUISTION CASES, OTHER SUITABLE CIVIL CASES.

सचिव
जिला विधिक सेवा प्राधिकार,
चतरा

PR 356399 Law (25-26)_D

धुरकी मुख्य मार्ग पर बोलेरो में आग, बड़ा हादसा टला

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। गुरुवार सुबह करीब 4:30 बजे धुरकी मोड़ के समीप एक चलती बोलेरो में अचानक आग लग गई। वाहन खरसोता से सोनडीहा की ओर जा रही थी, जिसमें 9 लोग सवार थे। अचानक धुंआ निकलता देख चालक उमेश पासवान ने तत्परता दिखाते हुए गाड़ी रोक दी और सभी सवारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कुछ ही देर में पूरे वाहन में आग फैल गई और बोलेरो जलकर खाक हो गई। स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। अग्निशमन दल ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण बताया जा रहा है। किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

कोर्ट नोटिस

न्यायालय,
सिविल जज सिनियर डिविजन नं०-II
मेदिनीनगर, पलामू।

भू-अर्जन वाद सं०-68/2024
(Land Acquisition Case. No.)
कंचन बाला वगैरह बनाम् मंगरू कहार एवं अन्य

कोर्ट नोटिस

नोटिस बनाम्

1. मंगरू कहार वल्द कर्मदेव कहार एवं अन्य साकिन ग्राम- बैरिया, पो०- सुदना, थाना- डालटनगंज, जिला- पलामू, राज्य झारखण्ड।

बजरिये इस प्रेस नोटिस के आपको सूचित किया जाता है कि आप उपरोक्त वाद में प्रतिवादी है एवं आपके विरूद्ध सिविल कोर्ट नजारत एवं पोस्ट ऑफिस के माध्यम से नोटिस निर्गत की जा चूकी है, परन्तु आप वाद में उपस्थित नहीं हो रहे हैं।

अतः आप दिनांक 04-08-2025 को 10:30 से प्रातः न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी पैरवी करें अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में वाद की सुनवाई कर उचित आदेश पारित कर दिया जाएगा।

इसे ताकिद सख्त जाने।

दिनांक 03-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर द्वारा निर्गत

सिविल जज सिनियर डिविजन सं0-2 सह भू-अर्जन न्यायालय, पलामू।

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गढ़वा

वेद व्यास आवास निर्माण योजना हेतु आवेदन आमंत्रण सूचना

आवेदन की अंतिम तिथिः– 28.07.2025

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश सं0–08 रा0(वि0) दिनांक 24.06.2025 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु गढ़वा जिले के सक्रिय अथवा परंपरागत मत्स्य पालक/मछुआ, जो मत्स्य उत्पादन/मत्स्य बीज उत्पादक/ प्राकृतिक जल संसाधनों में मछली पकड़ने के कार्य तथा मत्स्य बिक्री में सक्रिय हो उनके लिए वेद व्यास आवास निर्माण योजना का लक्ष्य प्राप्त है, लक्ष्य संबंधी विवरणी निम्नवत् है :–

जिला	प्राप्त भौतिक लक्ष्य (संख्या में)		कुल लक्ष्य	एक आवास की इकाई लागत
	सामान्य	अ0जा0		
गढ़वा	20	02	22	191200/–

उक्त योजना हेतु सुयोग्य लाभुकों के चयन के लिए आवेदकों से निम्न अर्हताओं के अधीन जिला मत्स्य कार्यालय, गढ़वा में दिनांक 28.07.2025 को अप0 5:00 बजे तक आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

अर्हताएँ निम्न् प्रकार हैं–

1. सक्रिय अथवा परंपरागत मत्स्य पालक/मछुआ, जो मत्स्य उत्पादन/मत्स्य बीज उत्पादक/ प्राकृतिक जल संसाधनों में मछली पकड़ने के कार्य तथा मत्स्य बिक्री में सक्रिय हों।
2. गरीबी रेखा से नीचे कच्चे मिट्टी से बने अथवा फूस के मकान में रहने वाले मछुआ/मत्स्य पालकों को प्राथमिकता दी जायेगी।
3. घर हेतु जमीन उपलब्ध रहने अथवा कच्चा घर वाले को भी कंडिका 01 एवं 02 के अतिरिक्त लाभान्वित किया जा सकता है। एक परिवार से एक ही लाभुक को आवास देय होगा।
4. आवास निर्माण हेतु अधिकतम प्रति लाभुक मो0 191200/– (एक लाख इकान्बे हजार दो सौ रु0) मात्र आर्थिक सहायता होगी।
5. भू–स्वामित्व प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित छाया प्रति उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।
6- BPL के लाभुकों को BPL का स्वहस्ताक्षरित प्रमाण पत्र की छाया प्रति उपलब्ध कराना अनिवार्य है।
7. पूर्व से किसी सरकरी आवास निर्माण योजना का लाभ न मिला हो (संबंधि प्रखण्ड विकास पदा0 से सत्यापन कराना अनिवार्य है)
8. बैंक खाता पासबुक, आधार कार्ड तथा वोटर आईडी कार्ड की छाया प्रति।
9. दिव्यांग आवेदक आवेदन के साथ दिव्यांगता संबंधी प्रमाण पत्र की छाया प्रति लगायेंगे।
10. आवेदक दिव्यांगों हेतु स्वीकृत राशि का न्यूनतम 03 प्रतिशत तथा महिलाओं के लिए न्यूनतम 10 प्रतिशत राशि का प्रावधान जिलावार किया जायेगा।
11. आवेदक के प्रस्तावित जमीन का जिस पर वेदव्यास आवास निर्माण होना है, जमीन का फोटो (लाभुक स्वयं खड़े होकर) संलग्न करें।
12. आवेदन पत्र के सभी बिन्दुओं को पूर्ण एवं स्पष्ट रुप से भरना अनिवार्य है तथा निर्धारित स्थान पर संबंधित पदाधिकारी का अनुशंसा आवश्यक है।
13. आवेदन प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, गढ़वा/सिंगल विण्डो सेन्टर से निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं।
14. आवेदन प्रपत्र के साथ वांछित सभी कागजात संलग्न करना अनिवार्य है तथा आवेदन जमा करने के उपरांत किसी भी तरह का कागजात एवं अधुरा आवेदन स्वीकार नहीं होगा।
15. जिला स्तरीय गठित समिति को बिना कारण बताए किसी भी आवेदन पत्र को अस्वीकृत करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

नोट :– आवेदन प्रपत्र कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त की जा सकती है।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गढ़वा

PR 356411 (Fish) 25-26 (D)

कार्यालय नगर परिषद्, बिश्रामपुर (पलामू)

Near Block Office, Block Road Bishrampur,
Palamu (Jharkhand), Pin code- 822132
Email Id – nagarpanchayatbishrampur2010@gmail.com

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 26/2025–26

नगर परिषद, बिश्रामपुर द्वारा संचालित अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदीर में उपयोग हेतु निम्नांकित चिकित्सीय आपूर्ति (दवा एवं उपचार सामग्री) की आपूर्ति हेतु निबंधित निर्माता/प्रतिष्ठानों/प्राधिकृत एजेंसियों से निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नवत हैः–

Sl. No.	Particulars	Quoted Rate	Tender Fee	Last date and time of submission of document	Opening Date and Time
1	Amlodipine Tab. (5mg)		5000.00	Date 11.07.2025 Time 2.00 P.M.	Date 11.07.2025 Time 3.00 P.M.
2	*Amoxicillin + Clavulinic Acid Tab.(625mg)				
3	Azithromycin Tab. (500mg)				
4	Aceclofenac+ PCM Tab (100mg + 325 mg)				
5	*Calcium carbonate + Vitamin D3 Tab. (500mg)				
6	*Cetrizine 10mg				
7	*Diclofenac Sodium + PCM Tab. (50mg +325 mg)				
8	Antispasmodic Tab (Dicyclomine 20mg + PCM 325mg)				
9	Domperidone Tab 10mg				
10	Doxycycline Capsule 100mg				
11	Ibuprofun+ PCM Tab				
12	Fluconazole cap/tab				
13	Glimepride Tab (2mg)				
14	*Levocetrizine Tab(5mg)				
15	*Omeprazole + Domperidone (20+10mg)				
16	Ofloxacin+ Orinidazole Tab (200 + 500mg)				
17	*Paracetamol Tab (650 mg)				
18	*Pantoprazole Tab (40mg)				
19	*Montelucast + Levocetrizine Tab (10mg + 5mg)				
20	Telimisartan Tab (40 mg)				
21	*PCM Syp (60ml) 250mg / 5ml				
22	Antacid Syp (170ml)				
23	*Amoxicillin Dry Syp (60ml)				
24	Metformin SR Tab (500mg)				
25	Glimepride Tab (2mg)				
26	Cefixime Dry Syp. (30ml) 50mg/ 5ml				
27	Povidone Iodine oint (15gm)				
28	*Dr. Morpean Glucometer & Glucometer Strip of same company				
29	B.p Appartus Machine				
30	Eye drop – methyl cellulose				
SL. No.	Diagnostic Test	Product/ equipment required for testing			
01	Hemoglobin	Digital hemoglobinmeter & strip			
02	Dengue/ Typhoid	Rapid card test for NS1 antigen and IGM and IgG Antibodies			
03	HbAg test for hepatitis B	Rapid card test			
04	Syphilis	Rapid kit			

नोट :– नियम एवं शर्त कार्यालय, नगर परिषद, बिश्रामपुर के सूचना पट्ट एवं नगर परिषद, बिश्रामपुर के वेबसाईट https://udhd.jharkhand.gov.in/ULB/Bishrampur/Bishrampur.aspx में देखा जा सकता है।

प्रशासक,
नगर परिषद बिश्रामपुर

PR 356451 District(25-26)#D

नैनो टेक्नोलॉजी से बनी सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी

● ग्रामीणों की राहें हुईं कीचड़ में तब्दील

मयूरहंड (चतरा)। दिग्ही गांव में वर्ष 2020-21 में नैनो टेक्नोलॉजी से बनी प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क अब मिट्टी में बदल चुकी है। लगभग 35 लाख की लागत से बनी 1.1 किमी सड़क पहली ही बारिश में बह गई और ग्रामीणों के लिए यह चार साल से मुसीबत का कारण बनी हुई है।

बरसात में ग्रामीण चप्पल हाथ में लेकर सड़क पार करने को मजबूर हैं। स्कूली बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटिया निर्माण और विभागीय लापरवाही के कारण यह दुर्दशा हुई है। संवेदक और पदाधिकारियों की मिलीभगत से मरम्मत तक नहीं हो पाई, जबकि संवेदक को पांच वर्षों तक देखभाल की जिम्मेदारी दी गई थी।

ग्रामीणों ने कई बार लिखित आवेदन देकर सड़क की मरम्मत की मांग की, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने अब इस पर गहरी नाराजगी जताई है।

मोहर्रम को लेकर थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक, सौहार्दपूर्ण आयोजन पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

टंडवा (चतरा)। गुरुवार की देर शाम टंडवा थाना परिसर में मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी रविवार को आयोजित होने वाले मोहर्रम पर्व की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने को लेकर कई निर्देश जारी किए गए।

बैठक की अध्यक्षता एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार ने की। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान सभी अखाड़ों में पर्याप्त संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा आयोजन से एक दिन पूर्व थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला जाएगा ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे और लोगों में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हो।

प्रशासन ने आमजनों से की अपील

: प्रशासन की ओर से आम नागरिकों से अपील की गई कि वे पर्व को लेकर किसी भी तरह की अफवाहों से बचें और आपसी भाईचारे का परिचय देते हुए पर्व को मिलजुलकर मनाएं।

सोशल मीडिया पर रखी जाएगी नजर

बैठक में यह भी तय किया गया कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। अफवाह अथवा भ्रामक सूचना मिलने पर आमजन से तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की गई। किसी भी प्रकार की अफवाह या असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहेगा।

बैठक में बीडीओ देवलाल उरांव, सीओ विजय दास, थाना प्रभारी उमेश राम, कई जनप्रतिनिधि, स्थानीय बुद्धिजीवी, विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि और नागरिक शामिल हुए।

न्यूज बॉक्स

5जी की दौड़ में पिछड़ा बारियातू का मकरा नेटवर्क संकट से ग्रामीण परेशान

बारियातू। शिबला पंचायत के मकरा गांव के बघौता, नावाडीह, झिरमतकोमा और चपरी टोले के ग्रामीण मोबाइल नेटवर्क की समस्या से बेहद परेशान हैं। ग्रामीणों ने बताया कि जियो और एयरटेल टावर की सीमित पकड़ के कारण पढ़ाई, स्वास्थ्य सुविधा और सरकारी योजनाओं तक पहुंच बाधित हो रही है। इंटरनेट न होने से ऑनलाइन क्लास और सरकारी आवेदन नहीं हो पा रहे। बीमार और गर्भवती महिलाओं को आपातकाल में एम्बुलेंस बुलाने में भी दिक्कत होती है। ग्रामीणों ने उपायुक्त से जल्द मोबाइल नेटवर्क सुधार की मांग की है।

90 दिवसीय 'मध्यस्थता के लिए' अभियान को लेकर न्यायिक पदाधिकारियों की बैठक, लातेहार को बनाना है अग्रणी जिला

लातेहार। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में विशेष मध्यस्थता अभियान को लेकर न्यायिक पदाधिकारियों और मीडिएटर्स की बैठक हुई। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना, पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस, ऋण वसूली जैसे मामलों को 90 दिन में सुलझाने का लक्ष्य है। उन्होंने निर्देश दिया कि कोई भी मामला अनावश्यक रूप से लंबित न रहे। सुलह-समझौते से वादों का निष्पादन प्राथमिकता हो। बैठक में कई न्यायिक अधिकारी व अधिवक्ता मौजूद रहे।

महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए आम्रपाली परियोजना का शिविर, बांटे गए पोषाहार और सेनेटरी किट

टंडवा (चतरा)। आम्रपाली-चंद्रगुप्त परियोजना प्रबंधन द्वारा पोकला पंचायत सचिवालय में महिलाओं और किशोरियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 750 महिलाओं को सेनेटरी नेपकिन और पोषाहार बांटा गया। कार्यक्रम में सीएसआर अधिकारी मोहसिन रज़ा, मुखिया सरिता कुमारी समेत कई जनप्रतिनिधि और स्वयंसेवी शामिल हुए।

चंदवा में मुहर्रम की सप्तमी पर कर्बला में चादरपोशी, दुआओं में अमन और एकता की अरज

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। मुहर्रम की सप्तमी पर गुरुवार को कामता कर्बला में चादरपोशी और फातिहा की रस्म अदा की गई। अकीदतमंदों ने देश में अमन-चैन की दुआ मांगी।

समाजसेवी ग्यास खान और बाबर खान ने बताया कि 5 जुलाई को छोटकी चौकी और 6 जुलाई को पहलाम का ताजिया जुलूस निकलेगा, जो इंदिरा चौक होते हुए कर्बला में समापन के साथ संपन्न होगा।

दुवारी नदी में अवैध बालू उठाव जोरों पर, प्रशासन खामोश

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुवारी नदी से एनजीटी के आदेशों की अवहेलना कर अवैध बालू का उठाव धड़ल्ले से जारी है। ओबरीडीह और टिकवा बांध के पास माफियाओं ने कब्जा जमा लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि दिन-रात ट्रैक्टरों से बालू निकालकर रेलवे व सड़क निर्माण कार्यों में बेचा जा रहा है। लाख शिकायतों के बाद भी प्रशासन की चुप्पी सवालों के घेरे में है। इससे न केवल सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि नदी के पारिस्थितिक तंत्र से भी खिलवाड़ किया जा रहा है। ग्रामीणों ने उपायुक्त से अविलंब कार्रवाई की मांग की है।

विकास योजनाओं पर उप विकास आयुक्त ने दिए सख्त निर्देश, पारदर्शिता के साथ लक्ष्यपूर्ति पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। बैठक में मनरेगा, पीएम आवास योजना, अंबेडकर आवास, अबुआ आवास समेत विभिन्न योजनाओं की प्रगति जानी गई।

उन्होंने मानव दिवस सृजन, लंबित आवासों की शीघ्र पूर्णता और किस्तों के भुगतान को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। सभी प्रखंडों से माइक्रो प्लान तैयार कर समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने को कहा गया। आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी समेत सभी बीडीओ बैठक में शामिल रहे।

औरंगा नदी में नहाते समय डूबी बच्ची, सदर अस्पताल में मृत घोषित

लातेहार। गुरुवार को डुरूआ गांव निवासी हसन अंसारी की तीन वर्षीय पुत्री अनाव्या परवीन की औरंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। वह अपनी बहन व एक सहेली के साथ नहाने गई थी, तभी पानी के तेज बहाव में बह गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत नदी से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिवार में मातम पसरा है।

तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से युवक गंभीर

चंदवा। हिसरी गांव के पास हाईवा सर्विस कराने आए रूपन साहू को तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दी। घटना में उनका सिर फट गया और बायां पैर टूट गया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया। बोलेरो मौके से फरार हो गया। पुलिस जांच में जुटी है।

भोगनाडीह कांड को लेकर झामुमो ने साधा भाजपा पर निशाना, किया पुतला दहन

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। भोगनाडीह की घटना को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने गुरुवार को समाहरणालय गेट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का पुतला फूंका। कार्यक्रम का नेतृत्व झामुमो के केंद्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम ने किया। उन्होंने इस घटना को पूर्व नियोजित साजिश करार देते हुए भाजपा के शीर्ष नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए।

बैद्यनाथ राम ने कहा कि संथाल परगना को मणिपुर की तर्ज पर दंगाग्रस्त बनाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने दावा किया कि इस साजिश में गोड्डा के वर्तमान सांसद और एक पूर्व मुख्यमंत्री सहित

भाजपा के कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की, ताकि साजिश की परतें खुलकर सामने आ सकें।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि कोई राजनीतिक कार्यकर्ता आखिर अवैध हथियार लेकर राजकीय कार्यक्रम में क्यों पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि जो लोग गिरफ्तार हुए हैं, वे सिर्फ मोहरे हैं, असली साजिशकर्ता पर्दे के पीछे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि झामुमो झारखंड को मणिपुर नहीं बनने देगा, और राज्य में शांति व सौहार्द बिगाड़ने की कोई भी कोशिश सफल नहीं होने दी जाएगी।

इसी क्रम में जिलाध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव ने भाजपा पर आदिवासी हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि भाजपा सच में आदिवासियों के हितैषी है, तो वह झारखंड विधानसभा से पास हुए सरना धर्मकोड को केंद्र से मंजूरी क्यों नहीं दे रही है। उन्होंने इसे भाजपा की दोहरी नीति करार देते हुए राज्य सरकार को बदनाम करने की गंदी साजिश बताया।

प्रेस वार्ता के बाद झामुमो कार्यकर्ताओं ने समाहरणालय गेट पर भाजपा का पुतला जलाया और जमकर नारेबाजी की। इस कार्यक्रम में बैद्यनाथ राम, जिलाध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव, बीस सूत्री उपाध्यक्ष अरुण दुबे, रिंकू कच्छप, अंकित पांडेय, दीपक कुमार समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खान एवं भूतत्व विभाग
जिला खनन कार्यालय, लातेहार।
e-mail- dmo-latehar@jharkhandmail.gov.in

District Survey Report (जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट) के प्रारूपपरमंतव्य/ सुझाव से संबंधित।

आम सूचना।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि District Survey Report (जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट) के प्रारूप पर मंतव्य/सुझाव हेतु लातेहार जिले के Website-latehar.nic.in पर प्रकाशित किया गया है, जिसके माध्यम से आम जनता का मंतव्य/सुझाव की मांग सर्वसाधारण की जार ही है।

इच्छुक व्यक्ति District Survey Report (जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट) के प्रारूप पर मंतव्य/सुझाव 28 दिनों के अन्दर आपत्ति या सुझाव यदि कोई हो, तो जिला खनन कार्यालय, लातेहार अथवा ई–मेल–dc-lat@nic.in, dmo-latehar@jharkhandmail. gov.in पर प्रेषित किया जा सकता है।

PR.NO.356413 Mines and Geology(25-26):D — जिला खनन पदाधिकारी, लातेहार।

परिवहन मंत्री के आश्वासन के बाद टोरी आरओबी निर्माण की उम्मीद, पदयात्रा में जुटे किसान

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। टोरी फ्लाईओवर (आरओबी) निर्माण को लेकर चल रही दो दिवसीय पदयात्रा का समापन गुरुवार को हुआ। इस पदयात्रा का आयोजन कामता पंचायत के किसानों द्वारा केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए किया गया था। कार्यक्रम की अगुवाई पंसस अयूब खान ने की।

पदयात्रा का दूसरा दिन पहना पानी में सभा के साथ संपन्न हुआ, जिसमें वक्ताओं ने कहा कि आरओबी के अभाव में टोरी और आसपास के हजारों लोगों को दशकों से परेशानी झेलनी पड़ रही है। अयूब खान ने कहा कि मंत्री गडकरी झारखंड दौरे पर गढ़वा आए हुए हैं, उनके समक्ष टोरी आरओबी का मुद्दा प्रमुखता से रखा गया है। पदयात्रा में सनिका मुंडा, रियाज खान, जिरहुलिया देवी, गोबिंद गंझू, दुखन सहित कई लोग उपस्थित थे।

पोखरी में मुहर्रम शांतिपूर्ण आयोजन पर आम सहमति, जनरल खलीफा को मिली पगड़ी पोशी

बेतला (लातेहार)। पोखरी कला में मुहर्रम के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर इंतजामिया कमेटी की बैठक में सभी समुदायों ने आपसी सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

जनरल खलीफा अरसदुल कादरी को पगड़ी पोशी कर सम्मानित किया गया। सईदना कमेटी के सदर अब्दुल मन्नान अंसारी ने कहा कि पोखरी में मुहर्रम हमेशा एकता के साथ मनाया जाता रहा है। बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल रहे।

कार्यालय, नगर पंचायत लातेहार।

आम सूचना

नगर पंचायत, लातेहार अंतर्गत लातेहार शहरी जलापूर्ति के तहत किये जा रहे निशुल्क जल संयोजन का आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31.07.2025 तक ही निर्धारित है। उक्त अवधि समाप्त हो जाने के उपरांत विभाग द्वारा निर्धारित जल संयोजन शुल्क जमा करने के उपरांत ही जल संयोजन किया जायेगा। अतः आम जनों से अनुरोध हैं कि जिन किन्हीं को भी निशुल्क जल संयोजन प्राप्त करना हो तो उक्त तिथि तक आवेदन नगर पंचायत, लातेहार कार्यालय में समर्पित कर सकते है। साथ ही नगर पंचायत, लातेहार अंतर्गत जिन किन्ही के पास पुराने जल संयोजन (Non-meter water connection) है, वे अपना बकाया राशि जमा करने के उपरांत नये जल संयोजन (Meter Water Connection) प्राप्त करने हेतु आवेदन नगर पंचायत, लातेहार कार्यालय में उपरोक्त तिथि तक जमा करना सूनिश्चित करें।

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार।

PR 356392 Urban Development(25-26)D

विद्यालयों में 'मां के नाम एक पेड़' अभियान, पौधाशाला में शिक्षकों की भीड़

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड के सभी स्कूलों में 'मां के नाम एक पेड़' अभियान जोर पकड़ रहा है। इसके तहत प्रखंड मुख्यालय स्थित पीट पौधशाला से शिक्षक पौधे लेकर अपने विद्यालयों में रोपण कर रहे हैं। वन विभाग द्वारा शिक्षकों को शीशम, आंवला, जामुन, अशोक, शरीफा जैसे पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कई स्कूलों में टेंपो से पौधे ले जाकर रोपण कार्य तेजी से हो रहा है।

जेएसएलपीएस की सक्रिय महिलाओं की हुई मासिक बैठक

गिद्धौर (चतरा)। सीएलएफ कार्यालय छः घरवा में गुरुवार को जेएसएलपीएस से जुड़ी महिलाओं की मासिक बैठक हुई। अध्यक्षता आईपीआरपी सुनीता देवी ने की। बैठक में समूहों की मासिक समीक्षा हुई तथा सभी समूहों को जल्द से जल्द ऑडिट रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया गया। मौके पर दर्जनों महिलाएं उपस्थित थीं।

महिला महाविद्यालय में स्किल डेवलपमेंट सह इंडक्शन मीट आयोजित

चतरा। महिला महाविद्यालय चतरा में स्किल डेवलपमेंट और इंडक्शन मीट का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. डीएन राम ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि संसाधनों का अधिकतम लाभ लेकर भविष्य को उज्ज्वल बनाएं। कार्यक्रम में विभिन्न विभागाध्यक्षों और शिक्षकों ने भी अपने विचार रखे। लगभग 300 छात्राएं शामिल हुईं।

आंगनबाड़ी केंद्र में तीन महीने से नहीं हुआ बीसीजी टीकाकरण, महिलाएं नाराज

गिद्धौर (चतरा)। पांडेयबागी भाग 1 आंगनबाड़ी केंद्र में बीसीजी टीका तीन माह से नहीं लगाया जा रहा है। गुरुवार को महिलाएं बच्चों को लेकर टीकाकरण के लिए पहुंचीं, लेकिन कोई स्वास्थ्यकर्मी नहीं आया। इससे नाराज महिलाओं ने उपायुक्त से शिविर लगाने की मांग की।

आवारा मवेशियों के कारण चारमुहान चौक पर बढ़ी दुर्घटनाओं की आशंका

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड के केड़ पंचायत अंतर्गत चारमुहान चौक पर इन दिनों आवारा पशुओं का जमावड़ा सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनता जा रहा है। मेन रोड पर मवेशियों के लगातार मौजूद रहने से आमजन और वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि ये मवेशी लंबे समय से केड़ चौक और आसपास की सड़कों पर बैठे रहते हैं। वाहन चालकों को अक्सर अपनी गाड़ी रोककर मवेशियों को हटाना पड़ता है, जिससे न केवल ट्रैफिक प्रभावित होता है बल्कि दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पशुपालक अपने मवेशियों को खुला छोड़ देते हैं और जिम्मेदारी लेने से बचते हैं।

कई बार दुर्घटनाएं होते-होते टली हैं, लेकिन प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधियों की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। सामाजिक दबाव और शिकायत करने से टालमटोल के कारण लोग खुलकर अपनी बात भी नहीं रख पा रहे हैं। सड़क किनारे मवेशियों के इस तरह के जमावड़े ने क्षेत्र में दुर्घटनाओं की गंभीर आशंका उत्पन्न कर दी है, जिससे आम लोगों में भय का माहौल है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू
व्यवहार न्यायालय, पलामू

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं माननीय नालसा व झालसा के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, व्यवहार न्यायालय, पलामू के तत्वाधान में दिनांक 01 जुलाई 2025 से लेकर 30 सितम्बर 2025 तक 90 दिवसीय विशेश मध्यस्थता अभियान का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें निम्नलिखित विभागों के वादों का निपटारा आपसी सुलह–समझौता के आधार पर किया जायेगा:–

1. वैवाहिक विवाद से संबंधित वाद/मामले
2. घरेलु हिंसा से संबंधित मामले
3. मोटरयान दुर्घटना से संबंधित मामले जिसमे दुर्घटना प्रतिवेदन एवं राज्य परिवहन विभाग से संबंधित मामले शामिल हो
4. पराक्रम्यविलेख की धारा 138 के मामले
5. व्यवसायिक विवादों से संबंधित मामले
6. सेवा से संबंधित मामले
7. सुलहनीय आपराधिक मामले
8. उपभोक्ता विवाद से संबंधित मामले
9. ऋण विवाद से संबंधित मामले
10. विभाजन विवाद से संबंधित मामले
11. बेदखली विवाद से संबंधित मामले
12. भूमि अधिग्रहण विवाद से संबंधित मामले
13. अन्य उपयुक्त सिविल वाद

अतः आप सभी आम नागरिक से निवेदन है कि इस अभियान के तहत स्वयं प्रत्यक्ष रूप से अथवा अधिवक्ता के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू में उपस्थित होकर इस अभियान का लाभ उठावें।

नोटः विशेष जानकारी के लिए संपर्क करें टोल फ्री नं0 15100 तथा मोबाईल नं0 8757269596

श्रीमती रीष्मा रमेशन	श्रीमती समीरा एस	श्री दिवाकर पाण्डेय
पुलिस अधीक्षक,	उपायुक्त सह उपाध्यक्ष,	प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,
–सह–	–सह–	–सह–
सदस्य	सदस्य	अध्यक्ष
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू	जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू	जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू

PR 356477 Palamu(25-26)D

दो दिवसीय मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना शिविर का हुआ समापन

बैंक जाकर आधार नम्बर एनपीसीआई से मैप्ड कराएं लाभुक : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद के निदेश पर मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की वैसी लाभुक जिनका आधार नम्बर इनएक्टिव था, उनका आधार एक्टिव करने के लिए 1 व 2 जुलाई 2025 को सभी प्रखंडों के पंचायतों में और नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में शिविर का आयोजन किया। इसमें कुल 1634 लाभुकों का आधार नम्बर एक्टिव किया गया।

उपायुक्त, लोहरदगा ने अपील की है कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की वैसी लाभुक जिनका आधार नम्बर अब एक्टिव हो चुका है और एनपीसीआई से मैप्ड नहीं है वे अपने संबंधित बैंक में जाकर अपना आधार को एनपीसीआई से मैप करा लें ताकि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि निर्बाध रूप से बैंक खाता में क्रेडिट होती रहे।

हीरही बड़का टोली में झूलती हाई वोल्टेज की तार दे रही खतरे की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सदर प्रखंड क्षेत्र के हिरही बड़का टोली के ग्रामीणों ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए बताया है कि बड़का टोली में 11,000 वोल्ट की विद्युत आपूर्ति तार पिछले कई दिनों से खुले में पोल से नीचे लटक रही है, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग को इस बारे में कई बार मौखिक एवं लिखित सूचना दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। खास बात यह है कि तार के ठीक समीप एक कर्बला स्थल भी है, और उसी रास्ते से आसपास के गांवों के लोग रोजाना आवागमन करते हैं। इससे स्थानीय लोगों की जान पर संकट मंडरा रहा है। इस गंभीर विषय पर भारतीय सूचना अधिकार रक्षा मंच, लोहरदगा के जिला सचिव संजय विश्वकर्मा ने प्रशासन से अविलंब कार्रवाई की मांग की है। मंच के अन्य प्रतिनिधियों एवं स्थानीय ग्रामीणों में शमीम अंसारी, राजेश्वर उरांव ने भी इस मुद्दे को लेकर जल्द समाधान की मांग की है।

महाकाल क्लब की ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा में मुख्य अतिथि होंगे पूर्व सांसद

लोहरदगा। महाकाल क्लब, चंद्रशेखर आज़ाद चौक, तेतरतर द्वारा आयोजित वार्षिक विशाल कांवड़ यात्रा में इस वर्ष पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। क्लब के पदाधिकारियों ने श्री साहू के आवास पर पहुंचकर उन्हें औपचारिक आमंत्रण सौंपा, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। पूर्व सांसद श्री साहू ने कहा की महाकाल क्लब द्वारा आयोजित यह यात्रा न केवल लोहरदगा बल्कि पूरे क्षेत्र की सबसे भव्य और ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा बन चुकी है। क्लब के सभी पदाधिकारी इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को विगत 30 वर्षों से जीवंत बनाए रखने के लिए बधाई के पात्र हैं। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी में आस्था, अनुशासन और सेवा भावना का संचार होता है, जो समाज को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मौके पर डॉ. अजय शाहदेव, रितेश वर्मा, निश्चय वर्मा, विक्रम चौहान, सुमित घोष, हिमांशु केसरी, सचिन सिंघानिया, एवं अमित वर्मा आदि मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में घायल चालक को ग्रामीणों ने अस्पताल पहुंचाया

सेन्हा। सेन्हा थाना क्षेत्र के भड़गांव में शनिवार को हुई सड़क दुर्घटना में एक अधेड़ मोपेड चालक नारायण साहू (55 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। वे टीवीएस मोपेड से साप्ताहिक बाजार से घर लौट रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार बॉक्साइट लदे ट्रक की चपेट में आ गए। दुर्घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को निजी वाहन चालक बबलू अंसारी की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सेन्हा में भर्ती कराया। घायल की पहचान जोगना निवासी स्व. डोमना साहू के पुत्र नारायण साहू के रूप में हुई है। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. राजीव कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि घायल के माथे, हाथ और दोनों पैरों में चोटें आई हैं, लेकिन उनकी स्थिति अब खतरे से बाहर है। चिकित्सक ने माथे का एक्सरे कराने की सलाह दी है और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। इधर, घटना की सूचना पर एसआई मनीष कुमार महतो दल-बल के साथ मौके पर पहुँचे और दुर्घटना की जांच की। उन्होंने बताया कि, घटना स्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक की पहचान कर ली गई है। वह झखरा ग्राम का बताया जा रहा है। घायल अथवा परिजनों द्वारा आवेदन दिए जाने पर संबंधित ट्रक चालक के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जिससे लोगों में नाराजगी देखी गई।

तालाब में डूबने से बालक की मौत

भंडरा । भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा अंबेरा गांव में तालाब में डूबने से बालक की मौत हो है। मृतक बालक की पहचान छोटा अंबेरा गांव निवासी दिलीप उरांव के पुत्र निखिल उरांव (5 वर्ष) के रुप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही भंडरा थाना पुलिस द्वारा शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। पंचायत के मुखिया परमेश्वर महली ने बताया कि गांव में सड़क चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। संवेदक द्वारा छोटा अंबेरा तालाब के समीप बने गार्डवाल को तोड़ कर मिट्टी भर दिया गया है। जिसमें निखिल उरांव सड़क पार करने के दौरान गिर गया। इससे उसकी मौत हो गई। जबकि संवेदक द्वारा गार्डवाल को नहीं तोड़ा जाता तो, घटना नहीं घटती। इस घटना के बाद से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। इधर एक लौते पांच वर्षीय पुत्र निखिल उरांव की तालाब में डूबने से मौत होने के बाद पिता दिलीप उरांव और मां बरती उरांव का रो-रोकर बुरा हाल है।

तेज बारिश से कच्चे मकान ध्वस्त होने का सिलसिला नहीं थम रहा

भंडरा। प्रखंड में रोजाना हो रही तेज बारिश से कच्चे मकान ध्वस्त होने का सिलसिला नहीं थम रहा है। इससे कच्चे मकान में निवास करने वाले परिवार काफी चिंतित दिखाई दे रहे है। बुधवार की देर रात प्रखंड बस्ती निवासी सुशीला देवी का घर अचानक धराशाई हो गया। इससे पीड़ित परिवार को सर छिपाने के लिए जगह नहीं बची है। हालांकि घर के दीवार ध्वस्त हो जाने से किसी भी तरह की कोई हताहत नहीं हुआ है। पीड़िता सुशीला देवी ने बताया कि मिट्टी का दीवार तेज बारिश से पूरी तरह भींग चुका है। दीवार से पानी का रिसाव हो रहा है। बीती रात दीवार के अचानक ध्वस्त होने के बाद से स्वजन ठीक से सो नहीं पा रहे है। फिलहाल ध्वस्त दीवार की जगह प्लास्टिक डालकर रहने को मजबूर है।

झुंड से बिछड़े हाथी का तांडव जारी, लोगों की रातें डर में बीती

- रातभर मशाल और टायर के सहारे रतजगा, प्रशासन पर उठने लगे सवाल
- प्रशासन और विभाग की निष्क्रियता पर उठे सवाल

नवीन मेल संवाददाता

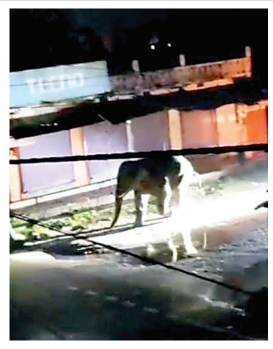

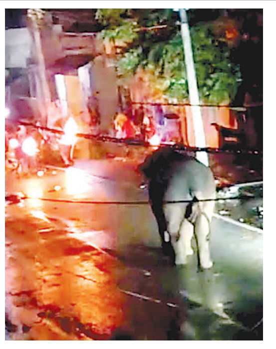

कुडू (लोहरदगा)। कुडू शहरी क्षेत्र एक बार फिर वन्य आतंक की चपेट में आ गया है। बुधवार की रात, एक झुंड से बिछड़ा हाथी शहर में घुस आया और लगातार चार घंटे तक उत्पात मचाया। इस दौरान उसने कई घरों को क्षतिग्रस्त किया, फसलों को नुकसान पहुंचाया और लोगों की नींद व सुरक्षा दोनों छीन ली। हाथी सबसे पहले पोस्ट ऑफिस के पीछे के इलाके में घुसा, जहां उसने दो चारदीवारियाँ तोड़ी और जमील खान के आम बगान में प्रवेश कर फलों को नष्ट कर दिया। इसके बाद हाथी धोबी टोला रामनगर पहुंचा और सन्नू बैठा के घर को आंशिक रूप से तोड़ डाला। यही नहीं, हाथी ने बुनियादी विद्यालय, कुडू के मुख्य द्वार को भी क्षतिग्रस्त किया और स्व. विजय वर्मा के आवास परिसर में आधे घंटे तक जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान एक गाय को घायल किया और परिसर में लगे केले के पेड़ को भी चट कर गया। हाथी के उत्पात से रात 10 बजे से लेकर सुबह 2 बजे तक पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मची रही। लोगों ने मशालें, टायर जलाकर और छतों से शोर मचाकर हाथी को भगाने की कोशिश की।

स्थानीय लोगों ने वन विभाग से मांग की है कि कुडू जैसे संवेदनशील क्षेत्र में स्थायी वन रक्षक दल की तैनाती की जाए और जिन लोगों की संपत्ति एवं पशुधन को नुकसान पहुंचा है, उन्हें तत्काल मुआवज़ा दिया जाए।

अब क्षेत्रीय जनता के बीच यह सवाल गहराता जा रहा है "क्या हाथी को हटाना अब केवल आम जनता की जिम्मेदारी रह गई है?" लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले कई महीनों से हाथियों का आना-जाना और हमला आम बात हो चुकी है। इसके बावजूद वन विभाग के पास न संसाधन हैं, न कार्य योजना। हर बार आम जनता ही जान हथेली पर रखकर हाथी को भगाने पर मजबूर होती है। अब वक्त है कि प्रशासन, वन विभाग और जिला प्रशासन मिलकर इस गंभीर संकट का दीर्घकालिक समाधान निकाले। वरना कुडू की हर रात डर और दहशत में कटती रहेगी। स्थायी समाधान कहाँ है? रात के अंधेरे में कोई बड़ा हादसा होता तो जिम्मेदार कौन होता? क्या कुडू को 'वन्य आपदा क्षेत्र' घोषित कर विशेष ध्यान नहीं मिलना चाहिए?

कर्बला मैदान में मेला कार्यक्रम का भव्य आयोजन

मेला सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, भाईचारे का आईना है: अहमद

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा व सेन्ट्रल मुहर्रम कमेटी के संयुक्त तत्वावधान एवं निगरानी में समाहरणालय के समीप स्थित कर्बला मैदान में मेला कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अंजुमन इस्लामिया के सेक्रेटरी जनाब शाहिद अहमद उर्फ बेलू, कर्बला कमेटी के कन्वेनर मोहम्मद इब्राहिम अशरफी उर्फ कल्लू, सेराज अंसारी समेत अन्य पदाधिकारियों ने फीता काट कर की। इस अवसर पर लोहरदगा के साथ-साथ लातेहार, गुमला, रांची एवं आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में जायरीन कर्बला मैदान पहुंचे। जायरीनों ने फातिहा पढ़ी दुआएं कीं और अपनी मिन्नतें मांगी। पूरा वातावरण इबादत और अकीदत से सराबोर रहा।मेला प्रबंधन की निगरानी खुद अंजुमन इस्लामिया के सदर जनाब अब्दुल रऊफ अंसारी, सचिव शाहिद अहमद बेलू सहित कमेटी के सभी पदाधिकारी और मेंबर कर रहे हैं। आयोजन के दौरान विधि-व्यवस्था को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। चारों ओर पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ वॉलंटियरों की टीम भी सक्रिय रही। मौके पर सदर अब्दुल रऊफ अंसारी ने कहा कि कर्बला सिर्फ गम का नहीं, सब्र और इंसाफ के लिए कुर्बानी का प्रतीक है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो लोग गंभीर रूप से घायल

भंडरा। चट्टी-भंडरा मुख्य पथ स्थित कुंदो गांव के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसे स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचाया गया। बता दें कि भंडरा थाना क्षेत्र के नगड़ी गांव निवासी लोंदया उरांव के पुत्र खेदुवा उरांव अपने साढ़ू धोबाली गांव निवासी एतवा उरांव के पुत्र दीपक उरांव के साथ मोटरसाइकिल से चट्टी से अपने घर लौट रहे थे।

जय श्रीराम समिति ने आर्थिक सहायता कर मानवता का परिचय दिया

सेवा ही मानव धर्म है जो सच्चे अर्थों में इंसान कहलाता है : सुनील अग्रवाल

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। विगत दिनों सदर प्रखंड के अरकोसा नवाटोली निवासी महावीर ठाकुर के पुत्र का आकस्मिक निधन हो गया। पीड़ित परिवार मानसिक एवं आर्थिक रूप से इतने कमजोर थे कि अंतिम संस्कार की क्रिया भी संपन्न कर पाने में असमर्थ थे। ऐसी विकट परिस्थिति में "जय श्रीराम समिति" अरकोसा ने मानवीय पहल करते हुए तत्क्षण आर्थिक सहायता प्रदान कर परिवार की मदद की और मानवता की मिसाल पेश की।

समिति के जिला अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा, "सेवा ही मानव धर्म है। जो भी इस मार्ग पर चलता है, वही सच्चे अर्थों में इंसान कहलाता है। यह जीवन क्षणभंगुर है, इसलिए लोगों को सेवा की भावना से एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़ा रहना चाहिए।"

समिति सदस्य अंगद महतो ने कहा, "गरीबों की सेवा में जो आत्मिक संतोष और खुशी मिलती है, वह दुनिया की किसी भी चीज़ में नहीं मिल सकती।"राजेश्वर महतो ने समाज में दिखावे पर कटाक्ष करते हुए कहा, "शादियों में दिखावा और फिजूल खर्च करने से बेहतर है कि हम जरूरतमंदों की सहायता करें। यही सच्ची परोपकारिता है।" समिति के सक्रिय सदस्य शुभम कुमार ने सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा, "राज्य सरकार की योजनाएँ ज़रूरतमंदों तक नहीं पहुँच पा रही हैं। एक गरीब व्यक्ति, जिसने अपने परिवार के सदस्य को खो दिया, उसकी अंत्येष्टि के लिए भटक रहा है और उसे कहीं से कोई सरकारी सहायता नहीं मिलती। ऐसे समय में सांसद, विधायक और प्रशासन को आगे आना चाहिए था। क्या आज सनातन संस्कृति से जुड़ा होना ही गुनाह बन गया है?"

इस मौके पर राजा कुमार, अजय सोनी, शुभम कुमार समेत कई स्थानीय लोग मौजूद थे जिन्होंने समिति की इस पहल की सराहना की।

शहरी कृषि मार्केट में जलजमाव और गड्ढों ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

- स्थानीय प्रशासन की अनदेखी से लोगों में नाराज़गी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा । शहर के कृषि मार्केट परिसर की बदहाल स्थिति एक बार फिर सामने आई है, जहाँ शुक्रवार को लगने वाला साप्ताहिक हाट अब लोगों के लिए सुविधा नहीं, बल्कि मुसीबत का कारण बनता जा रहा है। सैकड़ों ग्रामीण और शहरी लोग हफ्ते में एक दिन इस हाट में अपनी जरूरत की हर चीज – सुई से लेकर सब्जी, घरेलू सामान, बकरी, गाय-बैल तक खरीदने आते हैं, लेकिन रास्ते की हालत इतनी खराब है कि पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों में बारिश का पानी जमा हो गया है, जिससे कीचड़ और फिसलन आम बात हो गई है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार बच्चे और बुजुर्ग गड्ढे में गिर चुके हैं, लेकिन नगर परिषद और संबंधित विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

बाजार आने वाले लोगो ने बताया कि हर शुक्रवार यहां काफी भीड़ लगती है। महिलाएं, छोटे बच्चे, बुजुर्ग सब आते हैं। लेकिन गड्ढों में भरे पानी के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ये शहरी क्षेत्र है और फिर भी ऐसी स्थिति बनी हुई है, ये शर्म की बात है। मार्केट में व्यवस्थित जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे थोड़ी सी बारिश में सड़कें तालाब जैसी दिखने लगती हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस वजह से उनकी बिक्री पर भी असर पड़ता है क्योंकि ग्राहक आने से कतराते हैं। स्थानीय प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस सड़क की जल्द से जल्द मरम्मत की जाए और बाजार परिसर में स्थायी जल निकासी की व्यवस्था की जाए, वही जब भी बाजार लगता है तब चुंगी वसूली की जाती है। हर दुकानदार से 20 रु से लेकर 100 रु तक वसूली की जाती है लेकिन चुंगी वसूली करने वाले ठेकेदार को सिर्फ पैसे से मतलब रहता है। यहाँ पर मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने में उनकी दिलचस्पी नहीं होती है। कीचड़ भरी सड़को पर मोरम मिट्टी भी भराने की बात नही सोचते हैं। ऐसे में व्यापारी वर्ग बेहाल हैं और सुविधा उपलब्ध कराने की मांग स्थानीय प्रशासन से की है।

जिला अभियंता का कार्यालय
जिला परिषद्, लातेहार

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण–सूचना
निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 08 वर्ष 2025–26
D.M.F.T मद

1. विज्ञापन दाता का नाम : जिला अभियंता,जिला परिषद्, लातेहार।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि : 10.07.2025 (अपराहन् 01:00 बजे तक)
3. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : जिला अभियंता,जिला परिषद्, लातेहार।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : 11.07.2025 को 01:00 बजे अपराहन् तक
5. निविदा प्राप्ति, का स्थान : जिला नियंत्रण कक्ष,(पुलिस अधीक्षक, लातेहार के कार्यालय के समक्ष)
6. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान : 11.07.2025 को 03:00 बजे अपराहन्, कार्यालय जिला परिषद, लातेहार।
7. कार्य का विस्तृत विवरण :–

ग्रुप संख्या	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की तिथि
1	प्रखण्ड चन्दवा अन्तर्गत पंचायत चन्दवा पूर्वी में स्वच्छता/सी.जी.एल.एम. (एस.एल.आर.एम.) कार्य हेतु सामुदायिक भवन डेम टोली तिलैयाटांड, चन्दवा का जीर्णोद्धार कार्य।	16,77,300	34,000	5,000	02 माह

8. परिमाण विपत्र भारतीय स्टेट बैंक से निर्गत ही मान्य होगा जो **जिला अभियंता, लातेहार** के पदनाम से देय होगा एवं भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार में भुगतेय होगा। परिमाण विपत्र का मूल्य लौटाया नहीं जायेगा।
9. अग्रधन की अंकित राशि (NSC) 05 वर्षीय/03 वर्षीय/डाकघर सावधि जमा पत्र/03 वर्षीय/05 वर्षीय/बैंक सावधि जमा पत्र (F.D) 05 वर्षीय/03 वर्षीय, कम्पनी के मामले में झारखण्ड राज्य के राष्ट्रीयकृत बैंक का B.G जो **जिला अभियंता, लातेहार** के नाम से प्रतिज्ञिप्त (प्लेज) कराते हुए निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
10. उक्त निविदा में जिला परिषद, लातेहार अन्तर्गत समुचित श्रेणी में निबंधित संबंधित प्रखण्ड के संवेदक ही भाग ले सकेंगे।
11. वैसे संवेदक जिनके पास पूर्व से D.M.F.T अन्तर्गत ली गयी योजना लंबित है उन्हे B.O.Q निर्गत नहीं किया जाएगा।

जिला अभियंता
जिला परिषद्, लातेहार

PR 356415 Rural Development(25-26).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।
अतिअल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना।

जिला अनावद्ध निधि से चतरा जिलान्तर्गत स्वीकृत निम्नलिखित योजना के क्रियान्वयन हेतु ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण कार्य मामले), झारखण्ड सरकार द्वारा समुचित श्रेणी के निबंधित संवेदको से एकल लिफाफा पद्धधि के अंतर्गत पुनर्निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सूचना संख्या :– RDD/SD/CHATRA/14/2024-25/RE-2

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	लिफाफा पद्धति
7	प्रखण्ड–पत्थलगडडा, पंचायत–कुब्बा, ग्राम–कुब्बा में मुख्य पथ से केन्दुवा बागी तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	24,90,000.00	49800.00	5000.00	03 माह	एकल

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि –08.07.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक–08.07.2025 से दिनांक–14.07.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, चतरा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 16.07.2025 अपराह्न 02:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेश प्रमंडल, चतरा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9431060939 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा।

PR 356414 Rural Development(25-26)D

लोहरदगा को मिलकर आदर्श जिला बनाना है : धीरज प्रसाद साहू

- पूर्व राज्यसभा सांसद ने डीसी एसपी के साथ बैठक कर कई मुद्दों पर की चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिला के सर्वांगीण विकास को लेकर पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू गंभीर हैं। वह लगातार कई योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर प्रयास कर रहे हैं। स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यटन, खेल आदि क्षेत्रों में भी नई योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर प्रयासरत हैं। इस क्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद ने गुरुवार को लोहरदगा का उपायुक्त डॉक्टर ताराचंद और लोहरदगा एसपी सादिक अनवर रिजवी से मुलाकात की। इस दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद ने कई अहम मुद्दों को लेकर दोनों अधिकारियों के साथ चर्चा की। पूर्व राज्य सभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि समन्वय से ही विकास हो सकता है। हमें मिलकर लोहरदगा जिला को एक आदर्श जिला बनाना है। मोहर्रम का त्यौहार है, घूरती रथ यात्रा है, सभी त्योहारों को मिलजुल कर मनाना है।

सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाकर रखना है। उन्होंने कहा कि बीएस कॉलेज स्टेडियम में फ्लड लाइट लगाया जाना आवश्यक है। इसके अलावा बकसीडीपा में पर्यटन विकास की योजना के तहत रेस्ट हाउस का निर्माण कार्य भी करने को लेकर चर्चा की। लोहरदगा में हाल सर्वे में जमीन संबंधी जानकारी में हुई त्रुटि को लेकर सरकार के स्तर से बात कर इसमें सुधार करने को लेकर भी उन्होंने चर्चा की। पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि विकास योजनाएं तभी कारगर साबित हो सकती हैं, जब वह उपयोगी हों। हमें ऐसी योजनाओं का क्रियान्वयन करना है, जिससे आम आदमी को सीधा लाभ हो। लोहरदगा जिला को पर्यटन के क्षेत्र में एक आदर्श जिला बनना है। इसके लिए यहां पर सुविधाओं को विकसित करना जरूरी है। उनसे जो भी सहयोग होगा, वह जिला प्रशासन का जरूर करेंगे। साथ ही सरकार के स्तर से भी संभव सहयोग दिलाने का प्रयास करेंगे। मौके पर डॉक्टर अजय शाहदेव, विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, हाजी शकील अहमद सहित कई लोग मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

भरनो ब्लॉक चौक पर टाइगर जयराम महतो का हुआ भव्य स्वागत

गुमला। जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को लेकर चर्चित जेएलकेएम पार्टी के सुप्रीमो एवं डुमरी विधायक जयराम महतो का आज गुमला जिला प्रवेश के दौरान भरनो ब्लॉक चौक पर जोरदार स्वागत किया गया। प्रखंड अध्यक्ष बप्पी उरांव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उनका स्वागत किया। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार जयराम महतो के पैर धोए और उन्हें पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक महतो ने कहा कि जल, जंगल और जमीन को बचाने की लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक आदिवासियों के अधिकार सुरक्षित नहीं हो जाते। वर्तमान समय में जिस तरह से आदिवासियों की जमीन पर कब्जा करने के प्रयास हो रहे हैं, वह चिंताजनक है। इसके खिलाफ हमें एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।"

सिसई में डुमरी विधायक का किया गया स्वागत

सिसई (गुमला)। झारखंड में टाइगर के नाम से प्रसिद्ध जेएलकेएम नेता सह डुमरी विधायक जयराम महतो का गुरुवार को गुमला में निर्धारित एक दिवसीय कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुमला जाने के दौरान सिसई प्रखण्ड मुख्यालय में झारखंड आंदोलनकारी, जेएलकेएम कार्यकर्ता एवं सिसई के जनता काफी समय से इंतजार कर रहे थे। शाम पांच बजे जब जयराम महतो का काफिला सिसई पहुंचा तो झारखंड आंदोलनकारियों के विशेष अनुरोध पर कुछ समय के लिए अपने काफिले के साथ रुके। जहां झारखंड आंदोलनकारी मनोज वर्मा, जीतवाहन साहु, जुबेर अंसारी एवं जेएलकेएम के गुमला जिला महासचिव विनय कुमार साहु, सिसई प्रखण्ड महासचिव लालनंद किशोर नाथ शहदेव ने फूलमाला पहनाकर एवं बुके देकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं विधायक जयराम महतो ने प्रखण्ड मुख्यालय में स्थापित अम्बेडकर वाटिका में जाकर बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर एवं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात प्रखण्ड परिसर में ही अमर ललित उरांव के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान जेएलकेएम कार्यकर्ताओं द्वारा जयराम महतो जिंदाबाद,झारखंड का टाईगर जयराम महतो जिंदाबाद जैसे नारा लगाया जा रहा था।

शिक्षकों की गुरु गोष्ठी आयोजित

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित कार्तिक उरांव पुस्तकालय सभागार में गुरुवार को प्रखंड स्तरीय गुरुगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रीति कुजूर ने की, जिसमें क्षेत्र के सभी सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक आवश्यक प्रतिवेदनों के साथ उपस्थित हुए। गोष्ठी में मध्याह्न भोजन योजना के मासिक प्रतिवेदन, 2024–25 की किट उपयोगिता प्रमाण पत्र, छात्र-छात्राओं के आधार कार्ड व बैंक खाता, यूडीआइएस अपडेट, पुस्तक वितरण, एसएमसी (स्कूल प्रबंधन समिति) का पुनर्गठन, पारा शिक्षकों की सर्विस बुक अपडेट, नवोदय विद्यालय नामांकन, इंस्पायर्ड अवार्ड, आपार आइडी, उपस्थिति रिपोर्ट समेत विद्यालय से जुड़े कई अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में शिक्षकों से सभी जरूरी प्रतिवेदन एकत्र किए गए एवं कार्यों को समयबद्ध रूप से निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही कार्तिक उरांव पुस्तकालय में ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रोत्साहित करने तथा पुस्तकालय में अधिक से अधिक नामांकन कराने पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर बीपीओ सूरज लकड़ा, बीआरपी समीम एजाज, विजय कुमार, नूर एहसान, अशोक तिवारी सहित सभी सीआरपी और प्रधानाध्यापक उपस्थित थे।

कल होगा एक दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन

गुमला। "वर्ल्ड बैडमिंटन डे" के अवसर पर 5 जुलाई 2025 को गुमला ज़िले में एक दिवसीय भव्य बैडमिंटन प्रतियोगिता स्मैशथॉन-2025 का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर ज़िला प्रशासन द्वारा इनडोर स्टेडियम में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने गुरुवार को इनडोर स्टेडियम परिसर में बैडमिंटन कोर्ट के लिए लगाए गए नए हाई-ग्रेड मैट का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से संवाद करते हुए उन्हें नशा मुक्त जीवन अपनाने और खेल को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। उपायुक्त महोदया ने बच्चों एवं युवाओं को खेलों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया और ख़ुद भी बैडमिंटन खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

चैनपुर और घाघरा में आमजनों की समस्याओं हुआ निष्पादन

गुमला। आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त गुमला के निर्देशानुसार जिले के सभी प्रखंडों में नियमित रूप से जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को चैनपुर प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय में शिविर का आयोजन हुआ, जिसकी संयुक्त अध्यक्षता घाघरा के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी ने की। जनसुनवाई शिविर के दौरान कुल 104 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 99 मामलों का निष्पादन मौके पर ही संबंधित विभागीय प्रतिनिधियों द्वारा कर दिया गया, जिससे लोगों को त्वरित राहत मिली।

एसडीपीओ व थाना प्रभारी को गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स ने किया सम्मानित

गुमला। गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा गुमला पुलिस प्रशासन की सराहनीय सेवाओं के लिए एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव एवं थाना प्रभारी महेंद्र करमाली को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान गुरुवार, 3 जुलाई को गुमला पुलिस मेंस क्लब भवन में आयोजित शांति समिति की बैठक के दौरान प्रदान किया गया।

जल जीवन मिशन की प्रगति पर उपायुक्त ने जताई सख्ती

कार्य में तेजी व गुणवत्ता सुनिश्चित करने के दिए सख्त निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु बुधवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कक्ष में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में एक विशेष समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गुमला अंतर्गत कार्यान्वित बहु-ग्रामीण एवं एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपस्थित संवेदकों से योजनाओं की प्रगति, कार्यान्वयन में आ रही चुनौतियों और संभावित पूर्णता की समय-सीमा के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई।

खुखरेन बिल्डर्स, वैष्णवी इंटरप्राइजेज एवं अभिषेक सोलर के प्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने संबंधित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की प्रस्तुति दी गई। उपायुक्त ने सभी संवेदकों को निर्देशित किया कि कार्यों में तेजी लाएं, निर्धारित समयसीमा के भीतर योजनाओं को हर हाल में पूर्ण करें तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

उपायुक्त ने कहा कि जल जीवन मिशन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं में शामिल है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। इसलिए योजनाओं के क्रियान्वयन में संवेदकों एवं विभागीय पदाधिकारियों को जिम्मेदारी और समर्पण की भावना से कार्य करना होगा। बैठक में कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल द्वारा कार्यों की प्रगति से संबंधित प्रस्तुति दी गई, साथ ही तकनीकी पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि विभागीय अधिकारी संवेदकों के साथ नियमित समन्वय बनाएं रखें, साप्ताहिक निगरानी सुनिश्चित करें तथा आवश्यकता अनुसार मैदानी निरीक्षण भी नियमित रूप से करें, ताकि योजनाओं में पारदर्शिता एवं समयबद्धता बनी रहे। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी, तकनीकी टीम और संवेदकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डीसी की अध्यक्षता में पीएम जनमन योजना की हुई समीक्षा बैठक आयोजित

गुमला। गुरुवार को उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री जनजातीय जनमन योजना (पीएम जनमन योजना) के तहत विभिन्न विभागों की समन्वयात्मक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में संबंधित विभागों के सभी अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। बैठक में उपायुक्त ने योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय और दृढ़ निश्चय के साथ कार्य करने का आह्वान किया, ताकि अत्यंत पिछड़े जनजातीय समूहों तक सभी बुनियादी सुविधाएं सुचारू रूप से पहुंचाई जा सकें। उपायुक्त ने योजना के अंतर्गत द्वितीय एवं तृतीय किस्त से संबंधित अद्यतन जानकारी ली तथा लाभुकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि जिले के सभी पीवीटीजी ग्रामों में जल आपूर्ति योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं।

पानी के लिए परेशान है चार पंचायतों के लोग

सिसई (गुमला)। ग्रामीण पेयजल पूर्ति योजना के तहत सिसई थाना के सामने बने विशालकाय पानी टंकी से एक माह से अधिक समय से चार पंचायत के लोगों को पानी नहीं मिल रहा है जिसके कारण उन्हें घरेलू कार्यों को करने में कठिनाई हो रही है। पानी सप्लाई के बंद होने के बारे में पूछे जाने पर पीएचडी विभाग के जेईई रतन खलखो ने जानकारी देते हुए बताया कि डब्ल्यू टी पी का इंटेक वेल का स्टार्टर और पैनल बोर्ड खराब हो गया है, जिसके कारण पानी की सप्लाई बंद हो गई है। वहीं उन्होंने विशेष रूप से जानकारी देते हुए बताया की जलापूर्ति योजना से सिसई पंचायत के 1100, लकेया पंचायत के 1100, भदौली पंचायत के 800 और कुदरा पंचायत के 250 लोगों के घरों तक पानी पहुंचाया जाता था। एक माह में जल कर 62 रुपया है। वही जल कर की जिम्मेवारी पंचायत के मुखिया और जलसहिया को दिया गया था। जिसमें की लकेया पंचायत को छोड़कर अन्य तीन पंचायत के मुखिया और जलसहिया जल कर जमा नहीं करते थे, जिसके कारण फंड के अभाव में समय पर मशीन मरम्मत नहीं हो पा रहा है। जानकारी लेने के लिए सहिया से संपर्क किया गया। परंतु संपर्क नहीं हो सका। ग्रामीणों से सूचना मिलने पर प्रखंड प्रमुख मीना देवी भी पानी टंकी का निरीक्षण की थी। वही निरीक्षण के बाद ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए जल्द बनवाने को लेकर मैकेनिकल इंजीनियर और जेईई से बात कर दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। बहुत ही जल्द पानी सप्लाई सुचारू रूप से शुरू किया जाएगा। ये बाते जेईई रतन खलखो ने कहा।

किसी भी प्रकार के अफवाहों पर ध्यान नहीं दे : थाना प्रभारी

सिसई (गुमला)। सिसई थाना में बुधवार को थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह की अध्यक्षता में आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण व सौहार्द के साथ मनाने को लेकर शांति समिति का बैठक किया गया। थाना प्रभारी ने पर्व को शांति पूर्ण तरीके से मनाने के लिए लोगों से अपील करते हुए कहा कि जुलूस के दौरान केवल पारंपरिक अस्त्र का प्रदर्शन करना है। और किसी भी प्रकार के अफवाहों पर ध्यान नहीं देना है। उन्होंने कहा कि आज सोशल मीडिया में ए आई का जमाना है, जिसके माध्यम से कोई भी असामाजिक तत्त्व किसी का भी फोटो लगाकर गलत संदेश वायरल कर सकता है जिससे आपसी सौहार्द बिगड़ने का संभावना बढ़ जाता है। इस चीज पर विशेष ध्यान देना है। और ऐसे फेक न्यूज से बचना है यदि किसी प्रकार का कोई फेक न्यूज मिलता है तो थाना को तुरन्त सूचना दें। सिसई बहुत ही शांति प्रिय जगह है और यहां पर सभी समुदाय के लोग बहुत ही मिलनसार हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहेगी।अंजुमन के लोगों ने बताया कि मुहर्रम का जुलूस सात जुलाई को रात्रि में और आठ जुलाई को दिन में निकाला जाएगा।इस बैठक में बीडीओ रमेश कुमार यादव, सीओ नितेश रोशन खलखो, मुखिया शकुंतला देवी, बजरंग दल संरक्षक मुकेश श्रीवास्तव डेविड, रोहित शर्मा, अंजुमन के अध्यक्ष सलमान अली, महमूद अंसारी, उमर अंसारी , मनोज वर्मा, जीतवाहन साहू, तेजमोहन साहू एवं कई गणमान्य प्रभुत्जन शामिल थे।

मनरेगा और आवास योजनाओं का डीडीसी ने किया स्थलीय निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। उपायुक्त गुमला के निर्देशानुसार 2 जुलाई 2025 को उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो ने भरनो प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चल रही योजनाओं का स्थल पर जाकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने योजनाओं की भौतिक प्रगति, कार्य की गुणवत्ता एवं श्रमिकों की उपस्थिति की गहन जांच की। कार्य स्थलों पर उपस्थित लाभुकों एवं श्रमिकों से उन्होंने सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना तथा संबंधित पदाधिकारियों को उनके त्वरित समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी कार्य स्थलों पर सोशल ऑडिट बोर्ड, मस्टररोल, एवं सूचना पट्ट अद्यतन स्थिति में लगे हों। इसके साथ ही, योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, समयबद्धता और श्रमिक हितों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी, कनीय अभियंता, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

बिशुनपुर में जतरा टाना भगत पुस्तकालय संचालन समिति की बैठक संपन्न

बिशुनपुर (गुमला)। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में जतरा टाना भगत पुस्तकालय संचालन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी ने पुस्तकालय के महत्व और इसके प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पूरे झारखंड राज्य में गुमला जिला एकमात्र ऐसा जिला है, जहां सभी प्रखंड मुख्यालयों में पुस्तकालयों का संचालन हो रहा है। इससे विद्यार्थियों को उनके अपने प्रखंड में ही पढ़ाई के लिए आवश्यक संसाधन और सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं, जो उनके शैक्षणिक और भविष्य निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। बीडीओ सुलेमान मुंडरी ने कहा कि पुस्तकालय का संचालन सतत एवं सशक्त रूप से तभी संभव है जब इसमें समाज का सक्रिय सहयोग मिले। उन्होंने अपील की कि सामाजिक और आर्थिक दोनों रूपों में लोग सहयोग करें, ताकि यह केंद्र और अधिक प्रभावशाली ढंग से संचालित हो सके और स्थानीय विद्यार्थी इसका भरपूर लाभ उठा सकें।

करंज थाना ने चलाया जागरूकता अभियान

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड अंतर्गत करंज थाना क्षेत्र के कानारवां गांव में गुरुवार को थाना प्रभारी आशीष केशरी के नेतृत्व में सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों के साथ बैठक कर विभिन्न सामाजिक समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया और लोगों को जागरूक किया गया। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को डायन बिसाही प्रथा, मानव तस्करी, साइबर अपराध, सड़क सुरक्षा, नशा सेवन, डिजिटल अरेस्ट जैसे गंभीर विषयों पर जागरूक करते हुए कहा कि इन कुरीतियों से समाज को दूर रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अफीम की अवैध खेती पर भी चिंता जताई और ग्रामीणों से इसे रोकने में सहयोग करने की अपील की। आशीष केशरी ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और बच्चों को बेहतर शिक्षा देने पर जोर दें।

बारिश के कारण वाहन हो रहे हैं दुर्घटना के शिकार

बसिया(गुमला)। मेहमानी की रस्म अदायगी के लिए जा रहा एक परिवार आज सुबह सुबह अस्पताल के वार्ड में जा पहुंचा। मिली जानकारी के अनुसार खुंटी जिले के तोरपा मनातु से सिमडेगा गुटबहार की ओर जा रहे इस परिवार के निजी वाहन का टायर बसिया केमताटोली के पास ब्लास्ट कर गया। टायर के फट जाने से चालक एलवीन भेंगरा (35) सहित वाहन सवार किरण भेंगरा (52),अलगसियुस भेंगरा (50), प्रफुलित कोंगाडी (45), जेबियर भेंगरा (52), प्रभा किंडो (51),बिपुल भेंगरा (27), बेरोनिका तोपनो (50) और विनोद कोंगाडी (50) जख्मी हो गए। इस दुर्घटना में शामिल लोगों का दुर्भाग्य यह कि मेहमानी के भोज की जगह अब उन्हें अस्पताल के वार्ड का भोजन खाना पड़ रहा है।

गांव में अभी तक नहीं पहुंची है कच्ची या पक्की कोई भी सड़क

नवीन मेल संवाददाता

सिसई (गुमला)। सिसई प्रखंड अंतर्गत मुर्गू के एकमात्र पुर्वज के वंशजों का दो दर्जन अनुसुचित जनजाति परिवार के करीब 130 सदस्यों का बसा गांव मेडयाटोली। प्रखंड स्थित दो दशक पुर्व घोर नक्सली दंश झेल चुके इस गांव में वर्तमान में सरकारी योजना के नाम पर पेयजलापूर्ति योजना के तहत बना एक जलमीनार है जो ढाई साल से खराब पड़ा हुआ है, विभिन्न घरों में शौचालय बना है। इक्के-दुक्के परिवारों को ही पक्का मकान मिला है। आजादी के 78 साल बाद भी इस गांव में पहुंचने के लिए कोई सड़क नहीं है। गांव के पाहान वायोवृद्ध बिरिया उरांव, बंधनु उरांव, जतन उरांव, दिलीप उरांव, शिवनाथ उरांव, बंधना उरांव, सुकरमनी उरांव, मंगलमुनी उरांव, बेसांगी उरांव,सुरैला उरांव, जौनी देवी, सहित दर्जनों लोग बताते हैं कि दक्षिणी कोयल नदी तट के किनारे और मुर्गू-सुपाली गांव के पास बसा मेडयाटोली गांव है, लेकिन आज तक इस गांव में आने जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है। मुर्गू तक जाने वाली सड़क से पश्चिम की ओर करीब एक किलोमीटर पर बसे गांव में पक्की तो छोड़िए कच्ची सड़क भी नहीं है, लोग आने जाने के लिए खाली पड़े खेत के पगडंडी और ट्रैक्टर से बने रास्ते का इस्तेमाल करते हैं। गर्मी और जाड़े में तो किसी तरह गुजारा हो जाता है। मुसीबत तो बरसात में होती है जब गांव की किसी गर्भवती महिला, बीमार पड़े महिला-पुरुष, वृद्ध व बच्चे, चलने फिरने में असमर्थ लोगों को इलाज के लिए ले जाना हो या रोजमर्रा की जरूरत के लिए आना-जाना पड़ता है। सड़क नहीं होने को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों, नेताओं व अफसरों से बोलने के बाद भी इस ओर किसी ने भी ध्यान नहीं दिया।

गूंगाटोली गांव में 23 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला

बिशुनपुर (गुमला)। बिशुनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गूंगाटोली गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब गांव निवासी स्वर्गीय विनोद उरांव के 23 वर्षीय पुत्र विवेक उरांव का शव उसके घर में संदिग्ध अवस्था में बरामद किया गया। ग्रामीणों की सूचना पर बिशुनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार, विवेक उरांव की मां का पहले ही देहांत हो चुका था। वह अपने चाचाओं के साथ रहकर चटकपुर में प्रजा केंद्र का संचालन करता था और प्रतिदिन आना-जाना उसकी नियमित दिनचर्या में शामिल था। बुधवार की रात वह अपने गूंगाटोली स्थित घर में खाना खाकर सोया था, लेकिन सुबह दरवाजा नहीं खोलने पर परिजनों ने जब भीतर झांका तो वह अपने बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़ा मिला। परिजनों व ग्रामीणों के अनुसार विवेक के गले पर निशान थे, जिससे गला दबाकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही बिशुनपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और सभी परिस्थितियों का जायजा लेते हुए शव को कब्जे में लिया।

एसडीओ सदर राजीव नीरज ने किया सिसई प्रखंड अंतर्गत पंडरिया पंचायत का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश के आलोक में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं संस्थानों की जमीनी स्थिति का मूल्यांकन करने हेतु एसडीओ सदर राजीव नीरज द्वारा सिसई प्रखंड अंतर्गत पंडरिया पंचायत का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकान, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बिरसा हरित ग्राम योजना, अबुआ आवास योजना तथा पंचायत भवन का स्थलीय जायजा लिया। विद्यालय निरीक्षण के क्रम में उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति, छात्रों की संख्या और मध्याह्न भोजन योजना की प्रगति की समीक्षा की। पीडीएस दुकान में खाद्यान्न वितरण की नियमितता, स्टॉक रजिस्टर की अद्यतन स्थिति तथा लाभुकों की संतुष्टि की जानकारी प्राप्त की। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाएं, चिकित्सकों की उपस्थिति और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता का आकलन किया गया। बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत चल रही पौधरोपण, गड्ढा खुदाई एवं पौध वितरण की गतिविधियों की भी समीक्षा की गई।

एसडीओ ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण

गुमला। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर एसडीओ सदर राजीव नीरज ने आज सदर अस्पताल, गुमला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाओं, मरीजों को दी जा रही सेवाओं, दवा वितरण, स्वच्छता व्यवस्था, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति तथा आपातकालीन कक्ष की कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। एसडीओ सदर ने ओपीडी, वार्ड, प्रसव कक्ष एवं जांच कक्ष का भ्रमण करते हुए मरीजों एवं उनके परिजनों से सीधे संवाद किया और अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता पर फीडबैक प्राप्त किया।

जिला मत्स्य कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सभी मत्स्य कृषकों को सूचित किया जाता है कि नई तकनीक Block Chain एवं National Fisheries Digital Platform (NFDP) में सभी मत्स्य कृषकों का निबंधन कराना आवश्यक है।

1. पासपोर्ट फोटो। (रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो)
2. अपना मोबाईल/माबाईल नं0
3. आधार मूल प्रति (Original)
4. बैंक पासबुक (Original)
5. पैनकार्ड (Original)
6. वोटर आई0डी0 कार्ड (Original)
7. राशन कार्ड (Original)
8. जमीन का रसीद (यदि हो तो)
9. आय प्रमाण पत्र (यदि हो तो)
10. जाति प्रमाण पत्र (यदि हो तो)
11. तालाब का विवरणी :- खाता, प्लॉट सं0, तालाब का जलक्षेत्र (एकड़ में)/लैण्डमार्क/ जीयोटैग फोटोग्राफ
12. तालाब किस योजना/किस विभाग/निजी/लीज/सामुदायिक/वर्ष में बना है।
13. वंशावली/खतियान का प्रति। (यदिहो तो)
14. मकान/खाता सं0 (NFDP मेंनिबंधन के लिए)
15. मत्स्य कृषक का आधार से मोबाईल नं0 लिंक होना चाहिए।

सभी कृषक/बीज उत्पादक उक्त कागजात के साथ जिला मत्स्य कार्यालय, गढ़वा में उपस्थित होकर अपना निबंधन करायें। विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आकर सम्पर्क कर सकते है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,गढ़वा

PR 356440 Fish(25-26).D

जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय, लातेहार

अतिअल्पकालिन

–: पुनः ई–निविदा से संबंधित आवश्यक सूचना :–

प्रभारी पदाधिकारी, लातेहार के पत्रांक 655 दिनांक 10.05.2025 के द्वारा लातेहार जिला के प्रत्यक्ष रूप से खनन प्रभावी क्षेत्र प्रखण्ड लातेहार के पंचायत भुसूर में Integrated Sports cum Knowledge Center esa Science Center का निर्माण/ अधिष्ठापन कार्य हेतु निविदा www.jharkhhandtenders.gov.in पर पुनः प्रकाशित किया गया है।

संबंधित निविदादाता उक्त निविदा का विस्तृत अवलोकन www.jharkhhand tenders.gov.in पर करते हुए दिनांक 12.07.2025 अपराह्न 5:00 बजे तक अपना निविदा भेज सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिला शिक्षा अधीक्षक, लातेहार।

PR.NO.356419 Human Resource Developement(25-26):D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

प्रेम, ध्यान और आत्मबोध पर केंद्रित हैं। वे जीवन को पूरी तरह से जीने, सामाजिक बंधनों से मुक्त होने और वर्तमान क्षण में रहने की सीख देते हैं। उनके अनुसार, सच्चा धर्म भीतर से आता है। -ओशो

संपादकीय

कट्टरपंथी बांग्लादेश के संदेश

कहा जाता है आप पड़ोसी बदल नहीं सकते पर यदि पड़ोसी बदल कर हिंसक धार्मिक कट्टरपंथी मार्ग पर चलने लगे तो मूकदर्शक बने रहने से भविष्य में खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। भारत पर मामूली बातों को लेकर हमलावार कथित बुद्धिजीवी इस मुद्दे पर चुप हैं और पड़ोसी पाकिस्तान को मोहरा बना रहा अमेरिका तो दूसरी ओर चिर शत्रु चीन दोधारी तलवार की तरह काम कर रहा है एक ओर कपड़ा उद्योग में अग्रणी बांग्लादेश की बर्बादी को हवा दे रहा है तो दूसरी ओर कट्टरपंथी शक्तियों परोक्ष सहायता देकर भारत को चुनौती दे रहा है। बांग्लादेश के कुमिल्ला जिले में पिछले दिनों एक हिंदू महिला के साथ क्रूर दुष्कर्म और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर फैलाने की घटना से एक बार फिर साबित हुआ है कि वहां हिंदुओं पर हमलों का सिलसिला थमा नहीं है। पिछले साल अगस्त में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के तख्तापलट के बाद से ही बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों, खासकर हिंदुओं के खिलाफ लक्षित हमलों में जिस तरह से तेजी आई है, और ताजा घटना में भी आरोपियों ने जिस जघन्यता के साथ अपराध को अंजाम दिया, वह बताता है कि अंतरिम सरकार में कट्टरपंथी ताकतों को किसी प्रकार का डर ही नहीं रह गया है। अपराधियों ने हिंदू महिला के साथ हुई क्रूरता का वीडियो जिस तरह से युद्ध की ट्रॉफी वाले अंदाज में डाला, कम से कम उससे तो यही जाहिर होता है। अब तक जिन पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें मुख्य आरोपी फजोर अली भी शामिल है, जो बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) से जुड़ा बताया जा रहा है।मामले के तूल पकड़ने के बाद बेशक बांग्लादेश हाईकोर्ट ने वायरल वीडियो को तुरंत हटाने और पीड़िता की सुरक्षा व चिकित्सा सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं, लेकिन घटना की एफआईआर दर्ज करने में देरी, पहले 24 घंटों के भीतर चिकित्सा जांच न कराना और पीड़िता के अधिकारों के प्रति जिस तरह का उपेक्षापूर्ण रवैया अपनाया गया, वह व्यवस्थागत लापरवाही का ही उदाहरण है।

बांग्लादेश के कुमिल्ला जिले में पिछले दिनों एक हिंदू महिला के साथ क्रूर दुष्कर्म और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर फैलाने की घटना से एक बार फिर साबित हुआ है कि वहां हिंदुओं पर हमलों का सिलसिला थमा नहीं है।

बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों के लिए मानवाधिकार कांग्रेस (एचआरसीबीएम) की रिपोर्ट तो और भी दहलाने वाली है, जिसके अनुसार कुमिल्ला जिले में हिंदू महिलाओं के साथ दुष्कर्म का यह कोई पहला मामला नहीं है। अप्रैल के बाद से अब तक इस तरह के तेरह मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा, लड़कियों के अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन इत्यादि की जो खबरें मिल रही हैं, उन पर प्रशासन के रवैए से तो यही पता चलता है कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार इसे कोई मुद्दा ही नहीं मानती। यह स्थिति बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के प्रति बढ़ती असहिष्णुता और हिंसा के माहौल को दर्शाती है।गौरतलब है कि बांग्लादेश में इस वक्त आठ फीसदी से भी कम हिंदू हैं और उनकी आबादी लगातार घटती जा रही है। अंतरिम सरकार के गठन के समय से लेकर अब तक इसके प्रमुख मोहम्मद यूनुस का जो रवैया रहा है, उसे देखकर हिंदू महिला के साथ हुई ज्यादती पर उनकी चुप्पी अप्रत्याशित नहीं लगती। लेकिन जब बांग्लादेश ने दूसरा पाकिस्तान होने की ठान ही ली है, तो जरूरी हो जाता है कि भारत कूटनीतिक व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को इस तरह उठाए कि बांग्लादेश पर जवाबदेही का दबाव बने।

महिला एवं बाल विकास में तकनीकी परिवर्तन का एक दशक

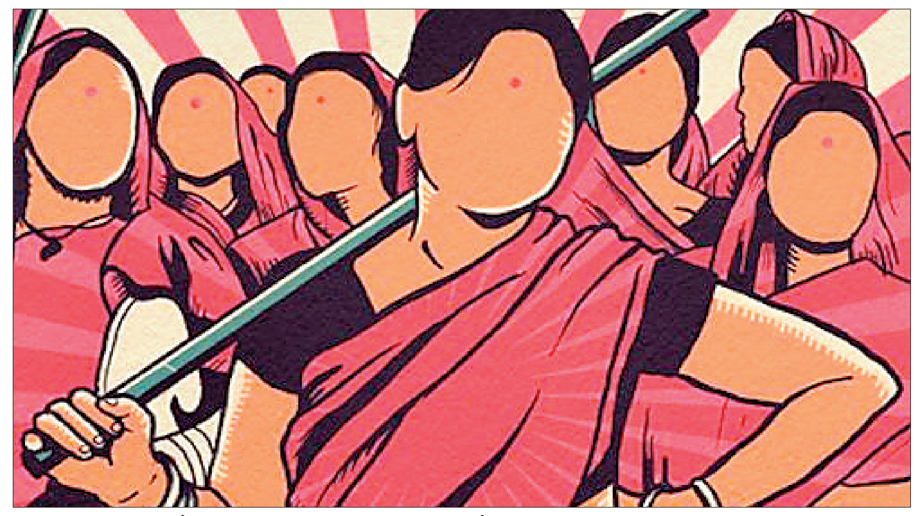

सशक्तिकरण की शुरुआत पहुंच-अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुंच से होती है । बीते दशक में, अधिक समावेशी और डिजिटल रूप से सशक्त भारत का निर्माण करने पर केंद्रित मोदी सरकार की प्रतिबद्धता के माध्यम से इस पहुंच को नए सिरे से परिभाषित किया गया है और सभी के लिए सुलभ बनाया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस परिवर्तन में सबसे अग्रणी रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत @2047 के विजन से निर्देशित, मंत्रालय ने लाभ को अंतिम छोर तक त्वरित, पारदर्शी और कुशल तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करने के लिए अपने कार्यक्रमों में प्रौद्योगिकी को व्यवस्थित रूप से एकीकृत किया है। हम अक्सर कहते हैं: "सशक्त महिलाएं, सशक्त भारत।" और सशक्तिकरण की शुरुआत पहुँच - अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुँच से होनी चाहिए । आज, यह पहुँच तेज़ी से डिजिटल होती जा रही है। जो कभी आकांक्षापूर्ण था, वह अब क्रियाशील बन चुका है –ऐसा सरकार द्वारा डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, रियल-टाइम डेटा सिस्टम और उत्तरदायी शासन पर ज़ोर दिए जाने की बदौलत संभव हआ है। मंत्रालय ने देखरेख, संरक्षण और सशक्तीकरण पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करते हुए - पोषण, शिक्षा, कानूनी सुरक्षा और आवश्यक अधिकारों तक पहुंच को मजबूत किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं और बच्चे न केवल अधिक स्वस्थ, अधिक सुरक्षित जीवन जी सकें, बल्कि वे आत्मविश्वासी नेतृत्वकर्ता और अमृत काल के परिवर्तनकर्ता के रूप में भी उभर सकें।

आज की बात

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी
केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री

जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री ने बहुत सटीक रूप से कहा है, "मैं प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाने के साधन के रूप में तथा आशा और अवसर के बीच की दूरी को पाटने वाले उपकरण के रूप में देखता हूँ।" इस लोकाचार ने मैनुअल प्रक्रियाओं से लेकर रियल-टाइम डैशबोर्ड तक, असंबद्ध योजनाओं से लेकर एकीकृत प्लेटफार्मों तक हमारे परिवर्तन का मार्गदर्शन किया है। इस परिवर्तन की आधारशिला सक्षम आंगनवाड़ी पहल है। भारत भर में 2 लाख से ज़्यादा आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए निरुपित यह कार्यक्रम बाल्यावस्था देखरेख और विकास की अगली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता है। पोषण, स्वास्थ्य सेवा और पूर्व-विद्यालयी शिक्षा सेवाओं की ज़्यादा प्रभावी प्रदायगी संभव बनाते हुए इन केंद्रों को स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल डिवाइस और नए-नए लर्निंग टूल्स के साथ अपग्रेड किया जा रहा है। देश भर में 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को पोषण ट्रैकर के साथ एकीकृत करने से रियल-टाइम डेटा एंट्री, कार्य निष्पादन की निगरानी और साक्ष्य-आधारित नीतिगत हस्तक्षेप संभव हो पाया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन और व्यापक प्रशिक्षण से लैस करके, यह पहल अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करती है। यह 2014 से पहले मौजूद मैनुअल रिकॉर्ड-कीपिंग और डेटा ब्लाइंड स्पॉट से एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है।

एक दशक पहले, आईसीडीएस प्रणाली असंबद्ध डेटा, विलंबित प्रतिक्रियाओं और रियल-टाइम ट्रैकिंग की कमी से दबी हुई थी। पोषण ट्रैकर ने - पोषण सेवा प्रदायगी में सटीकता, दक्षता और जवाबदेही की शुरुआत कर इस परिदृश्य को बदल दिया है। 10.14 करोड़ से ज़्यादा लाभार्थी अब इस प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं- जिनमें गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, छह साल से कम उम्र के बच्चे और किशोरियाँ शामिल हैं। यह प्लेटफॉर्म विकास की निगरानी और पूरक पोषण प्रदायगी पर रियल-टाइम अपडेट को सक्षम बनाते हुए समय पर हस्तक्षेप और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण सुनिश्चित करता है। डिजिटल रूप से सशक्त सामुदायिक केंद्रों के रूप में आंगनवाड़ी केंद्रों की नए सिरे से परिकल्पना कर, शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटते हुए- पोषण ट्रैकर महत्वपूर्ण रूप से स्वस्थ भारत, सुपोषित भारत के राष्ट्रीय विजन को आगे बढ़ा रहा है। लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार (2025) से सम्मानित यह मंच 'पोषण भी पढाई भी' का भी समर्थन करता है, जो प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रदान करते हुए विकसित भारत के अमृत काल में समग्र देखभाल को बढ़ावा दे रहा है। पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) में पारदर्शिता को और मजबूत करने तथा लीकेज कम करने के लिए एक फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम शुरू किया गया है। इस डिलिवरी तंत्र को सुरक्षित, सटीक और सम्मानजनक बनाते हुए यह सुनिश्चित करता है कि पोषण सहायता केवल पात्र लाभार्थियों को ही मिले। प्रौद्योगिकी-आधारित प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से यह मंत्रालय पोषण से बढ़कर, महिलाओं के लिए सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित कर रहा है। शी-बॉक्स पोर्टल हर महिला को, चाहे वह किसी भी रोजगार की स्थिति में हो या संगठित या असंगठित, निजी या सार्वजनिक क्षेत्र में काम करती हो, पॉश अधिनियम के तहत उसे शिकायत दर्ज कराने के लिए सिंगल-विंडो एक्सेस प्रदान करता है - जिससे ऑनलाइन निवारण और ट्रैकिंग संभव हो पाती है। इस बीच, मिशन शक्ति डैशबोर्ड एंड मोबाइल ऐप संकट से घिरी महिलाओं को एकीकृत सहायता प्रदान करता है, उन्हें निकटतम वन स्टॉप सेंटर से जोड़ता है - जो अब लगभग हर जिले में चालू है। ये कदम इस बात का उदाहरण हैं कि तकनीक का उपयोग न केवल दक्षता के लिए, बल्कि न्याय, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए भी किया जा रहा है। एक दशक पहले, मातृत्व लाभ की निगरानी करना मुश्किल था और इसमें देरी होती थी। मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) की शुरूआत की है - जो मातृ कल्याण की दिशा में बहुत बड़ा बदलाव है।

पीएमएमवीवाई नियम, 2022 के तहत, गर्भवती महिलाओं को उनके पहले बच्चे के लिए 5,000 रुपये की राशि मिलती है । मिशन शक्ति के तहत, अगर दूसरा बच्चा लड़की है, तो - बेटियों के लिए सकारात्मक सुदृढ़ीकरण को बढ़ावा देते हुए लाभ की राशि 6,000 रुपये तक बढ़ जाती है। कागज रहित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से वितरित, शुरुआत से अब तक 4 करोड़ से अधिक महिला लाभार्थियों तक 1,9000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहुँच चुकी है। पीएमएमवीवाई - आधार-आधारित प्रमाणीकरण, मोबाइल-आधारित पंजीकरण, आंगनवाड़ी/आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर सहायता और रियल-टाइम डैशबोर्ड का लाभ उठाते हुए एक पूर्णतः डिजिटल कार्यक्रम है। एक समर्पित शिकायत निवारण मॉड्यूल तथा पारदर्शिता, विश्वास और जवाबदेही सुनिश्चित करने वाला नागरिकों से संबंधित पोर्टल है - जो बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

कलम का अपमान पदवी का सम्मान

ज्ञानपुर के बीचों-बीच, जर्जर सी, पर भव्य दिखने वाली इमारत, 'ज्ञानपुर साहित्य संगम' का पता देती थी। बाहर से तो उसकी रंगत, दीवारों पर उकेरी गई कविताओं की कंदलें, और नीम के पेड़ के नीचे बैठे कबूतरों का गुटरगूँ, किसी गुरुकुल का भ्रम पैदा कर सकता था। मगर अंदर का हाल पूछिए तो 'गिरा अर्थ जल बीचि सम' वाला तुलसी का प्रेम, किसी 'कोका कोला और भेलपूरी' के संगम में बदल चुका था। यहां 'हिंदी' तो बस नाम भर की थी, एक 'ब्रांडिंग' के लिए, जैसे किसी दाल-रोटी के ढाबे पर 'पेंटहाउस' लिखा हो। और 'साहित्य?' अरे, साहित्य तो बेचारा कब का अपना बोरिया-बिस्तर बांधकर, किसी अनजाने गाँव की कच्ची राह पर निकल चुका था, जहां मोबाइल नेटवर्क भी न पहुंच सके। यहाँ तो 'साहित्य निष्कासित कर दिया गया हो-सो हिंदी साहित्य संगम!' यह बहुव्रीहि समास का जीवंत उदाहरण था। कविराज दीनानाथ, जो अपनी कलम को अपनी साँसों से भी पवित्र मानते थे, अक्सर इस संगम के बाहर खड़े होकर एक लंबी आह भरते। उनकी कविताओं में जीवन की पीड़ा, समाज का यथार्थ और मनुष्य की आत्मा की अनकही कहानियां गूंजती थीं। पर इस संगम में, उनकी कविताओं के बोल, किसी सरकारी घोषणापत्र के सामने, मच्छर की भिनभिनाहट से भी कम सुनाई पड़ते थे। वे देखते कि कैसे साहित्य के नाम पर, साहित्यकारों का ही नहीं, बल्कि उस सरस्वती का भी अपमान हो रहा है, जिसकी वंदना करके सदियों से ये मंच पवित्र किए जाते थे। उनका हृदय इस विडंबना को देखकर रो उठता था, जैसे कोई बूढ़ा पिता अपने जवान बेटे को गलत राह पर जाते देख कराह उठे। ज्ञानपुर की गलियों में कविराज दीनानाथ के लिए सम्मान था, पर 'ज्ञानपुर साहित्य संगम' में वे बस एक 'फालतू' आदमी थे, जिसकी बात कोई सुनना नहीं चाहता। संगम में एक भव्य 'अभिनंदन समारोह' की घोषणा हुई। शहर में खबर फैलते ही, साहित्य प्रेमियों की आँखें चमक उठीं। "वाह! आखिर किसी सच्चे साहित्यकार को सम्मान मिलेगा!" कोई बोला। "कहीं कविराज दीनानाथ ही तो नहीं?" किसी के मुह से अनायास ही निकल गया। कल्पना कीजिए, एक साहित्यकार, जिसने अपनी पूरी उम्र, अपनी कलम के बल पर, फटेहाली और गुरबत में गुजारी हो, उसे इस उम्र में मान-सम्मान मिल जाए तो उसका हृदय कैसे प्रफुल्लित होगा? दीनानाथ जी के शिष्यों ने भी अपने गुरु की ओर आशा भरी नज़रों से देखा।

देश की बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

झरिया की जलती धरती : कोयले की आग में झुलसती जिंदगी और पर्यावरण

खूबसूरत राज्य झारखंड को प्रकृति ने बड़ी फुर्सत से गढ़ा है। यहां की हरियाली, पहाड़, झरने और नदियाँ किसी को भी आकर्षित कर सकती हैं। लेकिन यह राज्य केवल अपनी प्राकृतिक संपन्नता के लिए ही नहीं, देश की ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने वाले कोयला भंडारों के लिए भी प्रसिद्ध है। झारखंड में देश का लगभग 19 प्रतिशत कोयला है, और जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार यहां करीब 86 हजार मिलियन टन कोयले का भंडार मौजूद है, जो अगले 70 वर्षों तक देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है। सुनने में यह सब सुखद लगता है- लेकिन इस तस्वीर के पीछे एक धुएँ से ढँकी हुई, झुलसी और दरकी हुई सच्चाई है।

आपकी बात

मिथलेश दास

झरिया, जो धनबाद जिले का हिस्सा है, बीते 109 वर्षों से जल रहा है। 1916 में पहली बार भूमिगत आग की सूचना मिली थी, और तब से लेकर आज तक झरिया की धरती अंदर ही अंदर धधकती आ रही है। झरिया कोलफील्ड की शुरुआत निजी स्वामित्व वाली खदानों से हुई थी, जहाँ मुनाफा सर्वोपरि था और सुरक्षा, संरक्षण, या पर्यावरण की कोई परवाह नहीं की गई। अवैज्ञानिक और लापरवाह खनन ने आग को जन्म दिया और झरिया को एक पर्यावरणीय नरक में बदल दिया। आज झरिया के कई इलाके ऐसे हैं, जहाँ धुएं के गुबार और जहरीली हवा आम बात है। आग के कारण भूमि का क्षरण जारी है, ज़मीन धँसती जा रही है और घरों में दरारें पड़ती जा रही हैं। कभी-कभी अचानक भूधंसान से गोफ बनते हैं, जिनमें इंसान समा जाते हैं। यह सब इतना आम हो चला है कि लोग मौत को जीवन का हिस्सा मानकर जीने को विवश हैं। पूरे देश को ऊर्जा देने वाला झरिया, खुद अंधेरे और असुरक्षा में डूबा हुआ है। यहाँ के लोग रोज़ाना ज़मीन के नीचे की आग और ऊपर की विषैली हवा के बीच जीते हैं। लेकिन इसके बावजूद, कई लोग यह क्षेत्र छोड़कर जाना नहीं चाहते। एक वजह है- रोज़गार। झरिया न केवल एक खनन क्षेत्र है, बल्कि एक व्यावसायिक केंद्र भी है। यहां छोटे-बड़े कारोबारी, खोमचे वाले, मजदूर और दुकानदार अपनी आजीविका चलाते हैं। बेलगड़िया टाउनशिप में जिन लोगों को पुनर्वास के तहत घर मिले, वे कुछ समय बाद फिर से झरिया लौट आए, क्योंकि वहां रहने के लिए घर तो था, लेकिन रोज़गार और मूलभूत सुविधाएँ नहीं थीं। झरिया में भूमिगत आग से सबसे बड़ा असर पर्यावरण और मानवीय जीवन पर पड़ा है। आग से निकलती जहरीली गैसें जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड, न केवल हवा को जहरीला बना रही हैं, बल्कि सांस से जुड़ी गंभीर बीमारियाँ जैसे दमा, ब्रोंकाइटिस, फेफड़ों का कैंसर और त्वचा रोग यहाँ आम हो गए हैं। क्षेत्र में तापमान असमान्य रूप से बढ़ा है, मिट्टी बंजर हो चुकी है और भूमिगत जल का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। यह सब मिलकर झरिया को एक जीवित पर्यावरणीय आपदा क्षेत्र बना चुका है। लेकिन यह आग केवल कोयले और पर्यावरण तक सीमित नहीं, यह लोगों के जीवन में भी धधकती है। 24 मई 2017 को झरिया के इंदिरा चौक (फुलारीबाग) क्षेत्र में एक भयावह हादसा हुआ, जब एक गैराज मिस्त्री बबलू गद्दी और उनका 14 वर्षीय पुत्र रहीम अचानक जमीन धँसने से उसमें समा गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जमीन धंसते ही ज़ोरदार गैस रिसाव हुआ और अगल-बगल की ज़मीन भी अत्यंत गर्म हो गई। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस भयंकर स्थिति का संकेत है जिसमें झरिया के लोग हर दिन जी रहे हैं। वर्ष 2018 से आरएसपी कॉलेज, झरिया को भूमिगत आग के खतरे के कारण अस्थायी रूप से झरिया से स्थानांतरित कर बेलगड़िया टाउनशिप में संचालित किया जा रहा है। यह एक शिक्षण संस्थान के विस्थापन की दुर्लभ और चिंताजनक स्थिति है, जो बताता है कि झरिया की आग अब केवल घरों को ही नहीं, शिक्षा व्यवस्था को भी जला रही है। और इतना ही नहीं, 2020 में झरिया क्षेत्र के स्कूलों का बंद होना इन त्रासदियों का जीवंत प्रमाण है।

झरिया मास्टर प्लान, जिसे एशिया की सबसे बड़ी पुनर्वास योजना कहा जाता है, 2009 में प्रारंभ हुआ था और इसका लक्ष्य था कि 2021 तक झरिया के अग्निप्रभावित क्षेत्रों के सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया जाए। लेकिन आज भी पुनर्वास का कार्य अधूरा है। झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण के तहत अब तक केवल आंशिक सफलता मिली है। लगभग 32 हजार रैयत और एक लाख से अधिक गैर-रैयत, जो किसी न किसी रूप में झरिया की ज़मीन और अर्थव्यवस्था से जुड़े हैं, पुनर्वास के प्रति असमंजस में हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

राजनीति कुछ खास की, खास ढंग की नाव।
देश देश में बिक रही, लोकतंत्र के भाव।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

विश्व गुरु का संकल्प : आठ दिनों में पांच महादेशों को जोड़ता भारत

जब विश्व की निगाहें भारत पर टिकी हैं, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसी साहसिक और दूरदर्शी यात्रा पर निकले हैं, जो ग्लोबल साउथ में भारत की महत्त्वाकांक्षाओं को नया आयाम देगी और विश्व मंच पर भारत को एक सशक्त, अग्रणी शक्ति के रूप में स्थापित करेगी। यह आठ दिवसीय यात्रा—घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील, और नामीबिया—मात्र कूटनीति नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक समृद्धि, रणनीतिक कुशलता और वैश्विक नेतृत्व की प्रबल घोषणा है। ऐसे दौर में, जब वैश्विक भू-राजनीति अनिश्चितता के भंवर में उलझी है और अमेरिकी नीतियां नए वैश्विक समीकरण गढ़ रही हैं, यह यात्रा भारत को एक विश्वसनीय, प्रभावशाली और प्रेरक शक्ति के रूप में उभारती है। यह दौरा भारत के आर्थिक, सांस्कृतिक और रक्षा हितों को ग्लोबल साउथ के देशों के साथ जोड़ने का एक अभूतपूर्व प्रयास है, जो भारत की वैश्विक आवाज को और सशक्त करेगा। साथ ही, यह यात्रा भारत के 'विश्व गुरु' के दृष्टिकोण को मूर्त रूप देती है, जो समावेशी विकास और वैश्विक एकता के प्रति अटल प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

घाना में पहला पड़ाव भारत के लिए पश्चिमी अफ्रीका के साथ एक अभूतपूर्व साझेदारी का स्वर्णिम अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह ऐतिहासिक द्विपक्षीय यात्रा भारत-घाना संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। 2024-25 में भारत घाना का सबसे बड़ा निर्यातक देश रहा, जिसमें घाना से भारत के आयात का 70% से अधिक हिस्सा सोने का है। इसके साथ ही, भारत ने घाना में डिजिटल बुनियादी ढांचे और स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की है, जिसने घाना की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नया बल दिया है। रक्षा सहयोग के तहत भारत द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण और अत्याधुनिक उपकरण, साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में रणनीतिक निवेश, इस यात्रा को और भी महत्वपूर्ण बनाते हैं। यह दौरा अफ्रीकी महाद्वीप में भारत की मित्रता को एक नया आलोक प्रदान करेगा, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक, परिवर्तनकारी साझेदारी का मजबूत आधार रचेगा। 3-4 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो की धरती पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय मूल की 40-45% आबादी के साथ सांस्कृतिक और ऐतिहासिक बंधनों का एक सशक्त, आत्मीय और प्रेरक उत्सव रचेंगे। 1999 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा, भारतीय प्रवासियों की 180 वर्षों की गौरवमयी विरासत को एक नया आलोक प्रदान करती है। 2024-25 में दोनों देशों के बीच 341.61 मिलियन डॉलर का व्यापार इस रिश्ते की जीवंतता और गहराई को रंगीन कैनवास पर उकेरता है। भारत ने त्रिनिदाद और टोबैगो को नवीकरणीय ऊर्जा और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग दिया है, जिसमें सौर ऊर्जा की क्रांतिकारी परियोजनाएं और डिजिटल शिक्षा की नवोन्मेषी पहल शामिल हैं। संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए और राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू व प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के साथ विचार-विमर्श में, पीएम मोदी कैरेबियाई क्षेत्र में भारत की प्रभावशाली उपस्थिति को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। यह दौरा सांस्कृतिक एकता, व्यापारिक गतिशीलता और तकनीकी सहयोग का एक अनुपम समन्वय प्रस्तुत करता है, जो भारत के सॉफ्ट पावर को वैश्विक मंच पर एक चमकते सितारे की तरह देदीप्यमान बनाएगा।

अलग बात

प्रो. आरके जैन

4-5 जुलाई को अर्जेंटीना की धरती पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के साथ रक्षा, कृषि, खनन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को एक नई, गतिशील दिशा देंगे। 57 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा, लिथियम जैसे रणनीतिक खनिजों में साझेदारी को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाएगी। लिथियम, भारत की इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति और हरित ऊर्जा के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों का आधार है, और अर्जेंटीना विश्व के सबसे विशाल लिथियम भंडारों का धनी है। 2024-25 में दोनों देशों के बीच व्यापार, जो सोयाबीन और सूरजमुखी तेल पर केंद्रित है, 2.5 बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है, जो भारत को दक्षिण अमेरिका में एक प्रमुख व्यापारिक शक्ति के रूप में स्थापित करता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

भारत में बैन हुए 18 हजार पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट

एजेंसी। नई दिल्ली

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत में सभी पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। कुछ समय पहले इन अकाउंट्स से बैन हटाया गया, जिससे देश की जनता में नाराजगी देखने को मिली। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने भी इस फैसले की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा था। अब एक बार फिर पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भारत में बैन लगा दिया गया है। इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर प्रतिक्रियाओं का सिलसिला जारी है। रिपोर्ट्स के अनुसार भारत सरकार ने एक आपातकालीन समीक्षा बैठक के बाद एक बार फिर कड़ा

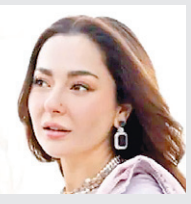

कदम उठाते हुए 18 हजार से अधिक पाकिस्तानी सोशल मीडिया अकाउंट्स को भारत में बैन कर दिया है। हाल ही में मावरा होकेन, हानिया आमिर और फवाद खान जैसे कई पाकिस्तानी कलाकारों और क्रिकेटरों के सोशल मीडिया प्रोफाइल भारतीय यूजर्स को दिखाई दे रहे थे, लेकिन अब सरकार की नई कार्रवाई के तहत इन सभी के इंस्टाग्राम अकाउंट्स को भारत में दोबारा ब्लॉक कर दिया गया है।

आतंकी हमले के बाद कड़ा फैसला आया

जब कोई भारतीय यूजर पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट को खोलने की कोशिश करता है, तो स्क्रीन पर यह संदेश दिखाई देता है, "यह अकाउंट भारत में उपलब्ध नहीं है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमने कानूनी अनुरोध का पालन करते हुए इस कंटेंट को ब्लॉक किया है।" गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव काफी बढ़ गया है। इस राजनीतिक और कूटनीतिक टकराव का असर अब सीधे मनोरंजन जगत पर भी पड़ रहा है।

'आतंकवादियों का सफाया करने में कोई हिचकिचाहट नहीं, चाहे वे कहीं भी हों'

राजनाथ की पाकिस्तान को चेतावनी

नई दिल्ली। एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में अमेरिका के समर्थन के लिए अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ के प्रति आभार व्यक्त किया। टेलीफोन पर हुई बातचीत में, उन्होंने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को और गहरा करने के लिए चल रही और नई पहलों की समीक्षा करने के लिए एक उत्कृष्ट चर्चा की। रक्षा मंत्री ने हेगसेथ को बताया कि सीमा पार आतंकवाद का पाकिस्तान का लंबा रिकॉर्ड विश्व स्तर पर सर्वविदित है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित आतंकवादियों के लिए पनाहगाह बन गया है। इससे पहले राजनाथ सिंह ने अपनी बिहार रैली के दौरान पाकिस्तान को बिना नाम लिए कड़ी चेतानवी दी है।

आतंकवादियों का सफाया करने में संकोच नहीं : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार आतंकवादियों का सफाया करने में संकोच नहीं करेगी, चाहे वे कहीं भी हों, तथा सरगना और उन्हें प्रायोजित करने वाली सरकारों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा। सिंह ने बिहार में भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) की राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए, पड़ोसी देश का नाम लिए बिना पाकिस्तान को यह कड़ा संदेश दिया। देश की सुरक्षा नीति में नया बदलाव के नेतृत्व में, 'सर्जिकल स्ट्राइक' और बालाकोट हवाई हमले जैसे कदमों के साथ देश की

सुरक्षा नीति में नया बदलाव आया है। रक्षा मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद चलाए गए सैन्य अभियान का जिक्र करते हुए कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के तहत पहली बार हमने अपनी सीमा से 100 किलोमीटर दूर स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला किया। बेशक, हमने केवल उन लोगों पर हमला किया, जिन्होंने हम पर हमला किया था। यही कारण है कि किसी भी नागरिक या सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया।

मोदी सरकार दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ काम करती है

उन्होंने कहा, "मोदी के नेतृत्व में, हमारी नीति आतंकवादियों को खत्म करने में संकोच न करने की रही है, चाहे वे कहीं भी हों। और हम यह आतंकवादी हमलों के सरगना और उन्हें प्रायोजित करने वाली सरकारों के बीच कोई भेद किए बिना करेंगे।" सिंह ने कहा कि मोदी के "स्वदेशीकरण" और "आत्मनिर्भर भारत" पर जोर देने के कारण देश के रक्षा निर्यात में तेज वृद्धि देखी गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "मोदी सरकार दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ काम करती है, जो पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत सरकारों से बिल्कुल अलग है, जिनमें दिशाहीनता थी और जो वोट बैंक की चिंता से प्रेरित थीं।" सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की टिप्पणी पर उठे विवाद का भी परोक्ष संदर्भ दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि संविधान की प्रस्तावना से 'पंथनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्दों को हटा दिया जाना चाहिए, क्योंकि इन्हें आपातकाल के दौरान जोड़ा गया था।

भारत ने हमेशा सभी धर्मों से सम्मान के साथ व्यवहार करने में विश्वास किया

भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि पार्टी (भाजपा) पूरी दुनिया में एकमात्र राजनीतिक संगठन है जिसने पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई और सत्ता में आने पर नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के रूप में एक ठोस कदम उठाया। उन्होंने कहा, "भारत ने हमेशा सभी धर्मों से सम्मान के साथ व्यवहार करने में विश्वास किया है। पारसियों को खुले दिल से स्वीकार किया गया। केरल में, दुनिया के सबसे पुराने गिरजाघरों में शामिल गिरजाघर भी है। हमारा एकमात्र ऐसा देश है जहां इस्लाम के सभी 72 फिरकों (पंथों) को मान्यता दी गई है। सिंह ने कहा कि इसके विपरीत, पाकिस्तान में अहमदिया मुसलमानों को भी उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

संविधान में पंथनिरपेक्ष शब्द : उन्होंने कहा, "मैं फर्जी धर्मनिरपेक्षतावादियों से पूछना चाहता हूं कि देश के संविधान में पंथनिरपेक्ष शब्द जुड़ने के बाद जम्मू कश्मीर के अलग संविधान में इसे क्यों नहीं जोड़ा गया? क्या उस राज्य को पंथनिरपेक्ष नहीं होना चाहिए था, जहां अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे थे?

बिहार में अब घर बैठे ऑनलाइन बनेगा राशन कार्ड

पटना । बिहार के निवासी अब घर बैठे ही राशन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। राज्य सरकार ने प्रक्रिया को आसान बनाने और सरकारी कार्यालयों में भीड़ को कम करने के लिए एक नई ऑनलाइन आवेदन सुविधा शुरू की है। इस पहल से बुजुर्गों और महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिन्हें अक्सर ऐसी सेवाओं तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आवेदक rconline.bihar.gov.in पर जाकर 'मेरी पहचान' के तहत नए उपयोगकर्ता के रूप में साइन अप करके प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं।

पंजीकरण ओटीपी सत्यापन के माध्यम से पूरा होता है, जिसके बाद आवेदन पत्र को परिवार के विवरण और अपलोड किए गए दस्तावेजों के साथ भरा जा सकता है। आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, बैंक पासबुक, निवास प्रमाण पत्र, पारिवारिक फोटो (JPG या JPEG प्रारूप), आवेदक का हस्ताक्षर फोटो और, यदि लागू हो, तो विकलांगता, आय या जाति प्रमाण पत्र की स्व-सत्यापित फोटोकॉपी शामिल हैं। आवेदन जमा करने के बाद, आवेदन की स्थिति को ट्रैक करने के लिए एसएमएस के माध्यम से एक संदर्भ संख्या भेजी जाती है। 'वन नेशन वन राशन कार्ड' योजना के तहत, धारक बिहार या अन्य राज्यों के किसी भी राशन की दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं।

केजरीवाल ने किया साफ, बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी आप

बोले- इंडिया ब्लॉक केवल लोकसभा चुनावों के लिए था

एजेंसी । गांधीनगर

- **बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव की उम्मीद है**
- **चुनाव आयोग ने अभी तक चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं की है**
- **बिहार विधानसभा में कुल 243 सीटों के लिए चुनाव होंगे**

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम बिहार में कांग्रेस या इंडिया ब्लॉक सहयोगियों के समर्थन के बिना ही चुनाव में उतरेंगे। केजरीवाल ने कहा कि इंडिया ब्लॉक केवल लोकसभा चुनावों के लिए था। अब कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं है। अगर गठबंधन था तो कांग्रेस ने विसावदर उपचुनाव क्यों लड़ा। वे हमें हराने आए थे। भाजपा ने हमें हराने और वोट काटने के लिए कांग्रेस को भेजा था। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। हालांकि, चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि बिहार में सभी 243 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव अक्टूबर या नवंबर 2025 में होने हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुए थे। चुनाव के बाद, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने राज्य सरकार बनाई, जिसमें नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। बाद में, अगस्त 2022 में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) ने एनडीए से नाता तोड़ लिया और आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन के साथ सरकार बना ली। फिर, जनवरी 2024 में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) ने आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन से नाता तोड़ लिया और फिर से बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ सरकार बना ली। इससे पहले गुजरात में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य विपक्षी कांग्रेस पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को भरोसा जताया कि लोग 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को सत्ता में लाएंगे। हाल में राज्य में विसावदर विधानसभा उपचुनाव में आप नेता गोपाल इटालिया की जीत से उत्साहित दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि अतीत के विपरीत, लोगों के पास आम आदमी पार्टी के रूप में एक विकल्प है। वह गुजरात में अपनी पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत करने के बाद यहां बोल रहे थे।

पांच अवैध मजारों पर चला बुलडोजर अब तक 537 अवैध मजारें हुई ध्वस्त

उधमसिंहनगर/काशीपुर (हि.स.)

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सरकारी भूमि पर धार्मिक अतिक्रमण के खिलाफ प्रदेशभर में चल रहे अभियान के तहत काशीपुर के कुंडेश्वरी क्षेत्र में प्रशासन ने पांच अवैध मजारों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई एसडीएम अभय प्रताप सिंह के नेतृत्व में गुरुवार सुबह की गई। बताया गया कि जिन मजारों को हटाया गया, वे सरकारी आमबाग भूमि पर बनी थीं।

प्रशासन की ओर से पहले नोटिस जारी कर वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने का मौका दिया गया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा में कोई वैध दस्तावेज नहीं पेश किए गए।

दिल्ली में पुरानी गाड़ियों को ईंधन देने पर प्रतिबंध

पेट्रोल पंप मालिकों की याचिका पर हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली (आईएएनएस)

दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए 1 जुलाई से पुरानी गाड़ियों (15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल/सीएनजी और 10 साल से अधिक पुरानी डीजल गाड़ियों) को ईंधन देने पर प्रतिबंध लागू किया गया है। इस नीति के तहत पेट्रोल पंप मालिकों पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 192 के तहत कार्रवाई का प्रावधान है, जिसके खिलाफ दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से इस पर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। एसोसिएशन के वकील आनंद वर्मा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि पेट्रोल पंप मालिक इस नीति का समर्थन करते हैं, लेकिन धारा 192 के तहत उन पर कार्रवाई को गलत मानते हैं। यह धारा बिना रजिस्ट्रेशन के गाड़ी चलाने वाले मालिकों और चालकों पर लागू होती है। उन्होंने कहा, "पेट्रोल पंप मालिकों का काम बीपीसीएल, एचपीसीएल जैसी तेल कंपनियों के साथ लाइसेंस समझौते के तहत ईंधन बेचना है। हम आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत काम करते हैं।

अगर कोई ग्राहक जबरदस्ती ईंधन मांगे, कैमरे काम न करें, या सिस्टम में खराबी हो, तो ऐसी परिस्थितियां हमारे नियंत्रण से बाहर हैं। ऐसी स्थिति में हम पर जुर्माना या कानूनी कार्रवाई ठीक नहीं है। दिल्ली सरकार के आदेश के मुताबिक, पेट्रोल पंपों को पुरानी गाड़ियों को ईंधन देने से रोकना है। इसके लिए 350 से अधिक पेट्रोल पंपों पर स्वचालित नंबर प्लेट रीडर (एएनपीआर) कैमरे लगाए गए हैं। उल्लंघन करने पर पहली बार 5,000 रुपये का जुर्माना और दूसरी बार एक साल तक की जेल या 10,000 रुपये का जुर्माना हो सकता है। पेट्रोल पंप मालिकों का कहना है कि उनके पास इस नीति को लागू करने के लिए न तो कानूनी अधिकार है और न ही पर्याप्त संसाधन। वर्मा ने तर्क दिया कि दिल्ली में 61 लाख से अधिक वाहन हैं, लेकिन पिछले दो-तीन साल में ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग ने 1 फीसद से भी कम पुरानी गाड़ियों को जब्त किया है।

सीबीआई की कार्रवाई

6 राज्यों में 40 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी, 6 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (आईएएनएस)

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक बड़े मामले में छह राज्यों में बड़ी कार्रवाई की है। कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और मध्य प्रदेश में 40 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की गई है। इस दौरान तीन डॉक्टरों सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिन पर रिश्वत लेकर मेडिकल कॉलेजों को अनुकूल निरीक्षण रिपोर्ट देने का आरोप है।

सीबीआई ने यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित श्री रावतपुरा सरकार आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान के अधिकारियों और बिचौलियों के खिलाफ की। आरोप है कि इन लोगों ने मेडिकल कॉलेजों की मान्यता के लिए होने वाले वैधानिक निरीक्षण में हेरफेर किया। निरीक्षण करने वाले डॉक्टरों ने कथित तौर पर रिश्वत लेकर अनुकूल रिपोर्ट दी। सीबीआई को सूचना मिली थी कि संस्थान के पदाधिकारी निरीक्षकों को प्रभावित कर रहे थे। इसके आधार पर सीबीआई ने जाल बिछाया और 55 लाख रुपये की रिश्वत के लेन-देन के दौरान छह लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। मध्य प्रदेश के इंदौर में इंडेक्स कॉलेज के प्रबंधक के ठिकानों पर भी छापेमारी हुई। यह कार्रवाई सुबह 3 बजे शुरू हुई और 8 बजे तक चली।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें ।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे।

आजम खान को जेल के लिए सपा भी जिम्मेदार, मुसलमान बेसहारा : तौकीर

बरेली (आईएएनएस)

मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना तौकीर रजा ने समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि आजम खान को जेल में रखने के लिए सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि खुद अखिलेश यादव भी बराबर के जिम्मेदार हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में तौकीर रजा ने कहा कि जब आजम खान पहली बार जेल गए थे, तब सपा ने कोई प्रदर्शन नहीं किया, कोई आंदोलन नहीं किया।

अगर अखिलेश यादव चाहते तो आजम खान के लिए बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन उन्होंने सरकार से समझौता कर लिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हर मुसलमान को अल्लाह पर भरोसा है, लेकिन आजम खान ने सपा पर भरोसा किया और इसी कारण आज वो जेल की सजा भुगत रहे हैं।

बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण से वंचित होंगे करोड़ों वोटर,

नई दिल्ली । बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के पुनरीक्षण के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इतने कम समय में 8 करोड़ मतदाताओं का पुनरीक्षण असंभव है। राजेश राम ने कहा कि आज से 22 साल पहले जब मतदाता सूची का कंप्यूटरीकरण हुआ था, तब से अब तक इतना गहन परीक्षण कभी नहीं हुआ।

सिद्धारमैया को क्यों मिल रहा कांग्रेस का साथ

कर्नाटक । एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वह पूरे पांच साल तक पद पर बने रहेंगे। उन्होंने कांग्रेस शासित राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर विराम लगा दिया। पत्रकारों द्वारा पूछे गए इस सवाल के जवाब में कि क्या वह पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे, वरिष्ठ नेता ने कहा कि हां, मैं कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनूंगा। आपको इसमें संदेह क्यों है? इससे पहले सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए कांग्रेस ने कहा कि पार्टी फिलहाल सिद्धारमैया को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से हटाने की योजना नहीं बना रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि हम कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन पर कोई राय नहीं ले रहे हैं। सिद्धारमैया के डिप्टी डीके शिवकुमार ने जवाब देते हुए कहा कि उनके पास सीएम सिद्धारमैया का समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। शिवकुमार ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि मेरे पास क्या विकल्प है? मुझे उनके साथ खड़ा होना है और उनका समर्थन करना है। मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है। पार्टी आलाकमान जो भी कहेगा और जो भी फैसला करेगा, उसे पूरा किया जाएगा...मैं अभी इस पर कोई चर्चा नहीं करना चाहता। लाखों कार्यकर्ता इस पार्टी का समर्थन कर रहे हैं।

बढ़ी परेशानी मुनकटिया स्लाइडिंग जोन में भूस्खलन के चलते बंद हुआ रास्ता

भारी बारिश से केदारनाथ की यात्रा रही बाधित

- **सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम यात्रा को फिलहाल अस्थाई रूप से रोका गया**

रुद्रप्रयाग (आईएएनएस)

उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते बड़े पैमाने पर मलबा और पत्थर गिरने से केदारनाथ यात्रा एक बार फिर बाधित हो गई है। सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम यात्रा को फिलहाल अस्थाई रूप से रोक दिया है। रुद्रप्रयाग के मुनकटिया स्लाइडिंग जोन में भूस्खलन के बाद पहाड़ से मलबा और पत्थर पूरी सड़क पर आ गया। एहतियातन प्रशासन ने यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया। तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया गया, जो रास्ता खुलने का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच केदारनाथ धाम से लौट रहे लगभग 40 श्रद्धालुओं को एसडीआरएफ ने सोनप्रयाग भूस्खलन क्षेत्र के पास से सुरक्षित रेस्क्यू किया। ये श्रद्धालु रात में अचानक हुए भूस्खलन के कारण रास्ते में फंस गए थे। भूस्खलन सोनप्रयाग के पास हुआ, जो केदारनाथ यात्रा मार्ग का एक अहम पड़ाव है। एसडीआरएफ की टीमों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अंधेरे में ही जोखिम भरा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

वीडियो फुटेज में एसडीआरएफ टीम को खतरनाक परिस्थितियों में मलबे के बीच से रास्ता बनाकर श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकालते हुए देखा गया। बाद में इन यात्रियों को सुरक्षित रूप से सोनप्रयाग ले जाया गया।

उत्तराखंड के दूसरे इलाकों में भी बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। चमोली पुलिस के अनुसार, बदरीनाथ हाईकोर्ट उमट्टा में बद्रीश होटल के पास भूस्खलन के चलते बंद हो गया। इसी तरह यमुनोत्री हाईवे भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है, जहां सड़क का हिस्सा भारी बारिश के कारण बह गया। इस मौसम में बिजली और जल आपूर्ति जैसी जरूरी सुविधाएं भी प्रभावित हुई हैं।

केदारनाथ लौटते श्रद्धालु स्लाइड जोन में फंसे

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ धाम से लौट रहे 40 श्रद्धालु सोनप्रयाग स्लाइड जोन में फंस गए, जिन्हें अब रेस्क्यू कर लिया गया है। दरअसल, भारी बारिश के चलते सोनप्रयाग के पास स्थित स्लाइड जोन में अचानक भूस्खलन (लैंडस्लाइड) हो गया, जिससे केदारनाथ धाम से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालु फंस गए।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर तैनात राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के जवान तुरंत हरकत में आए।

रूस से तेल खरीदने वालों पर भारी टैक्स लगाने की तैयारी में है यूएस

इसका भी इलाज ढूंढ़ लेंगे : जयशंकर

ब्यूरो

नई दिल्ली । विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की वाशिंगटन में हुई प्रेस वार्ता ने भारत-अमेरिका संबंधों की परिपक्वता, वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका और समसामयिक अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। इस प्रेस वार्ता में उन्होंने भारत की विदेश नीति की प्राथमिकताओं, सामरिक संतुलन, व्यापारिक संबंधों और ग्लोबल साउथ के साथ भारत की प्रतिबद्धता को मजबूती से रेखांकित किया साथ ही यह भी बताया कि रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका जो भारी भरकम टैक्स लगाने की तैयारी में है उसको लेकर भारत का रुख क्या है। प्रेस वार्ता के दौरान जयशंकर ने भारत पाकिस्तान, भारत चीन संबंधों और राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से युद्धविराम कराने के बार-बार किये जा रहे दावे के संबंध में भी सवालों के जवाब दिये।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध केवल रणनीतिक साझेदारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह तकनीकी सहयोग, रक्षा विनिर्माण, शिक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और वैश्विक शासन संरचनाओं में सुधार जैसे विविध क्षेत्रों में विस्तार पा चुके हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच साझा मूल्य और पारस्परिक सम्मान इस रिश्ते की आधारशिला हैं।

रूस से भारत का कच्चा तेल आयात 10 महीने में सबसे ऊंचे स्तर पर

जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत अमेरिकी कांग्रेस में हो रहे ऐसे किसी भी घटनाक्रम पर नजर रखता है जो भारत को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक और सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा विषय है। हम आपको याद दिला दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद, जब पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे तो रूस ने भारत और चीन जैसे देशों को डिस्काउंट रेट पर कच्चा तेल देना शुरू किया था। इस अवसर का उपयोग करते हुए भारत ने मई 2025 में प्रतिदिन 1.96 मिलियन बैरल तेल रूस से आयात किया।

प्रेस वार्ता में एक प्रमुख बिंदु यह रहा कि भारत साउथ के हितों की प्रभावी ढंग से वकालत कर रहा है। जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि उन विकासशील देशों के लिए भी बोल रहा है जिन्हें अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनदेखा कर दिया जाता है। भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान साउथ के मुद्दों को प्राथमिकता देना इसी नीति का प्रमाण है। चीन के संदर्भ में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में जयशंकर ने संयमित लेकिन स्पष्ट रवैया अपनाया। उन्होंने कहा कि भारत क्षेत्रीय स्थायित्व का पक्षधर है और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्रता और कानून आधारित व्यवस्था बनाए रखने के लिए अमेरिका और अन्य समान विचारधारा वाले देशों के साथ सहयोग करता रहेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखेगा। रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में जयशंकर ने दोहराया कि भारत युद्ध का पक्ष नहीं लेता बल्कि शांति और संवाद के माध्यम से समाधान चाहता है। उन्होंने बताया कि भारत ने मानवीय सहायता के रूप में यूक्रेन को कई सहायता पैकेज भेजे हैं और युद्ध की विभीषिका से प्रभावित देशों की सहायता के लिए तत्पर है।

जयशंकर ने प्रेस वार्ता में बार-बार इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत की विदेश नीति 'भारत पहले' (India First) के सिद्धांत पर आधारित है। भारत किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनता बल्कि मुद्दा आधारित साझेदारी में विश्वास रखता है। यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार निर्णय लेता है, न कि किसी दबाव में। इसके अलावा जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत ने अमेरिका के रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के साथ अपनी ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताओं को साझा कर दिया है। हम आपको बता दें कि ग्राहम ही उस विधेयक को लाये हैं जिसमें रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों— विशेषकर भारत और चीन पर 500% तक आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। जयशंकर ने कहा, "हमने अपनी चिंताएं और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े हित उनके समक्ष रखे हैं। यदि यह स्थिति आती है, तो हम उसका समाधान ढूंढ़ने का प्रयास करेंगे।" हम आपको बता दें कि इस विधेयक को ट्रंप प्रशासन का भी समर्थन प्राप्त है। यह विधेयक यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर दबाव बनाने के लिए लाया गया है।

क्या दलाई लामा का उत्तराधिकारी किसी अपने को बनवाएगा चीन?

ब्यूरो

- अपनी पुस्तक वॉयस फॉर द वॉयसलेस में दलाई लामा ने कहा है कि उनका उत्तराधिकारी चीन के बाहर पैदा होगा
- चीन ने 2007 में आदेश दिया कि कोई भी समूह या व्यक्ति आत्मा की खोज व पहचान से संबंधित गतिविधियां नहीं कर सकता है, दलाई लामा का चयन करने के लिए गोल्डन अर्न विधि नामक लॉटरी की व्यवस्था की गई

नई दिल्ली। बौद्ध धर्म गुरु 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो 6 जुलाई को 90 वर्ष के हो जाएंगे। दलाई लामा अपने पुनर्जन्म पर एक बयान देंगे। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के कैबिनेट के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर समधोंग रिनपोछे और सीटीए के सिक्योंग या राजनीतिक नेता पेनपा त्सेरिंग उनका संदेश पढ़ेंगे। दलाई लामा का जन्म 6 जुलाई, 1935 को उत्तर-पूर्वी तिब्बत (अब चीन के किंघाई प्रांत) के तक्सेर नामक गांव में हुआ था। 2 वर्ष की आयु में उन्हें 13वें दलाई लामा थुबतेन ग्यात्सो के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया था। चीन में कम्युनिस्टों के सत्ता में आने के एक साल बाद पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने तिब्बत पर आक्रमण किया। 1951 में तिब्बत पर चीन ने कब्जा कर लिया और मार्च 1959 में तिब्बती राष्ट्रीय विद्रोह को चीनी सैनिकों ने कुचल दिया।मार्च 1959 में दलाई लामा अपने अनुयायियों के एक समूह के साथ ल्हासा से भाग निकले और अरुणाचल प्रदेश के खेंजीमाने में भारत में प्रवेश किया। 1960 में जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने उन्हें धर्मशाला के मैकलोडगंज में बसाया, जहां निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना की गई। 14 मार्च 2011 को दलाई लामा ने तिब्बती पीपुल्स डेप्युटीज की असेंबली को पत्र लिखा, जिसे निर्वासित तिब्बती संसद के रूप में जाना जाता है। निर्वासन में रह रहे तिब्बतियों के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेता को राजनीतिक सत्ता का औपचारिक हस्तांतरण उस वर्ष 29 मई को हुआ, जिससे 368 साल पुरानी परंपरा समाप्त हो गई। इस दौरान दलाई लामा तिब्बतियों के आध्यात्मिक और राजनीतिक दोनों प्रमुख थे।दलाई लामा (जिसका शाब्दिक अर्थ है 'ज्ञान का सागर, अवलोकितेश्वर या चेनरेज़िग) और इन्हें तिब्बत के संरक्षक संत का अवतार माना जाता है। बोधिसत्व वे व्यक्ति हैं जो बुद्ध बनने के मार्ग पर हैं, लेकिन जो स्वयं निर्वाण में प्रवेश करने से पहले अन्य संवेदनशील प्राणियों की मुक्ति को प्राथमिकता देते हैं।दलाई लामा की संस्था तिब्बती बौद्ध धर्म में तुल्कु अवधारणा का हिस्सा है, जिसमें आध्यात्मिक गुरुओं को उनकी मृत्यु के बाद पुनर्जन्म दिया जाता है। ऐसा इसलिए ताकि उनकी शिक्षाओं को संरक्षित किया जा सके और आगे बढ़ाया जा सके। पहले दलाई लामा गेदुन द्रुपा का जन्म 1391 में हुआ था। वंश के पांचवें लोबसंग ग्यात्सो (1617-82) से शुरू होकर, दलाई लामा तिब्बती बौद्धों के आध्यात्मिक और राजनीतिक नेता दोनों बन गए। वर्तमान दलाई लामा को 1939 में एक खोज दल द्वारा खोजा गया था। 13वें दलाई लामा थुप्टेन ग्यात्सो के 1933 में निधन के छह साल बाद उन्हें खोजा गया। पुनर्जन्म को कई संकेतों से पहचाना गया, जिसमें एक वरिष्ठ भिक्षु को दिखाई गई दृष्टि भी शामिल थी।

1940 में छोटे बालक को ल्हासा के पोताला पैलेस में ले जाया गया और आधिकारिक रूप से सिंहासन पर बैठाया गया। 1969 से ही दलाई लामा कहते रहे हैं कि उनके पुनर्जन्म को मान्यता दी जाए या नहीं, यह तिब्बती लोगों, मंगोलों और हिमालयी क्षेत्र के लोगों को तय करना है। 24 सितंबर 2011 को जारी एक बयान में उन्होंने कहा, "जब मैं लगभग 90 साल का हो जाऊंगा तो मैं तिब्बती बौद्ध परंपराओं के उच्च लामाओं, तिब्बती जनता और तिब्बती बौद्ध धर्म का पालन करने वाले अन्य संबंधित लोगों से सलाह लूंगा और इस बात का पुनर्मूल्यांकन करूंगा कि दलाई लामा की संस्था को जारी रखना चाहिए या नहीं। उसके आधार पर हम कोई फैसला लेंगे।" इस बयान की वजह से ही दलाई लामा का आने वाला जन्मदिन 6 जुलाई को महत्वपूर्ण हो गया है, जब वे 90 साल के हो जाएंगे। बयान में कहा गया है कि यदि यह तय किया जाता है कि दलाई लामा का पुनर्जन्म जारी रहना चाहिए और 15वें दलाई लामा को मान्यता दिए जाने की ज़रूरत है, तो ऐसा करने की ज़िम्मेदारी मुख्य रूप से दलाई लामा के गादेन फोडरंग ट्रस्ट के संबंधित अधिकारियों पर होगी।बीते सोमवार को दलाई लामा ने कहा, "कुछ ऐसा ढांचा होगा जिसके भीतर हम दलाई लामाओं की संस्था को जारी रखने के बारे में बात कर सकते हैं।" उधर चीन है कि 14वें दलाई लामा को विभाजनकारी, देशद्रोही और निर्वासित के रूप में निंदा करता है, जिसे तिब्बती लोगों का प्रतिनिधित्व करने का कोई अधिकार नहीं है।लेकिन अपने 2011 के बयान में दलाई लामा ने कहा था कि उनका पुनर्जन्म एक स्वतंत्र देश में होना चाहिए, न कि चीनी नियंत्रण में। उन्होंने यह भी कहा कि चीनी सरकार द्वारा राजनीतिक उद्देश्यों के लिए चुने गए पुनर्जन्म को कोई मान्यता नहीं दी जानी चाहिए। इस मार्च में प्रकाशित अपनी पुस्तक वॉयस फॉर द वॉयसलेस में दलाई लामा ने कहा कि उनका उत्तराधिकारी चीन के बाहर पैदा होगा। तिब्बतियों में यह डर है कि जैसे-जैसे दलाई लामा बड़े होते जाएंगे, चीन अपनी पसंद के उत्तराधिकारी की घोषणा कर सकता है, और इसका इस्तेमाल तिब्बती बौद्ध धर्म और संस्कृति पर अपना नियंत्रण मजबूत करने के लिए कर सकता है। उधर 2004 में चीनी सरकार ने दलाई लामा के चयन की प्रक्रिया निर्धारित करने वाले धार्मिक मामलों के नियमों को समाप्त कर दिया। चीन ने 2007 में आदेश दिया कि कोई भी समूह या व्यक्ति आत्मा की खोज और पहचान से संबंधित गतिविधियां नहीं कर सकता है। दलाई लामा का चयन करने के लिए गोल्डन अर्न विधि नामक लॉटरी की व्यवस्था की गई। 2015 में तिब्बती जातीयता के एक सेवानिवृत्त चीनी राजनीतिज्ञ और तिब्बत की पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति के अध्यक्ष पद्मा चोलिंग ने दलाई लामा के इस आग्रह पर आपत्ति जताई कि किसी भी सरकार को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए अगले दलाई लामा को चुनने का अधिकार नहीं है।

'लापरवाही से गाड़ी चलाने वाले की मौत पर मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं बीमा कंपनी'

ब्यूरो

नई दिल्ली। यदि आप अपना इंश्योरेंस कराए हैं , लेकिन कोई वाहन लापरवाही या स्टंटबाजी करते हुए चला रहे हैं , ग़लत साइट से चला रहे हैं , उस दौरान दुर्घटना हुई और आप दिवंगत हो गये तो इंश्योरेंस कंपनियां आपके परिवार को मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं हैं। सर्वोच्च न्यायालय की जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा व आर. महादेवन की बेंच ने एक मामले में यह फैसला सुनाया। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यदि कोई ड्राइवर खुद की गलती से मर जाता है, तो इंश्योरेंस कंपनियां उसके परिवार को मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं हैं। इस बेंच ने एक ऐसे व्यक्ति के परिवार को राहत देने से मना कर दिया जिसकी मौत तेज गति से गाड़ी चलाने के दौरान हुई थी। गाड़ी चलाते समय उसने लापरवाही बरती थी, जिसके कारण गाड़ी पलट गई थी। मृतक के परिवार ने इंश्योरेंस कंपनी यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस से 80 लाख रुपये मुआवजे की मांग की थी। बेंच ने याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की मौत उसकी अपनी गलती से होती है, तो उसके परिवार वाले इंश्योरेंस का पैसा नहीं मांग सकते।सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाई कोर्ट के पिछले साल 23 नवंबर के फैसले को सही ठहराया। कर्नाटक हाई कोर्ट ने भी मुआवजे की मांग को खारिज कर दिया था। 18 जून 2014 को एन.एस. रविशा नाम का एक व्यक्ति अपनी फिएट लीनिया कार चला रहा था। उसके साथ उसके पिता, बहन और उसके बच्चे भी थे। रविशा तेज गति से गाड़ी चला रहा था और उसने ट्रैफिक नियमों को तोड़ा। उसने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया और कार सड़क पर पलट गई। रविशा को इस हादसे में गंभीर चोट लगा और उसकी मौत हो गई। उसकी पत्नी, बेटे व माता-पिता ने 80 लाख रुपये मुआवजे की मांग की। उन्होंने कहा कि रविशा एक सफल ठेकेदार था और वह हर महीने 3 लाख रुपये कमाता था। पुलिस ने चार्जशीट में कहा कि यह दुर्घटना रविशा की लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई। मोटर एक्सीडेंट ट्रिब्यूनल ने परिवार के मुआवजे के दावे को खारिज कर दिया। कर्नाटक हाई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। रविशा के परिवार ने कहा कि दुर्घटना टायर फटने के कारण हुई। लेकिन हाईकोर्ट ने इस दावे को खारिज कर दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि जब मृतक के कानूनी प्रतिनिधि दावा करते हैं, तो उन्हें यह साबित करना होगा कि मृतक खुद अपनी लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण दुर्घटना के लिए जिम्मेदार नहीं था। उन्हें यह भी साबित करना होगा कि मृतक पॉलिसी के अंतर्गत आता है, ताकि बीमा कंपनी कानूनी उत्तराधिकारियों को भुगतान करने के लिए उत्तरदायी हो। कोर्ट ने आगे कहा, "इस मामले में, यह माना गया है कि दुर्घटना मृतक की लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई। वह खुद ही अपनी मौत का कारण बना। इसलिए, कानूनी उत्तराधिकारी उसकी मौत के लिए कोई मुआवजा नहीं मांग सकते।

बिहार में वोटर लिस्ट के सत्यापन के तरीके से भाजपा के सहयोगी दल भी नाराज

ब्यूरो

- कहने लगे- ये गरीबों, दलितों, आदिवासियों व ओबीसी समुदाय को वोट डालने से वंचित करने की साजिश
- मतदाता सूची का सत्यापन 25 जून को शुरु हुआ , 25 जुलाई तक पूरा किया जाना है, हर हालत में मात्र एक माह में

नई दिल्ली। बिहार में 21 अक्टूबर से 20 नवम्बर तक 6 चरणों में चुनाव और 24 नवंबर को परिणाम घोषित होने की चर्चा हो रही है। और बिहार में हालत यह है कि वहाँ इसे लेकर घमासान हो रहा है कि चुनाव आयोग वहां पर वोटर लिस्ट का सत्यापन लोकसभा चुनाव के बाद से नहीं कराकर अब संधान सभा चुनाव जब सिर पर आ गया तो इतनी जल्दी बाज़ी व कम समय में क्यों करा रहा है? क्या यह तथाकथित महाराष्ट्र व हरियाणा जैसा कुछ करने के लिए हो रहा है ? इसको लेकर विपक्षी दलों के कुछ नेताओं ने चुनाव आयोग से मुलाकात की ,लेकिन बिहार में भाजपा के सहयोगी दल हैं उनमें से चिराग़ पासवान सहित अन्य कई सहयोगी दल के नेता भी परेशान हैं।विपक्ष ने सवाल उठाया है कि वोटर लिस्ट के सत्यापन का जो काम पिछले 22 सालों में नहीं हुआ उसे बिहार में बिहार विस चुनाव के इतने कम समय में अब क्यों किया जा रहा है? और उसके लिए लोगों से जिस तरह के दस्तावेज मांगे गए हैं, अब जब चुनाव में कुछ ही माह का समय है, ऐसे में लोगों को उन दस्तावेज को देने में मुश्किल होगी और इससे बिहार में 2 से 3 करोड़ मतदाता वोट नहीं डाल पाएंगे।इसमें ज्यादातर मतदाता विपक्षी दलों व चिराग़ पासवान जैसे भाजपा के सहयोगी दलों के हो सकते हैं। कुछ सीटों पर भाजपा की सहयोगी पार्टी जदयू के भी मतदाता हो सकते हैं। इधर कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि क्या 2003 में मतदाता सूची के आतम रिवाजन के बाद से कराए गए सभी चुनाव गलत थे? इसी तरह तेजस्वी यादव ने कहा है कि ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग भाजपा का आयोग बन गया है।

हालत यह है कि अकेले बातचीत में भाजपा , जदयू व लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कई नेताओं ने इसे लेकर संदेह जताया कि क्या इतने कम समय में चुनाव आयोग यह काम पूरा कर पाएगा ? मालूम हो कि मतदाता सूची के सत्यापन का यह काम 25 जून को शुरू हुआ था और इसे 25 जुलाई तक पूरा किया जाना है यानि हर हालत में मात्र एक माह में । इन नेताओं ने राज्य में साक्षरता, गरीबी व प्रशासनिक इंतजामों को लेकर बात की और कहा कि कई लोगों विशेषकर गरीबों के पास जन्म तिथि व जन्म स्थान के प्रमाण के रूप में चुनाव आयोग द्वारा मांगे गए 11 दस्तावेज में से कोई भी नहीं होगा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के एक नेता का कहना है कि क्योंकि वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने से वोटर को कोई सरकारी फायदा मिलता नहीं है, इसलिए बिहार के मतदाता भी इसके लिए अपनी ओर से कोई कोशिश नहीं करेंगे और उन्हें वोटर लिस्ट में शामिल करने की जिम्मेदारी राजनीतिक दलों को ही निभानी पड़ेगी। मालूम हो कि चुनाव आयोग ने अपने निर्देशों में कहा है कि हर मतदाता को व्यक्तिगत गणना फॉर्म जमा करना जरूरी है। 1987 के बाद जन्मे और 1 जनवरी 2003 के बाद मतदाता सूची में शामिल होने वाले लोगों को जन्मतिथि प्रमाण पत्र , पासपोर्ट या किसी शैक्षणिक प्रमाण पत्र के मार्फत अपनी नागरिकता का प्रमाण देना होगा।चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए जन्म तिथि और जन्म स्थान का प्रमाण देने के लिए जुलाई 1987 की कट ऑफ तिथि निर्धारित की है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल के आंकड़ों से पता चलता है कि 2000 में राज्य में केवल 1.19 लाख जन्म पंजीकृत हुए थे, जो उस साल बिहार में अनुमानित हुए कुल जन्म का मात्र 3.7% था जबकि तब राष्ट्रीय औसत 56% था।2001 की जनगणना के अनुसार, 1 मार्च 2001 को बिहार की आबादी 8.3 करोड़ थी, जो 2011 में बढ़कर 10.4 करोड़ हो गई यानी राज्य की आबादी में 2.11 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। लेकिन इस दौरान बिहार 73.91 लाख ही जन्म पंजीकरण हुए।

सिंधु जल संधि पर भारत के ऐक्शन से पाक में बढ़ा खौफ

इस्लामाबाद । पिछले सप्ताह स्थायी मध्यस्थता न्यायालय द्वारा अपने पक्ष में दिए गए फैसले के बाद, पाकिस्तान अब भारत से द्विपक्षीय जल-बंटवारे संधि के कार्यान्वयन को फिर से शुरू करने का आह्वान कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि फैसले से इस्लामाबाद की कानूनी स्थिति मजबूत हुई है, लेकिन नई दिल्ली द्वारा संधि का पालन करने की संभावना नहीं है। 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि (IWT) पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों के पानी पर अधिकार देती है, जबकि भारत को रावी, सतलुज और ब्यास नदियों पर नियंत्रण प्रदान करती है। अप्रैल के महीने में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले के जवाब में भारत ने सिंधु जल संधि को निरस्त करने की घोषणा कर दी थी।

दिल्ली उच्च न्यायालय से रामदेव के पतंजलि आयुर्वेद को झटका

डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ टीवी विज्ञापन दिखाने पर रोक

ब्यूरो

- पतंजलि अपने च्यवनप्राश को 51 से ज़्यादा जड़ी-बूटियों से बना हुआ बता रहा है जबकि उसमें सिर्फ 47 जड़ी-बूटियां ही हैं

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने योग गुरु से धंधा गुरू बन गये रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को झटका देते हुए पतंजलि को डाबर इंडिया के च्यवनप्राश उत्पादों के विरूद्ध टीवी पर कोई भी विज्ञापन दिखाने से रोक दिया है। डाबर ने कोर्ट में कहा था कि पतंजलि के विज्ञापन उनके उत्पाद को बदनाम कर रहे हैं।कोर्ट ने डाबर की याचिका पर पतंजलि को फ़ौरन ऐसे विज्ञापन दिखाने से मना कर दिया है। इस मामले की सुनवाई बीते 24 दिसंबर को शुरू हुई थी। तब कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को नोटिस भेजा था। डाबर ने न्यायालय को बताया कि नोटिस मिलने के बाद भी पतंजलि आयुर्वेद ने पिछले कुछ सप्ताह में 6,182 बार विज्ञापन दिखाए। डाबर का कहना है कि इन विज्ञापनों में गलत जानकारी दी जा रही है। पतंजलि अपने प्रोडक्ट को 51 से ज़्यादा जड़ी-बूटियों से बना हुआ बता रहा है, जबकि उसमें सिर्फ 47 जड़ी-बूटियां ही हैं। डाबर का कहना है कि पतंजलि ऐसा करके ग्राहकों को गुमराह कर रहा है। पिछली सुनवाई में डाबर इंडिया ने कहा था, "वे हमें साधारण बताते हैं। वे एक मार्केट लीडर को साधारण बना रहे हैं।" मालूम हो कि कि च्यवनप्राश के बाज़ार में डाबर की हिस्सेदारी 61.6% है। डाबर ने यह भी कहा कि पतंजलि के विज्ञापन में यह दावा किया जा रहा है कि असली च्यवनप्राश तो वही बना सकते हैं जिन्हें आयुर्वेद और वेदों का ज्ञान हो। इससे यह ज़ाहिर होता है कि डाबर का प्रोडक्ट घटिया है। इसके अलावा, डाबर ने यह भी आरोप लगाया कि पतंजलि के प्रोडक्ट में पारा (मरकरी) है और यह बच्चों के लिए ठीक नहीं है।

मद्रास हाई कोर्ट ने केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी 2011 के फोन-टैपिंग आदेश को रद्द कर दिया

हर बार नहीं किया जा सकता फोन टैप, सीबीआई को फटकार, केंद्र को झटका

ब्यूरो

निजता का अधिकार 2017 में के एस पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ मामले में 9 न्यायाधीशों की पीठ के फैसले के बाद मौलिक अधिकार बन गया है

नई दिल्ली। मद्रास हाई कोर्ट ने केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी 2011 के फोन-टैपिंग आदेश को रद्द कर दिया। इसमें कहा गया कि निगरानी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गोपनीयता के अधिकार का उल्लंघन करती है। अपने फैसले में जस्टिस एन आनंद वेंकटेश ने कहा कि आज के कानून के अनुसार अपराधों का पता लगाने के उद्देश्य से गुप्त ऑपरेशन या गुप्त स्थितियों के उद्देश्य से टेलीफोन पर बातचीत या संदेशों की टैपिंग की अनुमति नहीं है। 94 पेज के आदेश में अदालत ने कहा कि फोन टैपिंग इस तरह से किसी व्यक्ति की गोपनीयता के अधिकार का उल्लंघन है, जब तक कि इसे कानून द्वारा उचित नहीं ठहराया जाता है। यह मामला याचिकाकर्ता पी किशोर (एवरॉन एजुकेशन लिमिटेड के पूर्व प्रबंध निदेशक) से संबंधित है, जिन्होंने 12 अगस्त, 2011 के गृह मंत्रालय के आदेश को चुनौती दी थी। इसमें भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 की धारा 5(2) और भारतीय टेलीग्राफ नियम, 1951 के नियम 419-A के तहत उनके मोबाइल फ़ोन को इंटरसेप्शन के लिए अधिकृत किया गया था। एक वरिष्ठ आयकर अधिकारी को कथित तौर पर 50 लाख रुपये की रिश्वत से जुड़ी सीबीआई जांच के सिलसिले में निगरानी का आदेश दिया गया था। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि निगरानी के लिए राज्य का औचित्य (भ्रष्टाचार का पता लगाने की आवश्यकता) फोन टैपिंग के माध्यम से किसी व्यक्ति की गोपनीयता पर आक्रमण करने के लिए आवश्यक कानूनी सीमा को पूरा नहीं करता है।

जस्टिस वेंकटेश ने 1997 के पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज बनाम भारत संघ के फैसले का हवाला देते हुए लिखा, "मौजूदा मामले में आरोपित (चुनौती के तहत) आदेश न तो सार्वजनिक आपातकाल के दायरे में आता है और न ही सार्वजनिक सुरक्षा के हित में, जैसा कि पीयूसीएल मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने समझाया है।" जस्टिस ने कहा कि निजता का अधिकार 2017 में के एस पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ मामले में 9 न्यायाधीशों की पीठ के फैसले के बाद मौलिक अधिकार बन गया है। जस्टिस ने कहा, "मामले के तथ्य बताते हैं कि यह एक गुप्त ऑपरेशन या अपराध का पता लगाने के लिए एक गुप्त स्थिति थी, जो किसी भी समझदार व्यक्ति के लिए स्पष्ट नहीं होगी। वर्तमान कानून के अनुसार इस तरह की स्थिति अधिनियम की धारा 5(2) के दायरे में नहीं आती है, जैसा कि पीयूसीएल में सुप्रीम कोर्ट व्याख्या की गई है। इसे एस पुट्टस्वामी के मामले में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने मंजूरी दी है।" अदालत ने उन शर्तों को भी निर्धारित किया, जिनके तहत फोन टैपिंग वैलिड रूप से की जा सकती है। यह सार्वजनिक आपातकाल के दौरान या सार्वजनिक सुरक्षा के हित में की जा सकती है।

स्वागत

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने आवास पर परिवार के साथ सड़क परिवहन केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का स्वागत किया। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास उपस्थित रहे।

लगा जाम

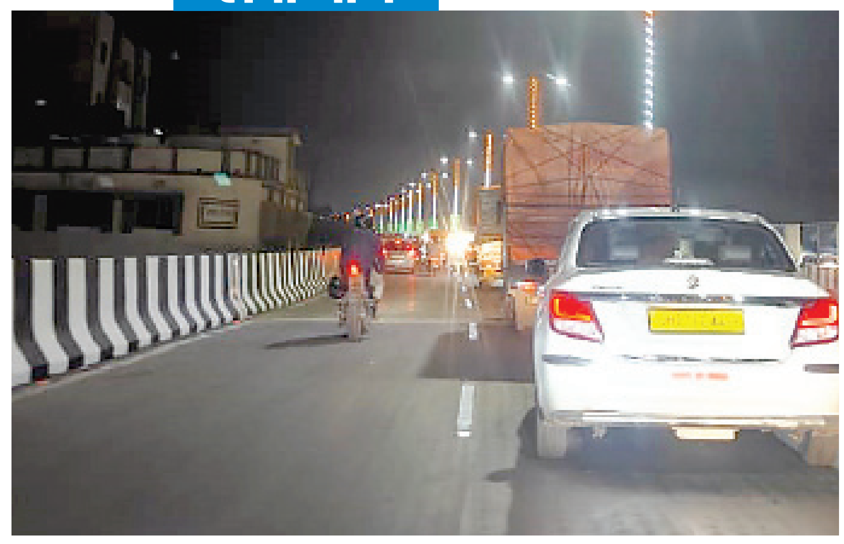

उद्घाटन के बाद एलिवेटेड कॉरिडोर के ऊपर युवाओं से लेकर परिवारों के साथ घूमने वाले लोगों की भीड़ लगी हुई थी जो पार्कों की तरह बीच-बीच में खड़ा होकर बोल बतिया रहे थे या सेल्फी ले रहे थे।

विमल लकड़ा का हाल जानने अस्पताल पहुंचे राज्यपाल

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने क्यूरेस्टा अस्पताल पहुंचकर पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। राज्यपाल ने वहां उपस्थित चिकित्सकों से श्री लकड़ा के उपचार की प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि विमल लकड़ा ने हॉकी के क्षेत्र में देश एवं राज्य को गौरवान्वित किया है। सम्पूर्ण राज्यवासी उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रही है।

विमल लकड़ा को फिलहाल ऑपरेशन की जरूरत नहीं : डॉ इरफान अंसारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने गुरुवार को अस्पताल जाकर पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। मंत्री ने डॉक्टरों की टीम को स्पष्ट निर्देश दिया कि उनके इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

उन्होंने उनकी पत्नी और परिजनों से मुलाकात कर भरोसा दिलाया कि अब उनकी स्थिति स्थिर है। डॉक्टरों की राय में फिलहाल ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं है। झारखंड सरकार का पूरा स्वास्थ्य विभाग उनके साथ खड़ा है। हर जरूरत का ख्याल रखा जा रहा है। मंत्री ने कहा कि वह खुद उनके उपचार का निजी रूप से मॉनिटरिंग कर रहे हैं। आवश्यकता पड़ी तो देश-विदेश के सर्वश्रेष्ठ न्यूरो सर्जन से उनका इलाज करवाया जाएगा।

देव शयनी एकादशी 6 जुलाई को

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग व श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवशयनी एकादशी कहा जाता है। यह एकादशी अत्यंत पुण्य दायिनी मानी जाती है। यह दिन भगवान विष्णु के शयन करने और चातुर्मास के आरंभ का प्रतीक है। इस वर्ष देवशयनी एकादशी 6 जुलाई दिन-रविवार को मनाई जाएगी। देव शयनी एकादशी को 'हरि शयनी एकादशी' 'पद्मा एकादशी' और 'आषाढ़ी एकादशी' के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीहरि विष्णु क्षीर सागर में शेषनाग की शैया पर योगनिद्रा में चले जाते हैं। यह निद्रा चार महीनों तक रहती है, जिसे चातुर्मास कहा जाता है। इस अवधि में भगवान विष्णु का उत्तरायण से दक्षिणायन गमन होता है, और यह काल तपस्या, व्रत, संयम और भक्ति का होता है। इस एकादशी को समस्त जगत के पालनकर्ता श्री हरि विष्णु जी की विधिवत पूजा कर शयन कर दिया जाता है, चातुर्मास में श्री विष्णु योग निद्रा में चले जाएंगे,भगवान के शयन के साथ ही विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, उपनयन जैसे शुभ एवं मांगलिक कार्यों पर अस्थायी रोक लग जाती है।

झारखंड सरकार का बड़ा कदम

पंचायत सचिवालयों में होगी आधार सेवा केंद्रों की स्थापना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। आज राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग तथा कॉमन सर्विस सेंटर - स्पेशल परपज़ व्हीकल (सीएससी-एसपीवी) के बीच एक महत्वपूर्ण मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते के तहत राज्य के पंचायत सचिवालयों में स्थायी आधार पंजीकरण और अद्यतन केंद्रों की स्थापना की जाएगी। यह सुविधा अब ग्रामीण जनता को उनके स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होगी, जिससे उन्हें आधार से संबंधित सेवाओं के लिए दूरस्थ शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। यह कदम समय, श्रम और संसाधनों की बचत के साथ-साथ डिजिटल समावेशन को भी बढ़ावा देगा।

यह पहल झारखंड वित्त नियमावली के नियम 245 के अंतर्गत विशेष स्वीकृति के तहत संभव हो पाई है, जिसमें राज्य सरकार ने सीएससी-एसपीवी को पंचायत भवन में आधार सेवाएं संचालित करने की अनुमति प्रदान की है।

झारखंड की ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने इस अवसर पर कहा,

"यह समझौता झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को डिजिटल पहचान से जोड़ने की दिशा में एक क्रांतिकारी प्रयास है। इससे न केवल आधार सेवाएं सुलभ होंगी, बल्कि पंचायत सचिवालय डिजिटल सेवा केंद्रों के रूप में सशक्त बनेंगे।"

पुराने सभी इकरारनामों को रद्द कर अब यह नई व्यवस्था यूआईडीएआइ द्वारा निर्धारित इन-हाउस मॉडल के अंतर्गत लागू की जाएगी। इस समझौते के तहत जल्द ही पूरे राज्य में आधार पंजीकरण और उससे जुड़ी सेवाएं पंचायत सचिवालयों से प्रारंभ कर दी जाएंगी।

यह कदम झारखंड सरकार के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के संकल्प को गति देने के साथ-साथ डिजिटल भारत के विज़न को जमीनी स्तर तक साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नागरमल मोदी सेवा सदन में 'डॉक्टर्स डे' मना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नागरमल मोदी सेवा सदन में 'डॉक्टर्स डे' समारोह मनाया गया। चिकित्सा अधीक्षक व सभी चिकित्सकों के साथ दीप प्रजवलित करते हुए समारोह का शुभारम्भ किया गया। समारोह में सदन के अध्यक्ष अरुण कुमार छावछरिया ने सभी चिकित्सकों का स्वागत करते हुए भारतरत्न डॉ. विधानचन्द्र राय की चर्चा की तथा कहा कि चिकित्सक दिवस एक दिन का सम्मान न रहे, हमें हर कदम पर चिकित्सकों को सम्मान, सुरक्षा और समर्थन देना है।

उपाध्यक्ष रेखा जैन एवं सदस्या कविता मितल ने इस वर्ष के थीम "बियोंड द मास्क केयरिंग फॉर केयर गीवर्स " के आधार पर मनोरंजन कार्यक्रम का संचालन किया। परस्पर सामंजस्य वृद्धि हेतू खेल खिलाया गया एवं विजेताओं को पुरस्कार भी दिए गए। डॉ. रमन कुमार एवं डॉ. नीशा माहेश्वरी ने संगीत प्रस्तुत किये। हार्ट सेन्टर के श्री ठाकुर जी ने कविता पाठ किया। डॉक्टर्स डे के अवसर पर तनिष्क ज्वेलर्स (हरमू रोड) द्वारा सभी चिकित्सकों को अभिनन्दन स्वरूप उपहार दिया गया। कार्यक्रम संयोजक आलोक तुलस्यान ने तनिष्क के अर्थ को स्पष्ट करते हुए कहा कि तनिष्क का अर्थ होता है तन के लिए सोने का गहना किन्तु तन का असली गहना तो स्वास्थ्य ही है इसे चिकित्सक ही पहनाते हैं।

राज्यपाल ने गडकरी का आभार प्रकट किया

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने राज्यवासियों को रातू रोड एलिवेटेड फ्लाईओवर एवं गढ़वा-रेहला फोरलेन बाईपास समर्पित करने के साथ-साथ राज्य में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात देने के लिए केंद्रीय मंत्री के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि इन कार्यों से न केवल राज्य में आवागमन की सुविधा में सुधार होगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी।

केंद्र सरकार झारखंडवासियों पर टोल टैक्स थोपकर छलावा कर रही है : झामुमो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की गढ़वा और रांची में सड़क परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने गुरुवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता में कहा कि हेमंत सरकार ने कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण सड़कें बनाईं, वह भी बिना किसी टोल के जबकि केंद्र सरकार महंगे ठेके देकर गरीबों से टैक्स वसूलती है। भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र सरकार झारखंडवासियों पर टोल टैक्स थोपकर और ज्यादा लागत दिखाकर छलावा कर रही है। भट्टाचार्य ने कहा कि हेमंत सरकार ने कांटाटोली और सिरमटोली फ्लाईओवर सिर्फ 580 करोड़ रुपये में बनवाए, जबकि केंद्र ने सिर्फ रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर पर ही 558 करोड़ खर्च कर दिए । सुप्रियो ने कहा कि गढ़वा बाइपास का उद्घाटन नहीं हुआ, क्योंकि वहां पहले से ही टोल वसूला जा रहा था। उन्होंने रातू रोड प्रोजेक्ट

प्रदेश कांग्रेस का आरोप: उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्र ने संघीय ढांचा पर किया प्रहार

झारखंड को उसके जायज हक़ से रखा जा रहा दूर : केशव महतो

नवीन मेल संवाददाता

- आज समय है कि राज्य के साथ दोहरे मापदंड से परे हटकर झारखंड में विकास की योजनाओं के लिए केंद्र सहयोग करे

रांची। रातू रोड फ्लाईओवर सहित अन्य सड़कों के उद्घाटन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने झारखंड की जनता को बधाई दिया। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का हम स्वागत करते हैं और इसके लिए झारखंड सरकार तत्पर रहती है लेकिन रातू रोड फ्लाईओवर के उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्र द्वारा संघीय ढांचा प्रणाली पर प्रहार किया गया। राज्य के सहयोग को नजरअंदाज करने की पुरानी आदत केंद्र की भाजपा सरकार की रही है, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कार्यक्रम में आने में असमर्थता जताकर तिथि आगे बढ़ाने का आग्रह किया था लेकिन उनके आग्रह को ठुकरा कर केंद्र सरकार ने अपनी हठधर्मिता दिखा दी। यह भाजपा की सोच का परिणाम है इस तरह का व्यवहार दिखाया गया जबकि राज्य सरकार की योजनाएं जब धरातल पर उतरती है तो दलगत भावना से ऊपर उठकर सभी को सम्मान देती है।

उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने पूरे देश की योजनाएं झारखंड के लोगों को गिना दी लेकिन जहां पर वह सभा को संबोधित कर रहे थे वहां से प्रारंभ हुये उन्हें रांची बीजूपाड़ा कुड़ु फोरलेन की गुणवत्ता के बारे में भी अवश्य कहना चाहिए था, जो योजना अभी तक पूरी नहीं हुई है उसके लिए टोल टैक्स की वसूली चालू है, मांडर के निकट पुल बना नहीं है उसमें गिरकर कई लोगों की मौत हो चुकी है, महज 4 वर्षों के अंदर एन एच 75 की सड़क गढों में तब्दील हो गई है।

उन्होंने कहा कि भाजपा भले रातू रोड फ्लाईओवर योजना की स्वीकृति की वाह वाहि लूटने की कोशिश करे लेकिन सच्चाई है कि विकास के लिए दृढ़ संकल्पित महागठबंधन सरकार ने योजना को धरातल पर उतारने के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से पूरा सहयोग किया। आज समय है कि राज्य के साथ दोहरे मापदंड से परे हटकर झारखंड में विकास की योजनाओं के लिए केंद्र सहयोग करे। झारखंड सरकार समयबद्ध और त्वरित कार्य संपादन के लिए हमेशा आशावादी सोच के साथ खड़ी रहेगी।

राज्य के समग्र विकास के लिए आवश्यक है कि केंद्र सरकार राज्य के साथ समन्वय बनाकर विभिन्न क्षेत्रों के लिए सहायता प्रदान करे लेकिन वर्तमान में यह परिलक्षित होता है कि झारखंड की पूरी तरह से उपेक्षा की जा रही है। आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए आवश्यक सहायता और संसाधन उपलब्ध कराना तो दूर झारखंड को उसके जायज हक से भी वंचित रखा जा रहा है।

रांची की जर्जर सड़कों को लेकर हाई कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

रांची। राजधानी रांची की मुख्य सड़कों को छोड़कर अन्य जर्जर सड़कों की मरम्मत को लेकर दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एसएम रामचंद्र राव और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ में गुरुवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रार्थी के अधिवक्ता शुभम कटारूका ने अदालत को बताया कि रांची की कई सड़कें मामूली बारिश में भी तालाब बन जाती हैं। सेवा सदन के सामने की सड़क और तपोवन मंदिर के पास की सड़क की हालत बरसात में अत्यंत दयनीय हो जाती है। रोजाना जान-माल की खतरे का सामना करना पड़ता है। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मरम्मत का दावा और जिला विधिक सेवा प्राधिकार की रिपोर्ट परस्पर विरोधाभासी हैं।

न्यूज बॉक्स

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा का सावन मेला 22 से

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण का सावन मेला 22 , 23 , 24 जुलाई को अग्रसेन भवन में लगेगा। शाखा अध्यक्ष ने कहा कि समाज में बहुत सी महिलाए घर में कुछ सामान तैयार करती हैं , उनको सेल करने के लिए शाखा उन्हें एक प्लेटफार्म देती है, ताकि महिलाएं अपने रोजगार को आगे बढ़ा सके। मेले में राखी, कुर्ती, बेडशीट, होम मेड आइटम वगैरह के स्टॉल रहेंगे। मेले में शॉपिंग के अलावा फूड स्टॉल एवं गेम्स भी रहेगा। स्टॉल की बुकिंग लगभग पूरी हो गई है। शाखा ने सभी रांची वासियों से मेले में विजिट करने का आग्रह किया है। मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने कहा मेले से संबंधित कोई भी जानकारी के लिए संयोजिका से संपर्क करें।

माइकल राज एस झारखंड पुलिस के प्रवक्ता नियुक्त

रांची। आईजी अभियान माइकल राज एस को झारखंड पुलिस का प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। डीजीपी अनुराग गुप्ता से इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। इससे पहले माइकल राज एस बोकारो जोनल आईजी के पद कर पदस्थापित थे। बीते दिन हुए आईपीएस के ट्रांसफर-पोस्टिंग के दौरान सरकार ने इन्हें आईजी अभियान के पद पर पदस्थापित किया है।

भाजपा की नीतियों के विरोध में झामुमो ने किया पुतला दहन

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची जिला समिति ने भोगनाडीह में हूल दिवस के अवसर पर हुई घटना और भाजपा की आदिवासी-विरोधी नीतियों के खिलाफ फिरायालाल चौक स्थित अल्बर्ट एक्का चौक पर भाजपा का पुतला दहन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने किया। इस अवसर पर मुस्ताक आलम ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा झारखंड को अस्थिर करने की साजिश रच रही है। भोगनाडीह में साड़ी, पैसा और हथियार बांटकर जनता को उकसाया गया ताकि संथाल परगना को मणिपुर जैसा बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह विरोध झारखंड के 24 जिलों में हो रहा है और केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित है। मौके पर कई अन्य झामुमो नेताओं ने कहा कि वे झारखंड में शांति और सामाजिक समरसता के पक्षधर हैं। किसी भी तरह की सांप्रदायिक या विघटनकारी साजिश को सफल नहीं होने देंगे। पुतला दहन कार्यक्रम में पवन जेडिया, अश्विनी शर्मा, डॉ हेमलाल मेहता, बीरू तिर्की, धर्मेंद्र सिंह, अंतू तिर्की, जनक नायक, कलाम आजाद, आदिल इमाम, संजय राय, रमेश साहू, फरीद खान, आफताब आलम, जीत गुप्ता, महावीर विश्वकर्मा, अरुण वर्मा, लालजी रमण, मृत्युंजय सिंह, आशुतोष वर्मा, मो निजाम, सुनील साहू, सुजीत कुजूर, शिवनंदन मिश्रा, सुजीत उपाध्याय, परवेज आलम गुड्डू, बबलू राम, अजीत नायक सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

पृष्ठ एक के शेष

गडकरी के एलिवेटेड कॉरिडोर से...

कि रास्ते अच्छे हुए तब अमेरिका धनवान हुआ। गडकरी ने कहा कि 2 साल के अंदर देश में राष्ट्रीय राजमार्ग का इंफ्रास्ट्रक्चर अमेरिका के बराबर हो जाएगा। ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे बनाए जा रहे हैं। दिल्ली से जयपुर दो घंटा,मैसूर से बेंगलुरु एक घंटा मेरठ से दिल्ली 45 मिनट, दिल्ली से अमृतसर 4:30 घंटा, घंटा दिल्ली से कटरा 6 घंटा मुंबई से दिल्ली के सफर में अब 12 घंटा का समय लगेगा।

जमीन विवाद और फॉरेस्ट क्लियरेंस में मांगा राज्य सरकार का सहयोग : उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने फोन करके दिल्ली से आने में असमर्थता जताई। उनसे अनुरोध करूंगा कि जमीन अधिग्रहण और फॉरेस्ट क्लियरेंस देंगे, तो कई काम हो जाएंगे। इससे पहले नितिन गडकरी ने बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में महुआ माजी और राज्य के मंत्री दीपक बिरुवा भी शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास, कई सांसद, विधायक और सरकारी अधिकारी भी इस समारोह में मौजूद रहे।

नितिन गडकरी ने इन योजनाओं का किया लोकार्पण : नागा बाबा खटाल से नितिन गडकरी ने झारखंड को 6300 करोड़ रुपए का तोहफा दिया। उन्होंने 1900 करोड़ की लागत से पलमा से गुमला तक बने फोर लेन सड़क, 560 करोड़ रुपए की लागत से रांची शहर में रातू रोड पर बने एलिवेटेड कॉरिडोर, 70 करोड़ की लागत से बने बाराहाट से तुलसीपुर खंड तक 2 लेन पेव्ड शोल्डर के चौड़ीकरण, 825 करोड़ की लागत से बने बरही-कोडरमा खंड फोर लेन, 100 करोड़ की लागत वाली गोड्डा से सुंदरपहाड़ी खंड तक 2 लेन पेव्ड शोल्डर के चौड़ीकरण, 20 करोड़ की लागत से गिरिडीह शहर में सड़क के चौड़ीकरण और 1130 करोड़ की लागत से शंखा से खजुरी तक बने फोर लेन सड़क का लोकार्पण किया।

40 साल से रातू रोड का सपना था फ्लाईओवर : संजय सेठ

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नितिन गड़करी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शेरशाह सूरी के नाम को सदा सदा के लिए मिट्टी में मिला दिया गया है। रांची के लिए 40 साल से रातू रोड का सपना था फ्लाईओवर। लाल मिटटी से लेकर कालीकरण के लिए आंदोलन करना पड़ता था लोगों को जाम से जूझना पड़ता था। आज वो सपना पूरा हो गया। उन्होंने नितिन गडकरी से आउटर रिंग रोड, एलिवेटेड कॉरिडोर पर के पिलर पर सोहराय पेंटिंग, रांची अनगड़ा सिल्ली मुरी सड़क को फोरलेन करने के साथ रांची में इलेक्ट्रिक बस के संचालन की मांग की।

राजनेताओं ने जताई खुशी : पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इन परियोजनाओं को झारखंड के लिए वरदान बताया। उन्होंने कहा, '2014-19 के दौरान डबल इंजन सरकार ने सड़क यातायात को सुगम बनाने की योजनाएं बनाई थीं, जो आज पूरी हुई हैं। साहिबगंज सड़क निर्माण ने संताल की दूरी को कम किया है।' बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा, 'नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। नितिन गडकरी सड़कों का जाल बिछा रहे हैं।' हेमंत सरकार के मंत्री दीपक बिरुवा ने केंद्र को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया।केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने रातु रोड एलिवेटेड कॉरिडोर को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि घंटों की दूरी मिनटों में तय होगी।

हमारी दोस्ती घाना के प्रसिद्ध...

आपका राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करना एक बहुत बड़ा सम्मान है और मैं इसे हमेशा संजोकर रखूंगा। उन्होंने कहा कि भारत को अक्सर लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। हमारे लिए लोकतंत्र केवल शासन की व्यवस्था नहीं है, यह जीवन जीने का एक तरीका है, जो हमारे मौलिक मूल्यों में गहराई से निहित है। हजारों वर्षों से हमने लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कायम रखा है। वैशाली के प्राचीन गणराज्य से लेकर दुनिया के सबसे पुराने शास्त्रों में से एक ऋग्वेद के ज्ञान तक, जिसमें कहा गया है, 'सभी दिशाओं से अच्छे विचार हमारे पास आएं।' विचारों के प्रति यह खुलापन हमारे लोकतांत्रिक लोकाचार के मूल में है। आज भारत में 2,000 से अधिक राजनीतिक दल, 22 आधिकारिक भाषाएं और हजारों बोलियां हैं। यह विविधता कोई चुनौती नहीं है। यह हमारी ताकत है। यही कारण है कि सदियों से भारत आने वाले लोगों का हमेशा खुले दिल से स्वागत किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपकी अनुमति से मैं कह सकता हूं कि हमारी दोस्ती घाना के प्रसिद्ध शुगर लोफ अनानास से भी ज्यादा मीठी है। घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा के साथ मिलकर हम अपने संबंधों को एक व्यापक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि कितना सुखद संयोग है कि भारत के कई गौरव भरे क्षणों में अफ्रीका जुड़ा हुआ है। जब भारत ने चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंड किया तो उस दिन भी मैं अफ्रीका में था और आज जब एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री मानवता के लिए स्पेस स्टेशन में एक्सपेरिमेंट कर रहा है तो भी मैं अफ्रीका में हूं। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

269 रन

तिहरे शतक से चूके शुभमन गिल

पहली पारी में भारत 587 रन पर आउट

एजबेस्टन। कप्तान शुभमन गिल के 269, रवींद्र जडेजा के 89 और यशस्वी जायसवाल के 87 रनों की मदद से भारतीय टीम ने एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में अपनी पहली पारी में 587 रन बनाए। दूसरे दिन चायकाल के बाद जब खेल शुरू हुआ तो सबकी नजर भारतीय कप्तान शुभमन गिल पर थी। वह 265 पर नाबाद थे। उम्मीद की जा रही थी कि वह तिहरा शतक पूरा करेंगे। लेकिन, तीसरा सेशन शुरू होने के कुछ मिनट बाद ही वह 269 रन के स्कोर पर आउट हो गए। 387 गेंद की पारी में गिल ने तीन छक्के और 30 चौके लगाए। टेस्ट में गिल का यह पहला दोहरा शतक है। साथ ही किसी भी भारतीय कप्तान का बनाया यह सर्वाधिक स्कोर भी है। इस पारी के दौरान शुभमन गिल ने इंग्लैंड में भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 1990 में मैनचेस्टर में 179 रन बनाए थे। वहीं, 2018 में विराट कोहली के बनाए 149 के आंकड़े को पार करते ही एजबेस्टन के मैदान पर सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बन गए। भारतीय टीम को 587 रन तक पहुंचाने में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे रवींद्र जडेजा का अहम रोल रहा। जायसवाल ने 107 गेंद पर 87 रन की पारी खेली। इस दौरान करुण नायर के साथ उन्होंने दूसरे विकेट के लिए 80 और गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 66 रन की अहम साझेदारियां निभाईं। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे रवींद्र जडेजा ने 89 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने कप्तान गिल के साथ छठे विकेट के लिए 203 रन की अहम साझेदारी की। वाशिंगटन सुदंर ने 42 रन बनाए और गिल के साथ सातवें विकेट के लिए 114 रन जोड़े। करुण नायर ने 31, ऋषभ पंत ने 25 रन बनाए। इंग्लैंड ने सात गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। शोएब बशीर ने तीन विकेट लिए। क्रिस वोक्स-जोश टंग को दो-दो विकेट मिले। स्टोक्स, कार्स, जो रुट ने एक-एक विकेट चटकाए। टॉस इंग्लैंड ने जीता था।

नीरज चोपड़ा से मिले कर्नाटक के सीएम सिद्दारमैया

कर्नाटक। ओलंपिक पदक विजेता और वर्ल्ड नंबर-1 जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया से उनके कावेरी स्थित आवास पर मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नीरज चोपड़ा को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर ओलंपिक संघ के अध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य गोविंदराजू भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर नीरज चोपड़ा से मुलाकात की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में सिद्दारमैया नीरज चोपड़ा को माला, शॉल और पगड़ी पहनाते दिखे। मुख्यमंत्री ने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, "दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और दुनिया के सबसे बेहतरीन जेवलिन थ्रो खिलाड़ियों में से एक नीरज चोपड़ा ने मुझसे मुलाकात की। इस मौके पर मैंने उनको खेल करियर में निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।" इस मौके पर ओलंपिक संघ के अध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य गोविंदराजू भी मौजूद थे। पांच जुलाई को कांतिरवा स्टेडियम में होने वाली 'नीरज चोपड़ा जेवलिन थ्रो कॉम्पिटिशन' में हिस्सा लेने के लिए नीरज चोपड़ा बेंगलुरु में हैं। 'नीरज चोपड़ा जेवलिन थ्रो कॉम्पिटिशन' भारत में होने वाला पहला वर्ल्ड एथलेटिक्स 'ए' कैटेगरी या कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड लेवल का इवेंट होगा।

सात साल में थामा बैडमिंटन रैकेट जोड़ीदार के साथ मिलकर रचा इतिहास

नई दिल्ली। चार जुलाई 1997 को मुंबई के मलाड में जन्मे चिराग शेट्टी भारत के स्टार शटलर हैं। विश्व स्तर पर कई बड़े टूर्नामिंट्स जीत चुके चिराग ने महज सात साल की उम्र में बैडमिंटन खेलना शुरू किया था। चिराग गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब में उदय पवार बैडमिंटन अकादमी में बैडमिंटन के गुर सीखने पहुंचे। इसके बाद चिराग ने हैदराबाद स्थित पुलेला गोपीचंद अकादमी में ट्रेनिंग लेनी शुरू की, जहां उनकी मुलाकात सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी से हुई। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने यहां बैडमिंटन के गुर सीखे। इसी जोड़ी ने आगे भारत का नाम विश्व स्तर पर रोशन किया। जोड़ी ने कड़ी मेहनत और शानदार तालमेल के साथ अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाई। कोर्ट पर अपनी ताकत और स्किल के दम पर कई टूर्नामेंट जीते। इस जोड़ी को 'सात्वी' के नाम से बुलाया जाता है। चिराग शेट्टी ने साल 2016 में एशियन टीम चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके बाद साल 2018 में कॉमनवेल्थ के दौरान मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड और मेंस डबल्स इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। इसके बाद चिराग शेट्टी ने एशियन टीम चैंपियनशिप-2020 में एक बार फिर ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। साल 2022 चिराग शेट्टी के लिए बेहद खास रहा। इस साल उन्होंने देश को थॉमस कप में गोल्ड, जबकि वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज दिलाया। 2022 के बर्मिंघम कॉमनवेल्थ में उन्होंने गोल्ड और सिल्वर जीते। इसके अलावा एशियन गेम्स और एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड जीते। साल 2023 में चिराग शेट्टी एशिया मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं। चिराग ने साल 2023 में सात्विक के साथ तीन बीडब्ल्यूएफ खिताब जीते। इनमें इंडोनेशिया ओपन, कोरिया ओपन और स्विस ओपन थे। अक्टूबर 2023 में यह जोड़ी बैडमिंटन रैंकिंग में दुनिया की नंबर-1 जोड़ी बन गई। यह कारनामा किसी भारतीय जोड़ी ने पहली बार किया था। चिराग शेट्टी ने 2020 टोक्यो ओलंपिक और 2024 पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व किया।

'पुरानी दिल्ली 6' से जुड़े रहेंगे ऋषभ पंत

नई दिल्ली। 'पुरानी दिल्ली 6' ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के आगामी सत्र के लिए स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को टीम में बनाए रखने का ऐलान किया है। पंत को मार्की खिलाड़ी के तौर पर टीम में बनाए रखा गया है। पुरानी दिल्ली 6 ने डीपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन सेमीफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। ऐसे में टीम दुर्भाग्यवश खिताब से दूर रह गई। ऋषभ पंत के टीम में बने रहने से उम्मीद है कि 2025 सत्र में पुरानी दिल्ली 6 और अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगी। ऋषभ पंत ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, "डीपीएल युवा प्रतिभाओं को अपना हुनर दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है। इस लीग के सफल आयोजन का श्रेय रोहन जेटली और डीडीसीए को जाता है। डीपीएल के जरिए प्रदान किए गए मौकों से देशभर के कई खिलाड़ी उभरकर सामने आए हैं, जैसे कि दिग्वेश राठी और प्रियांश आर्य।" पंत ने कहा, "मेरे लिए पुरानी दिल्ली 6 सच में घर जैसा है। पिछले साल एक शानदार सीजन के बाद, सफल होने का हमारा दृढ़ संकल्प और भी मजबूत हुआ है। हम इस साल और भी मजबूत होकर लौटना चाहते हैं।" पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा, "ऋषभ पंत न केवल एक विश्व स्तरीय क्रिकेटर हैं, बल्कि पुरानी दिल्ली 6 की धड़कन भी हैं। उनका नेतृत्व, अनुभव और स्वभाव से हमें बढ़त मिलती है। हम उनके इर्द-गिर्द एक मजबूत टीम बना रहे हैं। हमें इस साल आगे बढ़ने का पूरा भरोसा है।"

फुटबॉलर डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मौत

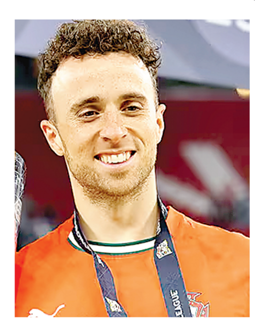

जमोरा (स्पेन)। लिवरपूल और पुर्तगाल के फॉरवर्ड डिओगो जोटा की स्पेन में गुरुवार को 28 साल की उम्र में कार दुर्घटना में मौत हो गई। स्काई स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार दुर्घटना के समय जोटा अपने भाई के साथ कार में थे। प्रीमियर लीग और लिवरपूल फुटबॉल क्लब ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर फुटबॉलर के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

'नारी शक्ति के लिए नए अवसर'

सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान,

के क्षेत्रीय केंद्र, रांची के उद्घाटन के अवसर पर

समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

"हमारी माताएं, बहनें, बेटियां, विकसित भारत के संकल्प में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही हैं। बीते 11 वर्षों में हमारी नारी शक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं।"

- श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

रांची केंद्र के खुलने से लाभ:

- देश के पूर्वी क्षेत्र के राज्यों - झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को मिलेगा लाभ और मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं की विशिष्ट प्रशिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं को किया जाएगा पूरा।
- केंद्र द्वारा बाल मार्गदर्शन एवं परामर्श में एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को बेहतर प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।
- रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

उद्घाटन समारोह

मुख्य अतिथि

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी
माननीय केंद्रीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

गरिमामयी उपस्थिति

श्री संजय सेठ
माननीय राज्य मंत्री, रक्षा मंत्रालय

श्रीमती सावित्री ठाकुर
माननीय राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

श्री नवीन जयसवाल
माननीय विधायक, हटिया

श्री राजेश कच्छप
माननीय विधायक, खिजरी

दिनांक : 4 जुलाई 2025, शुक्रवार
स्थान : सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, झारखंड शहरी नियोजन एवं प्रबंधन संस्थान, एचईसी मुख्यालय के पास, धुर्वा, रांची, झारखंड

CBC 46101/13/0013/2526